THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 110 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.8 2083 मंगलवार, 21 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 12 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में पेश

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक के पास होने के बाद देश के सर्वोच्च अदालत में जजों की संख्या बढ़ जाएगी।

इस बिल का मकसद सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) एक्ट, 1956 में और संशोधन करना है। प्रस्तावित कानून का मकसद केंद्र द्वारा जारी उस अध्यादेश की जगह लेना है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 33 से बढ़ाकर 37 की गई थी।

पुलिस ने सीजेपी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

सीजेपी का आरोप : निहत्थों को पीटा, संसद मार्च में भी लाठीचार्ज * कनॉट प्लेस में पुलिस ने पत्थर फेंके

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया।

उधर, सीजेपी ने पहले दावा किया था कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया। लेकिन बाद में पुलिस और सीजेपी दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए।

मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। देर शाम तक चले हंगामे के बीच प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

अमित शाह से मिले धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है। एक ओर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, वहीं दूसरी ओर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों के संसद मार्च से पहले हंगामा हुआ। दिल्ली में छात्रों की आवाज उठा रहे समाजवादी पार्टी के कई सांसदों को गिरफ्तार भी किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इसी दौरान सीजेपी के आह्वान पर हजारों लोगों ने संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की।

'मैं 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा'

मॉनसून सत्र के पहले ही दिन पीएम मोदी ने राहुल पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन पीएम मोदी ने राहुल गांधी की उम्र को लेकर तंज कसा। मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार मीडिया ब्रीफ्रिंग में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस (एक प्राइवेट स्पेस कंपनी जिसने हाल ही में भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' को ऑर्बिट में पहुंचाकर इतिहास रचा) की टीम के सदस्यों की औसत उम्र 28 साल है।

इसके बाद उन्होंने कहा कि वह किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहे हैं। यह राहुल गांधी की ओर इशारा था, जिनकी उम्र 56 साल ही है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल मॉनसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा था और हाल में एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने असाधारण उपलब्धि हासिल की। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक महीने में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनसे देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और अंतरिक्ष क्षेत्र तक फैली हुई हैं। मुझे बताया गया है कि स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष है। इन्हीं युवा दिमागों ने यह संभव बनाया है। मैं 56 साल के युवा व्यक्ति की बात नहीं कर रहा हूं। मैं एक ऐसे स्टार्टअप की बात कर रहा हूं जिसकी टीम की औसत आयु केवल 28 साल है और जिसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का झंडा गाड़ दिया है। मोदी का इशारा शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की ओर था। कंपनी ने इस रॉकेट के जरिये कई प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पेलोड को सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में स्थापित किया। इसके साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी ऑर्बिटल प्रक्षेपण क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में ऐसे गिने-चुने देश ही हैं जहां निजी कंपनियों ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है।

राहुल ने पीएम को बताया युवा-विरोधी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर युवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के "सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री" हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वह नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तक नहीं ले सकते।

राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में अब तक 152 पेपर लीक हो चुके हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं। उनका आरोप है कि इन मामलों में किसी भी दोषी को सजा नहीं मिली, जबकि इसकी कीमत मेहनत करने वाले युवाओं को चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि जब छात्रों ने शिक्षा से जुड़े अपने जायज सवाल उठाए तो जवाब में उन्हें लाठीचार्ज और हिरासत का सामना करना पड़ा। राहुल गांधी का आरोप है कि पेपर लीक के जिम्मेदार लोग आज भी खुले घूम रहे हैं, जबकि अपने अधिकारों की आवाज उठाने वाले छात्रों को घसीटा और पीटा जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार सिर्फ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही, बल्कि उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

प्रशिक्षु आईपीएस अफसर ने किया आत्महत्या का प्रयास

महिला ने लगाया था यौन उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक प्रशिक्षु अधिकारी ने सोमवार को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की। एक दिन पहले ही उनके खिलाफ अपनी ही बैच की एक महिला प्रशिक्षु अधिकारी के साथ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था।

अधिकारी की पहचान उदय कृष्णा रेड्डी के रूप में हुई है। आरोप है कि उन्होंने हैदराबाद के मोती नगर में अपने रिश्तेदार के घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद उन्हें एसआर नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है। आत्महत्या की कोशिश से पहले उदय कृष्णा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वास है कि सच सामने आएगा। उन्होंने मीडिया से भी तथ्य जांचने के बाद ही खबर प्रकाशित करने की अपील की। पुलिस ने

रविवार को 30 वर्षीय महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी की शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रशिक्षण के दौरान 23 जून से 10 जुलाई के बीच उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित तौर पर उनका उत्पीड़न किया। महिला अधिकारी ने अत्तापुर थाने में दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित तौर पर उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजे और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उनका निजी वीडियो बनाया और उसे उनके पति को भेज दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने 23 जून से व्हाट्सएप पर यौन टिप्पणी वाले आपत्तिजनक संदेश भेजकर उन्हें परेशान करना शुरू किया। महिला अधिकारी ने यह भी कहा कि आरोपी ने अन्य प्रशिक्षु अधिकारियों के सामने उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कीं और झूठा आरोप लगाया कि उनका एक अन्य प्रशिक्षु अधिकारी के साथ शारीरिक संबंध है। शिकायत में यह भी कहा गया कि उदय कृष्णा रेड्डी ने उन्हें धमकाकर और ब्लैकमेल करके उनके निजी संदेश दिखाने के लिए मजबूर किया।

संसद में सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

राम मंदिर-पेपर लीक पर जवाब दे सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया है। सत्र की शुरूआत के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्र के पहले दिन मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए साफ कर दिया है कि विपक्ष सदन में जनता की आवाज बनकर सरकार से हर मोर्चे पर जवाबदेही मांगेगा। उन्होंने कहा कि जनता के हक, उनकी आवाज और विश्वास की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी। विपक्ष हर मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही तय करेगा।

राम मंदिर चंदे की जांच की मांग :

इसके साथ ही मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्री राम मंदिर निर्माण में चंदा चोरी और आस्था से धोखे का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी कमाई अर्पित की थी। श्रद्धालुओं को न्याय मिलना चाहिए। खड़गे ने इस मामले की तत्काल स्वतंत्र जांच कराने और पूरा हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की है।

पेपर लीक और शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी :

कांग्रेस अध्यक्ष ने पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था के पतन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि साल 2014 से अब तक देश में 152 पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं के कारण 25 बच्चों ने अपनी जान गंवाई है। खड़गे ने इस विफलता के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की।

एथेनॉल मिश्रण और अन्य मुद्दे

खड़गे ने 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर जबरन थोपे गए एथेनॉल मिश्रण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार इसे एक 'प्रयोग' बता रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या जनता की कमाई की लूट ही भाजपा का एकमात्र औजार है? इन मुद्दों के अलावा विपक्ष आने वाले विधेयकों और देश की जनता को प्रभावित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण सवालों पर भी सरकार को घेरेगा।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने क्या कहा

इस सबके बीच सदन की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ, बच्चे जंतर-मंतर पर बैठे हैं, लेकिन उनके ऊपर लाठीचार्ज करवाया जा रहा है।

मोदी सरकार हमारे युवा की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। सदन के बाहर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला है। यह सरकार सत्ता में बने रहने के लायक नहीं है। उन्होंने आगे कहा- हमने अयोध्या राम मंदिर में दान की चोरी का मुद्दा भी उठाया है। मोदी साहब को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि ट्रस्ट उन्होंने ही बनाया था।

'सेवानिवृत्त जजों की सुविधाओं पर बनेंगे समान नियम'

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति के बाद दी जाने वाली सुविधाओं के लिए समान दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से एक समिति का गठन करे।

शीर्ष कोर्ट ने क्या कहा :

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया कि यह समिति दो सप्ताह के भीतर गठित की जाए। समिति अपने गठन के तीन महीने के भीतर अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट दोनों को सौंपे। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय बोझ बांटने की व्यवस्था पर भी सुझाव देने को कहा गया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि ये सुविधाएं सभी को एक समान आधार पर मिलनी चाहिए। ऐसा कोई कारण नहीं है कि ये सुविधाएं अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग हों।

'झंडा हमेशा ऊंचा रखें' : सर्वश्रेष्ठ इक्कीस के जवानों से बोले जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख और जम्मू-कश्मीर राइफल्स (जेएके आरआईएफ) और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट के मानद कर्नल (सीओआर) जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम (रिटायर्ड) ने जाने-माने 'डबल फर्स्ट बटालियन' का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरे ने भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित इन्फैंट्री रेजिमेंट्स में से एक के साथ उनके गहरे और लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को फिर से मजबूत किया। यह दौरान सैनिकों की अगली पीढ़ी को ऑपरेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरे से पाकिस्तान को 1965 और 1971 के युद्धों में हार का सबक याद आ गया होगा।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जवानों से कह दी बड़ी बात :

सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर राइफल्स एसोसिएशन (जेकेआरए) के आधिकारिक एक्स अकाउंट से ट्वीट किया गया- जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम (रिटायर्ड), पूर्व सीओएएस और जेएके आरआईएफ व लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट के मानद सीओआर ने 16-17 जुलाई 2026 को 'डबल फर्स्ट' बटालियन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 'सर्वश्रेष्ठ इक्कीस' के सीओ और 'जोरावर' बटालियन के सैनिकों से बातचीत की।

जनरल ने सभी रैंक के जवानों से रेजिमेंट के खास मूल्यों, परंपराओं और बेहतरीन प्रदर्शन की भावना को बनाए रखने और रेजिमेंट का झंडा हमेशा ऊंचा रखने का आह्वान किया। डबल फर्स्ट का मतलब भारतीय सेना की 11वीं बटालियन, जम्मू-कश्मीर राइफल्स (11 जेएके आरआईएफ) और 11वीं बटालियन, असम राइफल्स (11 एआर) से है। इस बटालियन ने पाकिस्तान के खिलाफ 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां लड़ीं। इस बटालियन के अदम्य साहस और हौसले ने पाकिस्तान को धूल चटा दी है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया

सना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के ईरान-समर्थक हूती विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी अरब के खिलाफ तुरंत प्रभाव से समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की। उनके सैन्य प्रवक्ता ने टीवी पर दिए भाषण में यह बात कही। इस विद्रोही समूह ने "अपराधी सऊदी दुश्मन के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी" का ऐलान किया। प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम "आंख के बदले आंख" की नीति पर आधारित है। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी अरब की नाकेबंदी तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। हूतियों के इस ऐलान से पाकिस्तान की टेंशन बढ़ गई है, क्योंकि उसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता किया है।

हूती विद्रोहियों ने सऊदी की नाकेबंदी क्यों की :

हूती विद्रोहियों ने कहा कि यह नाकेबंदी सऊदी अरब के हमारे प्यारे लोगों पर लगभग 12 वर्षों से जारी अन्यायपूर्ण और दमनकारी घेराबंदी, हमारे संसाधनों की लूट और हमारे बंदरगाहों व हवाई अड्डों पर जमीन, समुद्र और हवा के जरिए पूरी तरह से नाकेबंदी थोपने के जवाब में की गई है। समूह ने पिछले हफ्ते सऊदी अरब पर मिसाइलें दागी थीं। उन्होंने सऊदी अरब पर अपने नियंत्रण वाले एक हवाई अड्डे पर बमबारी करने का आरोप लगाया था, जिससे सऊदी अरब और ईरान-समर्थक समूह के बीच चल रहे संघर्ष में चार साल से चली आ रही युद्धविराम संधि टूट गई।

हूती विद्रोहियों की नाकेबंदी का सऊदी अब पर असर

हूती विद्रोहियों की नौसैनिक नाकाबंदी के कारण सऊदी अरब के लिए लाल सागर में समुद्री व्यापार और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इससे कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में उछाल आ सकता है। इसके अलावा सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ सकता है। हूती विद्रोहियों की नाकेबंदी से लाल सागर और बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सऊदी अरब के जहाजों के लिए खतरा बढ़ गया है।

इसके अलावा सऊदी अरब के दक्षिणी हवाई अड्डों और तेल सुविधाओं पर मिसाइल व ड्रोन हमलों का खतरा गहरा गया है। दरअसल, पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता किया है। इस समझौते के तहत सऊदी अरब पर हमला पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। ऐसे में अगर सऊदी अरब डिमांड करता है, तो पाकिस्तान को अपनी सेना तैनात करनी पड़ सकती है।

शांतिपूर्ण विरोध में लाठीचार्ज : शशि थरूर

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान सुरक्षा बलों के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक घमासान बढ़ता जा रहा है। सभी प्रमुख विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को उठा रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का मुद्दा संसद में उठाया है।

वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी लाठीचार्ज के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि जब शांतिपूर्ण विरोध हो रहा हो, तो लाठीचार्ज की क्या वजह है? लाठीचार्ज अहिंसा का काम नहीं है। यह हिंसा का काम है। मुझे इसके पीछे का लॉजिक समझ नहीं आता। संसद के मानसून सत्र में पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार स्थगित होने पर भी शशि थरूर ने रिएक्ट किया है।

सिंधु जल संधि पर भारत के सामने पाकिस्तान का हर दांव बेकार

> अब चीन के कंधे पर रखकर चलाएगा बंदूक

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि भारत पाकिस्तान के पानी पर रोक लगाकर देश की 80 प्रतिशत आबादी के लिए खतरा पैदा कर रहा है। हाल के दिनों में पाकिस्तान की बौखलाहट में तेजी आई है और उसके मंत्रियों की तरफ से पानी को लेकर युद्ध की धमकियां दी जा रही हैं। इसकी वजह भारत के हिस्से में पश्चिमी नदियों पर बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी है, जिसने पाकिस्तान के अंदर डर पैदा कर दिया है।

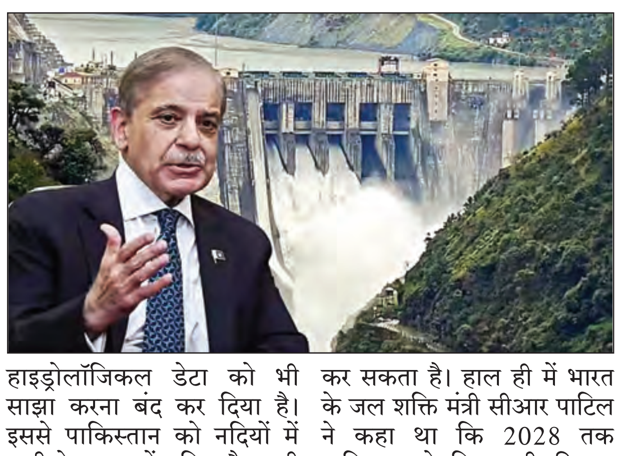

भारत ने पश्चिमी नदियों की कई परियोजनाओं पर काम तेज किया है, जिसमें चिनाब-व्यास लिंक टनल और रणवीर नहर के विस्तार जैसे प्रोजेक्ट अहम है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के साथ नदियों के हाइड्रोलॉजिकल डेटा को भी साझा करना बंद कर दिया है। इससे पाकिस्तान को नदियों में पानी के बहाव में वृद्धि और कमी की जानकारी नहीं मिल रही है।

पाकिस्तान को सता रहा भारत का डर :

पाकिस्तान ने बार-बार भारतीय परियोजनाओं को लेकर रोना रोया है, लेकिन उसका असल डर इससे आगे का है। इस्लामाबाद को डर है कि भारत ऊपरी इलाकों में पानी पर नियंत्रण कर सकता है। हाल ही में भारत के जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि 2028 तक पाकिस्तान के लिए पानी की एक बूंद नहीं पहुंचने दी जाएगी। इस बयान ने पाकिस्तान के अंदर भारतीय परियोजनाओं को लेकर डर पैदा किया है।

सिंधु जल संधि पर भारत के कड़े रुख के बाद पाकिस्तान के अंदर इसके लिए जवाबी उपायों पर बहस जारी है। इन उपायों में राजनीतिक पहल, कूटनीतिक अभियान और रणनीतिक रक्षा तंत्र शामिल हैं, ताकि पानी के मुद्दे पर नई दिल्ली की मार से बच सके। पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने इस बात पर बार-बार जोर दिया है कि पानी का मुद्दा उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। पाकिस्तान के लिए यह अस्तित्व का सवाल है।

चीन की शरण में पाकिस्तान :

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि को लेकर हाल ही में इस्लामाबाद में एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया था। इस सेमिनार में पाकिस्तान को सिंधु सभ्यता के आधार पर सिंधु की विरासत का दावेदार बताया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि इस मामले में भारत एकमात्र ऊपरी तटवर्ती देश नहीं है। यह इस विवाद में चीन को शामिल करने की तरफ इशारा है। विश्लेषकों ने बताया कि सिंधु और उसकी मुख्य सहायक नदियों हिमालय और किंगहाई-तिब्बती पठार से निकलती हैं।

'बिना टेलीप्रॉम्प्टर वंदे मातरम सुनाकर दिखाएं'

> संजय राउत का पीएम मोदी और अमित शाह को चैलेंज

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह बिना टेलीप्रॉम्प्टर के 'वंदे मातरम' सुनाकर दिखाएं। उन्होंने यह टिप्पणी उस समय की जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के अपमान या उसके गायन में बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक राज्यसभा में पेश करने जा रही है। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा, "मैं प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को चुनौती देता हूं कि वे बिना टेलीप्रॉम्प्टर के 'वंदे मातरम' सुनाकर दिखाएं।" गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश करने वाले हैं। इस विधेयक में 'वंदे मातरम' के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या उसका अपमान करने को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' की तरह दंडनीय अपराध बनाने का प्रस्ताव है। यह विधेयक संसद के मानसून सत्र के पहले दिन पेश किया जाएगा।

आंदोलन को लेकर सरकार पर साधा निशाना

राउत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े कार्यकर्ताओं के प्रस्तावित 'संसद मार्च' का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने आंदोलन की ताकत को कम करके आंका है। उन्होंने कहा, "सरकार को ना तो यह समझ आया कि क्या होने वाला है ना यह कि क्या हो रहा है और आगे क्या होगा। उन्हें लगा कि हमें कीड़ों की तरह खत्म कर देंगे। लेकिन यह कॉकरोच जनता पार्टी हजारों-लाखों की संख्या में जंतर-मंतर पहुंच गई है। देश के बड़े-बड़े शहरों में इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है।" राउत ने कहा कि रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ जिसमें उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे समेत हजारों लोग, बच्चे और युवा शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि पुणे, नागपुर और पूरे महाराष्ट्र में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए हैं और देशभर में आंदोलन जारी है।

'बच्चों से डर गई सरकार'

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सोनम वांगचुक के विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा कि 56 इंच के सीने वाले लोग बच्चों से डर गए हैं। उनको समझ नहीं आया कि क्या होने जा रहा है और आगे क्या होगा? उनको लगा कि कॉकरोच जनता पार्टी को कीड़े-मकोड़ों की तरह खत्म कर देंगे लेकिन नहीं ये कॉकरोच जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में हैं। राम मंदिर चढ़ावा विवाद मामले को लेकर संजय राउत ने कहा कि देश के बड़े-बड़े शहरों में इस आंदोलन का समर्थन किया जा रहा है। कल मुंबई में बड़ा आंदोलन किया गया। उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और हम सब लोग हजारों की संख्या में थे। पुणे और नागपुर में भी आंदोलन किया गया। जंतर-मंतर पर बैठा हर बच्चा नेता है। उन्होंने कहा कि संसद में बचा क्या है? संसद में विपक्ष की जो गरिमा होनी चाहिए थी, वह बची नहीं है।

बछड़े को बचाने कुएं में उतरे चार लोगों की जहरीली गैस से मौत

झज्जर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले के मुनीमपुर गांव में एक कुएं में गिरे बछड़े को बचाने उतरे चार ग्रामीणों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, कुएं में गिरे बछड़े को बचाने की कोशिश में गांव का एक व्यक्ति कुएं में उतरा, लेकिन वहां मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए एक-एक करके तीन और लोग कुएं में उतरे, लेकिन गैस की वजह से वे भी बेहोश हो गए।

इसके बाद झज्जर पुलिस, फायर डिपार्टमेंट और जिला प्रशासन की टीमों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया और कुएं से पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए करीब तीन घंटे तक काम किया। चारों को कुएं से बाहर निकाला गया और पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दो दिन की भूख हड़ताल के बाद अभिजीत दीपके ने तोड़ा अनशन

> सोनम वांगचुक ने किया था अनुरोध

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोमवार को अपना अनशन समाप्त कर दिया है। शनिवार को जब सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया था तो इसके बाद अभिजीत दीपके अनशन पर बैठ गए थे। अभिजीत दीपके का अनशन दो दिन ही चला और सोमवार को उन्होंने इसे तोड़ने का ऐलान कर दिया। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने कहा है कि अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने अभिजीत दीपके से अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने का अनुरोध किया था। इसके बाद अभिजीत दीपके ने जूस पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया।

मुझे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाए-वांगचुक

दूसरी ओर, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने अस्पताल को पत्र लिखकर कहा है कि वह बिल्कुल ठीक महसूस कर रहे हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाए जिससे वह कॉकरोच जनता पार्टी के द्वारा निकाले जा रहे संसद मार्च में हिस्सा ले सकें। वांगचुक ने कहा है कि अगर ऐसा किया जाता है तो वह इसके लिए अस्पताल प्रशासन के आभारी रहेंगे।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज

इस बीच, जब कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों ने मार्च शुरू किया तो पुलिस ने संसद मार्ग के पास प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया और कुछ को हिरासत में ले लिया। शुरुआत में डीएमआरसी की ओर से पांच मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया गया था। डीएमआरसी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से राजीव चौक, जनपथ, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन को बंद किया गया है। इस वजह से सैकड़ों यात्री फंस गए और कई लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़

एक साल पहले संभाला था पद, मचा हड़कंप

अगरतला, 20 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ का शव अगरतला पुलिस हेडक्वार्टर में मिलने से हड़कंप मच गया। उनके शव को अगरतला के जीबी अस्पताल ले जाया गया। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत के मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

फंदे से लटका मिला शव

सूत्रों के मुताबिक, अनुराग धनकर अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके हुए मिले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने आगे की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और कार्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई। फिलहाल इस मामले में अभी तक कोई भी अन्य जानकारी पुलिस की तरफ से नहीं साझा की गई है।

मौके पर पहुंचे अधिकारी

इस दुखद घटना की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ) माणिक साहा तुरंत पुलिस मुख्यालय पहुंचे। मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा सहित गृह विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल जीबी अस्पताल पहुंचे। पुलिस मुख्यालय के भीतर वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और घटना के तुरंत बाद जरूरी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भीषण सड़क हादसा में छह लोगों की मौत

नागपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह करीब 3 बजे विरुल गांव के पास हुई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और एक्सप्रेस-वे पर यातायात प्रभावित हुआ है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक्सप्रेस-वे पर इंटरचेंज आईसी-80 के पास एथेनॉल से भरा एक कंटेनर ट्रक पलट गया था। इस दौरान सड़क की दूसरी लेन चालू थी, लेकिन वहां खड़ी एक कार को पीछे से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कार सवार चार यात्रियों और ट्रक ड्राइवर सहित ट्रक में मौजूद दो लोगों की मौत हो गई।

'भले ही आज इमारत गिरा दी जाए तो भी मैं ऐसा नहीं करूंगा'

> सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की प्रथा पर भड़के सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक संपत्ति को गिराए जाने से बचाने की याचिका को तुरंत लिस्ट करने से इनकार कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले पर सीधे सुनवाई करने से मना कर दिया और दोहराया कि याचिकाकर्ताओं को पहले संबंधित हाई कोर्ट जाना चाहिए।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता के वकील ने उसी दिन सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि मंजूर बिल्डिंग प्लान होने के बावजूद अधिकारी इसे गिराने की कार्रवाई कर रहे थे। वकील ने तर्क दिया कि हालांकि अधिकारियों का आरोप था कि निर्माण तालाब वाले इलाके में हुआ है, लेकिन बिल्डिंग का निर्माण विधिवत मंजूर प्लान के अनुसार किया गया था।

मुख्य न्यायाधीश ने अंतरिम सुरक्षा आदेश देने से इनकार कर दिया

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने तत्काल सुनवाई करने या कोई अंतरिम सुरक्षा आदेश देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, "अगर इसे आज पूरी तरह गिरा भी दिया जाए, तो भी मैं ऐसा नहीं करूंगा।" उन्होंने यह भी साफ किया कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर शुरुआती स्तर पर सुनवाई नहीं करेगा।

सीजेआई ने हाई कोर्ट जाने का दिया निर्देश

बेंच ने याचिकाकर्ता को संबंधित हाई कोर्ट में जाकर राहत पाने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश ने हाई कोर्ट को छोड़कर तत्काल राहत के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आने वाले याचिकाकर्ताओं की बढ़ती प्रवृत्ति की भी आलोचना की। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है जिनमें आरोप लगाया गया था कि नवंबर 2024 में बुलडोजर एक्शन पर जारी गाइडलाइंस का उल्लंघन करते हुए तोड़-फोड़ की जा रही है।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ऐसी शिकायतों को संबंधित हाई कोर्ट के सामने उठाया जाना चाहिए। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे। बेंच ने माना कि हर मामले में अलग-अलग तथ्य और विवाद शामिल होंगे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट हर दावे के तथ्यों पर सुनवाई नहीं कर सकता। सीजेआई ने कहा, "हमें समझ नहीं आता, जब इस कोर्ट ने कानून तय कर दिया है, तो हाई कोर्ट और जिला अदालतों को उसका पालन करना चाहिए।"

पड़ोसी और उसकी मां की हत्या के मामले में मिली फांसी की सजा

पलक्कड़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने सोमवार को वर्ष 2025 के चर्चित नेनमारा दोहरे हत्याकांड में 61 वर्षीय व्यक्ति को फांसी की सजा सुनाई। पलक्कड़ के अतिरिक्त सत्र जज केनेथ जॉर्ज ने छेंटामारा को अपने पड़ोसी सुधाकरन और उनकी मां लक्ष्मी की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह घटना 27 जनवरी 2025 को नेनमारा के पास पोथुंडी में हुई थी।

कोर्ट ने क्यों माना 'दुर्लभतम' श्रेणी का मामला?

अदालत ने छेंटामारा को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या और धारा 126(2) के तहत गलत तरीके से रोकने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि यह मामला 'दुर्लभलतम' श्रेणी में आता है, क्योंकि दोषी ने एक ही परिवार के कई लोगों की हत्या की। छेंटामारा को इससे पहले वर्ष 2019 में सुधाकरन की पत्नी सजीता की हत्या के मामले में भी गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि वह अपने वैवाहिक जीवन की परेशानियों के लिए सजीता को जिम्मेदार मानता था। जनवरी 2025 में उस मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद उसने सुधाकरन और लक्ष्मी की हत्या कर दी। दोहरे हत्याकांड के कुछ ही समय बाद पुलिस ने बड़े तलाशी अभियान के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसे मलमपुझा उप-जेल में रखा गया। सजीता हत्या मामले में अदालत पहले ही छेंटामारा को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है।

बंगाल में एक सितंबर से बंगाली भाषा में होगा सारा सरकारी कामकाज

> सीएम शुभेंदु अधिकारी ने किया एलान

कोलकाता, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से अपने सभी आधिकारिक कामकाज बंगाली भाषा में करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सितंबर 2026 से राज्य सरकार के हर स्तर पर बंगाली भाषा का उपयोग अनिवार्य होगा।

केंद्र और अन्य राज्यों से बंगाली में होगा संपर्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले सभी पत्राचार में बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के साथ संपर्क के लिए बंगाली के साथ-साथ हिंदी भाषा का भी उपयोग किया जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह का पत्र

शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्हें बंगाली भाषा में एक पत्र लिखा था। इस पत्र में अमित शाह ने राज्य प्रशासन के हर स्तर पर बंगाली भाषा के व्यापक उपयोग के लिए कदम उठाने का आग्रह किया था। पत्र में लिखा था कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृढ़ विश्वास था कि प्रशासन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में भारतीय भाषाओं को उचित स्थान मिलना चाहिए।

भाषाई विविधता को बचाने पर जोर

इससे एक दिन पहले, केंद्रीय गृह मंत्री ने कोलकाता में 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' का उद्घाटन किया था।

इस दौरान उन्होंने अपनी मातृभाषा के अलावा कम से कम एक और भारतीय भाषा सीखने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने देश की सभ्यता की पहचान को सुरक्षित रखने के लिए भाषाई विविधता को बनाए रखने की वकालत की थी।

जम्मू-कश्मीर में बारिश बनी आफत गांदरबल में फटा बादल

कारगिल में फ्लैश फ्लड का कहर; कई घर व खेती को नुकसान

कारगिल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहायशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

उधर, कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई इलाकों में तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि, खेत और बाग-बगीचे प्रभावित हुए हैं। तेज पानी के बहाव में बड़ी संख्या में पेड़ भी उखड़कर बह गए, जिससे पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है। कृषि पर निर्भर कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

'मुझे बाहर निकाला, अब बीजेपी-आरएसएस समर्थक बता रहे'

तस्लीमा का वाम दलों पर निशाना कोलकाता वापसी पर विवाद क्यों?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने पश्चिम बंगाल के वामपंथी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लगभग 19 वर्षों के अंतराल के बाद कोलकाता की अपनी आगामी यात्रा से पहले उन्हें भाजपा और आरएसएस का समर्थक करार दिया गया था।

तस्लीमा नसरीन ने क्या कहा?

तस्लीमा ने साफ किया कि उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष संस्था से निमंत्रण मिला है। राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तक सीमित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उनकी यात्रा का आयोजन धर्मनिरपेक्ष मिशन की ओर से किया गया था, जो एक प्रगतिशील मुस्लिम व्यक्तित्व उस्मान गनी मलिक के नेतृत्व वाला संगठन है।

'क्या पश्चिम बंगाल सरकार मुझे ला रही है?' उन्होंने लिखा, 'क्या भाजपा मुझे कोलकाता ला रही है? नहीं। क्या पश्चिम बंगाल सरकार मुझे ला रही है? नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'पश्चिम बंगाल की निर्वाचित सरकार केवल मेरी यात्रा के लिए सुरक्षा दे रही है। जब भी मैं किसी राज्य की यात्रा करती हूं, चाहे वहां किसी भी राजनीतिक दल का शासन हो, मेरी सुरक्षा सुनिश्चित करना उस राज्य की सरकार की जिम्मेदारी होती है। यह एक सामान्य प्रशासनिक कर्तव्य है।'

वामपंथी नेता क्या दावा कर रहे हैं?

वामपंथी गुटों को निशाना बनाते हुए, नसरीन ने बताया कि जिन नेताओं ने पहले उन्हें पश्चिम बंगाल से निष्कासित किया था। वही नेता अब उन पर भाजपा, आरएसएस या हिंदुत्व से जुड़े होने का आरोप लगा रहे हैं। 'उन्होंने मुझे पश्चिम बंगाल से बाहर निकाल दिया था। अब वे दावा करते हैं कि राज्य में कदम रखना मात्र मुझे हिंदुत्व समर्थक, भाजपा समर्थक या आरएसएस समर्थक बना देता है।'

अपने केरल दौरा का भी किया जिक्र

लेखिका ने वामपंथी नेताओं के बीच जिसे उन्होंने पाखंड करार दिया। उस पर भी प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने सीपीआई (एम) प्रशासन के निमंत्रण पर कई बार केरल का दौरा किया था, जहां उनका जेड + सुरक्षा के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। उन्होंने सवाल किया 'उस समय, क्या कोलकाता के इन वामपंथी नेताओं ने मुझे वामपंथी कहकर गाली दी थी, या उन्होंने मेरी यात्राओं का जश्न मनाया था?'

कितने साल बाद नसरीन वापस आई थी?

नसरीन ने सवाल उठाया कि कोलकाता की उनकी संक्षिप्त दो दिवसीय यात्रा ने झूठे प्रचार के अभियान को क्यों जन्म दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह ठीक 18 साल, आठ महीने और 10 दिन बाद शहर में वापस आ रही हैं।

पुस्तक के विमोचन को भी रोक दिया

लेखिका ने पश्चिम बंगाल में लगातार आने वाली सरकारों की आलोचना को दोहराते हुए कहा कि वाम मोर्चा सरकार ने उन्हें कोलकाता से बाहर निकाल दिया था। वहीं, उसके बाद की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने राज्य में उनके प्रवेश पर रोक लगा दी, उनके ओर से लिखित एक टेलीविजन धारावाहिक का प्रसारण रोक दिया।

खून से लथपथ बाहर निकला युवक

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

ठाणे, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक जिमखाना में गोली लगने से 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार शाम को बदलापुर के पाटिल माउंटेन व्यू जिमखाना में हुई, जो अपने क्रिकेट मैदान और खेल के मैदान के लिए प्रसिद्ध एक लोकप्रिय सुविधा है।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़ित भुवन पाटिल जिमखाना के अंदर थे जब गोली चली। कुछ ही क्षणों बाद, उन्हें गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ हालत में परिसर के बाहर लड़खड़ाते हुए देखा गया। पुलिस ने बताया कि बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

ऑपरेशन 'म्यूल हंट', एक दिन में कई फ्रॉड खाताधारकों पर एफआईआर

> साइबर ठगी पर पुलिस का बड़ा प्रहार

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर अपराध पर शिकंजा कसने के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। केंद्र सरकार के देशव्यापी 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत रविवार को महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में कई म्यूल (फर्जी बैंक खाताधारकों) के खिलाफ एक ही दिन में एफआईआर दर्ज की गई। ये वे लोग हैं, जो कमीशन के लालच में साइबर अपराधियों को अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करने देते हैं और ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में पहुंचाने में मदद करते हैं।

सबसे बड़ी कार्रवाई नाशिक और पुणे में हुई, जहां अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में म्यूल खाताधारकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि इन खातों के जरिए करीब 11.5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी की रकम का लेनदेन हुआ। यह कार्रवाई राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर की गई। महाराष्ट्र के खराड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में एक बैंक खाते से हाल के दिनों में 3.6 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेनदेन मिला। जांच में पता चला कि इस खाते का इस्तेमाल ऑनलाइन शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट और नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह कर रहे थे। इसी तरह वाघोली पुलिस ने 1.8 करोड़ रुपये और पुणे एयरपोर्ट पुलिस ने 1.2 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन वाले मामलों में भी खाताधारकों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं।

आईपीएस अधिकारी संजय दराडे ने मीडिया को बताया कि साइबर अपराधी ठगी की रकम को छिपाने के लिए उसे कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर उसकी कई लेयर बना देते हैं। ऐसे में जो लोग अपने खाते कमीशन के बदले उपलब्ध कराते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। पुलिस अब ऐसे सभी खाताधारकों की पहचान और उनके केवाईसी दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुणे के बानेर इलाके में भी एक निजी बैंक के खाते से 65.5 लाख रुपये के संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आया है।

सुविचार: अपने पथ से भटको मत समय एक जैसा नहीं होता आज बुरा है तो कल अच्छा भी आयेगा।

मेडिगड्डा बैराज की मरम्मत की तैयारी तेज, तकनीकी जांच अंतिम चरण में

सुरक्षा मंजूरी के बाद ही शुरू होगा संचालन : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के अंतर्गत मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों के पुनरुद्धार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि बैराजों पर चल रही व्यापक वैज्ञानिक जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है और इन जांचों के आधार पर मरम्मत एवं पुनरुद्धार के लिए आवश्यक डिजाइन तैयार किए जा रहे हैं। नलगोंडा, सूर्यापेट और यादाद्रि भुवनगिरि जिलों के विधायकों, विधान परिषद सदस्यों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मंत्री ने कहा कि सरकार बैराजों के पुनरुद्धार में पूरी तरह वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षा संबंधी पूरी पुष्टि किए जाने तक मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों को किसी भी स्थिति में दोबारा संचालन में नहीं लाया जाएगा। मंत्री ने बताया कि केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस) और राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) जैसी देश की प्रमुख तकनीकी संस्थाओं ने बैराजों की जमीन की स्थिति, नींव, कंक्रीट संरचना और अन्य निर्माण हिस्सों की विस्तृत जांच की है। उन्होंने कहा कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है और इसकी रिपोर्ट भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई को भेजी गई है, जहां विशेषज्ञ पुनरुद्धार के लिए विस्तृत डिजाइन तैयार कर रहे हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार डायाफ्राम दीवार का पुनर्निर्माण कार्य का हिस्सा हो सकता है, लेकिन सभी तकनीकी रिपोर्टों के अध्ययन के बाद ही अंतिम मरम्मत प्रक्रिया तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा गठित तकनीकी निगरानी समिति, राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण तथा केंद्रीय जल आयोग के सुझावों के अनुसार ही पुनरुद्धार कार्य किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए भारतीय सेना में सेवा दे चुके अनुभवी इंजीनियरों की सेवाएं ली जा रही हैं। कर्नल परीक्षित मेहरा के नेतृत्व वाली समन्वय समिति जांच और तकनीकी योजना की निगरानी कर रही है तथा कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वैज्ञानिक जांच, विशेषज्ञों द्वारा तैयार डिजाइन और कानूनी सुरक्षा अनुमतियां पूरी होने के बाद ही मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिल्ला बैराजों को पुनः उपयोग में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के धन से निर्मित इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्थायी सुरक्षा के साथ पुनर्जीवित कर राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयोगी बनाना सरकार का मुख्य उद्देश्य है।

पहले चरण में 16 विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे 8 हजार मकान : मंत्री पोंगुलेटी

क्योर क्षेत्र में इंदिरम्मा आवास योजना का शुभारंभ, 10 अगस्त तक आवेदन

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद के क्योर (कोर अर्बन रीजन) क्षेत्र में इंदिरम्मा आवास योजना का शुभारंभ करते हुए पहले चरण में 16 विधानसभा क्षेत्रों में 8 हजार मकानों के निर्माण की घोषणा की है। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू, परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन भी उपस्थित रहे। मंत्री पोंगुलेटी ने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रारंभिक तौर पर 500 मकानों का निर्माण किया जाएगा। शीघ्र ही आठ अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी इस योजना का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीबों को अपना घर उपलब्ध कराने तक इंदिरम्मा आवास अभियान निरंतर जारी रहेगा।

उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से 10 अगस्त तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन मी सेवा केंद्रों, व्हाट्सएप नंबर 8096958096 तथा वेबसाइट के माध्यम से किए जा सकेंगे। लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय छह लाख रुपये तक होनी चाहिए तथा क्योर क्षेत्र में उसके नाम कोई मकान या भूखंड नहीं होना चाहिए। एक परिवार से केवल एक आवेदन स्वीकार किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक मकान पर लगभग 11 लाख रुपये की लागत आएगी। इसमें सरकार पांच लाख रुपये की अनुदान राशि देगी, जबकि शेष छह लाख रुपये लाभार्थी से चार किस्तों में लिए जाएंगे। आवेदन के समय जमा किए जाने वाले 10 हजार रुपये इसी राशि में समायोजित किए जाएंगे।

यदि किसी पात्र आवेदक को मकान आवंटित नहीं होता है तो उसके 10 हजार रुपये वापस कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को लगभग 525 वर्ग फुट का एक शयनकक्ष, बैठक कक्ष और रसोई वाला आवास मिलेगा। मकान के साथ 40 से 60 लाख रुपये मूल्य तक की भूमि महिलाओं के नाम निःशुल्क पंजीकृत की जाएगी। इस संपत्ति को 10 वर्ष तक बेचा नहीं जा सकेगा, हालांकि बैंक से ऋण लेने के लिए गिरवी रखा जा सकेगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान भी रहेगा। पोंगुलेटी ने कहा कि पिछली सरकार ने शहर से 30 से 35 किलोमीटर दूर मकान बनाकर गरीबों को कठिनाई में डाला था, जिसके कारण अधिकांश लाभार्थी वहां रहने नहीं गए। वर्तमान सरकार गरीबों के रोजगार और आजीविका को ध्यान में रखते हुए उन्हीं क्षेत्रों में आवास बना रही है, जहां वे वर्तमान में निवास कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने इसे ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि सरकार चुनावी वादों के अनुरूप इंदिरम्मा आवास योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार अपनी सभी गारंटियों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि हैदराबाद में गरीबों के लिए बड़े पैमाने पर आवास निर्माण शुरू होना स्वागतयोग्य कदम है। पहले चरण में राजेंद्रनगर, महेश्वरम, शेरिलिंगमपल्ली, इब्राहिमपट्टनम, मलकाजगिरि, नामपल्ली, खैरताबाद, कारवां, बहादुरपुरा, अंबरपेट, कुकटपल्ली, मेडचल, कुतुबुल्लापुर, सनतनगर, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट तथा मलकपेट विधानसभा क्षेत्रों में आवासों का निर्माण किया जाएगा।

बंजारा हिल्स में एक्सपोर्ट फर्म के ऑफिस से चोरों ने लगभग 1 किलो सोने के गहने चुराए

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चोरों ने बंजारा हिल्स में एक ज्वेलरी एक्सपोर्ट फर्म के ऑफिस से लगभग एक किलो सोने के गहने चुरा लिए। मिली जानकारी के अनुसार, चोर वॉशरूम की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे थे। यह चोरी 'गुरु कृपा एक्सपोर्ट्स' के ऑफिस में हुई।

पुलिस के मुताबिक, घुसपैठियों ने अंदर घुसने के लिए वॉशरूम की खिड़की को नुकसान पहुंचाया और कथित तौर पर लॉकर में रखे सोने के गहने लेकर भाग गए। सूरत के रहने वाले मालिक की शिकायत के आधार पर, बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। पुलिस संदिग्धों की जल्द से जल्द पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों की जांच कर रही है।

बालकम्पेट येलम्मा उत्सव के लिए यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए 21 और 22 जुलाई को येल्लम्मा कल्याणम और रथोत्सवम के लिए बल्कम्पेट और उसके आसपास के इलाकों में यातायात मार्ग परिवर्तन की घोषणा की है। ग्रीनलैंड्स, फतेह नगर, बेगमपेट और एसआर नगर से मंदिर की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ा जाएगा, जबकि एसआर नगर और फतेह नगर के बीच की कई गलियां बंद रहेंगी। आर एंड बी कार्यालय, जीएचएमसी ग्राउंड, नेचर क्योर हॉस्पिटल, फतेह नगर अंडरब्रिज और अन्य निर्धारित स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

शब्बीर अली का केटीआर पर बेरोजगार युवाओं को गुमराह करने का आरोप

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव पर कांग्रेस सरकार के रोजगार रिकॉर्ड की आलोचना करके बेरोजगार युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि बीआरएस ने अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान वादे पूरे नहीं किए। शब्बीर अली ने आरोप लगाया कि पिछली केसीआर सरकार हर परिवार को नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही और उसने अपने 2018 के चुनाव घोषणापत्र में वादा किए गए 3,016 रुपये के मासिक बेरोजगारी भत्ते को लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासनकाल के दौरान टीएसपीएससी के प्रश्न पत्र लीक होने से भर्ती प्रक्रिया को गंभीर नुकसान पहुंचा, जिससे लाखों उम्मीदवारों को परीक्षा रद्द होने, दोबारा तैयारी करने और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रश्न पत्र लीक ने भर्ती प्रणाली की विश्वसनीयता को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। केटीआर को वर्तमान सरकार पर निशाना साधने से पहले बेरोजगार युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्हें तत्कालीन बीआरएस सरकार द्वारा वादा किए गए बेरोजगारी भत्ते के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए और यह बताना चाहिए कि नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को अधिसूचनाओं, परीक्षाओं और परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार क्यों करना पड़ा। जो लोग न तो नौकरी दे पाए और न ही आर्थिक सहायता, वे अब बेरोजगार युवाओं की आवाज होने का दिखावा नहीं कर सकते। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार को रुकी हुई भर्तियां, कानूनी विवाद और कमजोर टीएसपीएससी जैसी समस्याएं विरासत में मिली थीं, लेकिन तब से सरकार ने भर्ती अभियान फिर से शुरू कर दिया है, लंबित चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है और हजारों उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिए हैं।

Form No.2 Summons for Settlement of Issues
(Order V Rules 3 & 5)
IN THE COURT OF THE VIII JUNIOR CIVIL JUDGE :
CITY CIVIL COURT : AT HYDERABAD
O.S. No.1876 of 2026

BETWEEN
1. Smt. Suhasini Naik
2. Neelesh Naik
3. Shailesh Suresh Naik
4. Rishikesh Naik ..**Plaintiffs**

AND
1. M/s. Bharat Petroleum Corpn.Ltd., Rep. by its Territory Manager (Retail)
2. To whom-so-ever it may concern ... **Defendants**

To
2.To whom-so-ever it may concerned

Whereas the above named Plaintiffs have filed suit for declaration to declare them as the legal heirs of Late Shri Suresh Naik S/o Balakrishna Naik and to get transferred the license and dealership in respect of M/s. Bharat Petroleum Corporation for reconsti- tution of retail outlet dealership of M/s. Amba Devi and Co. (Customer Code No.145499) at premises No.18-12-418/10/58/2/A/1, Hafizbabanagar, Hyderabad District, TG. The said suit is coming for appearance and posted on 20.8.2026 at 10.30 Hrs. If any person or persons having any objection or claim, they are directed to appear before the said court on the said date, failing which the suit will be heard and next step will be ordered.

By order of the Hon'ble Court
COUNSEL FOR THE PLAINTIFFS
R.A. Achuthanand, Advocate
H.No.1-1-651/7/1, Gandhi Nagar
HYDERABAD 500 080
Tel: 040 27613027

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, RAMSARAN S/O PRABHU SARAN VERMA residing at B-202, Ramky Towers, Gachibowli, Hyderabad, Telangana - 500032, have changed my name to RAMSARAN VERMA vide affidavit dated 18-JUL-2026 at Hyderabad

नाम परिवर्तन

मैं, अनुराग, पिता आर्मी नं. JC294454N, सूबेदार जयपाल सिंह यादव, निवासी टोडिया का बास, बानसूर, लेकड़ी, अलवर, राजस्थान-301402, यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपना नाम "अनुराग यादव" से बदलकर "अनुराग" कर लिया है। यह नाम परिवर्तन शपथ-पत्र (Affidavit) संख्या CL383813, दिनांक 09 जुलाई 2026 के माध्यम से किया गया है। आज से अनुराग के नाम से जाना जाये.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीआईएसएफ अखिल भारतीय पुलिस जूडो चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

36 राज्य पुलिस के 1600 एथलीट भाग लेंगे

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी) के अधीन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) 23 से 30 जुलाई तक गच्चीबावली स्थित जीएमसी बालायोगी इंडोर स्टेडियम में 11वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप 2026 की मेजबानी करेगा। 36 राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीआरपीएफ) संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1,600 से अधिक एथलीट पांच युद्ध विधाओं- जूडो, वुशु, ताइक्कांडो, कराटे और पेंचक सिलाट में प्रतिस्पर्धा करेंगे। राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए) में इस कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, सीआईएसएफ निदेशक/आईजी हरप्रीत कौर सोही ने कहा कि यह चैंपियनशिप पुलिस कर्मियों के बीच खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए बल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और एथलीटों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। ओलंपियन परुपल्ली कश्यप और रोइंग कोच इस्माइल बेग ने वर्दीधारी कर्मियों के बीच अनुशासन, लचीलापन और टीम वर्क विकसित करने में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। 2026 के एशियाई खेलों के नजदीक आने के साथ, यह चैंपियनशिप जूडो, वुशु, ताइक्कांडो और कराटे जैसे पदक जीतने वाले खेलों के लिए एक प्रमुख प्रतिभा स्रोत के रूप में काम करने की उम्मीद है। चैंपियनशिप का शुभंकर, वीरा, तेलंगाना के राज्य पशु, चित्तीदार हिरण (चीतल) से प्रेरित है, जो जीवंत, प्रभावशाली, लचीला और फुर्तीला होने के गुणों का प्रतीक है। तेलंगाना खेल प्राधिकरण, तेलंगाना पुलिस अकादमी, एआईपीएससीबी और नाडा इस आयोजन का समर्थन कर रहे हैं।

बीआरएओयू ने आईसीटी प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) ने सोमवार को पीएम-यूएसएचए योजना के तहत वित्तीय सहायता से स्थापित नई सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया, जिनका उद्देश्य डिजिटल शिक्षण और अधिगम को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि और पीएम-यूएसएचए राज्य परियोजना अधिकारी डॉ. सौंदर्या जोसेफ ने आईसीटी प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर चक्रपाणि ने कहा कि शिक्षकों को तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने और छात्रों को वैश्विक रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने हेतु उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) कौशल प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि नई प्रयोगशालाएं डिजिटल शिक्षा को मजबूत करेंगी और शिक्षकों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने में सहायता करेंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुशल और सक्षम स्नातकों को प्रभावी ढंग से तैयार करने के लिए शिक्षकों को अपने ज्ञान को लगातार अद्यतन करना चाहिए और तकनीकी नवाचारों को अपनाना चाहिए। डॉ. सौंदर्या जोसेफ ने कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में आधुनिक प्रौद्योगिकी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की डिजिटल शिक्षण क्षमताओं में सुधार से छात्रों को सीधा लाभ होगा और उन्होंने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा के विस्तार के लिए सरकार के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। निदेशक (शैक्षणिक) प्रो. पुष्पा चक्रपाणि, रजिस्ट्रार डॉ.एल. विजया कृष्णा रेड्डी, पीएम-यूएसएचए समन्वयक प्रो. पल्लवी काबडे, प्रो. रवींद्रनाथ सोलोमन, कंप्यूटर सेंटर प्रभारी वसंत राव, प्रो.पी. वेंकट रमना, प्रो. दयाकर, निदेशकों, डीनों और संकाय सदस्यों सहित अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

सूखे की आशंका बढ़ने पर मंत्री का फसल परिवर्तन का आह्वान

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन और सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है क्योंकि तेलंगाना में अल नीनो का प्रभाव काफी महत्वपूर्ण होने की संभावना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में पहले से ही सामान्य से कम वर्षा हो रही है, जिसका कारण उन्होंने मौजूदा अल नीनो की स्थिति को बताया। परिणामस्वरूप, मं7त्री ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे किसानों को धान की खेती के बजाय वैकल्पिक फसलों पर विचार करने की आवश्यकता के बारे में सूचित करें, क्योंकि सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। यह निर्देश सोमवार को नालगोंडा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक के दौरान जारी किया गया।

सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी, जिला प्रभारी मंत्री अडलुरी लक्ष्मण कुमार, निर्वाचित प्रतिनिधि और पूर्व नालगोंडा जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में अल नीनो के प्रभावों को कम करने, वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने, पानी की उपलब्धता का आकलन करने और कृषि गतिविधियों की योजना बनाने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अपने संबोधन में मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने किसानों को फसल चयन में सावधानी बरतने के महत्व पर जोर दिया और इस वर्ष राज्य में कम वर्षा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं और जलाशयों में जलस्तर सामान्य से कम है, और वर्षा की कमी के कारण कुओं और तालाबों में भूजल भंडार भी अपर्याप्त है।

तेलंगाना में 23 से 29 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली के पूर्वानुमान के अनुसार, 23 जुलाई से 29 जुलाई के बीच तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। जहां कर्नाटक सहित देश के कई अन्य हिस्सों में व्यापक बारिश होने की उम्मीद है, वहीं आईएमडी, नई दिल्ली के पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी। कुल मिलाकर, पूर्वानुमान बताता है कि 23 से 29 जुलाई के बीच तेलंगाना में बारिश का स्तर 'सामान्य से कम' श्रेणी में रहने की उम्मीद है।

हालांकि भारी बारिश के कोई संकेत नहीं हैं, लेकिन आम लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। आईएमडी ने संकेत दिया है कि 23 से 29 जुलाई के बीच देश के किसी भी हिस्से में लू या 'गर्म रातों' की स्थिति बनने की कोई संभावना नहीं है और तापमान सामान्य स्तर के आसपास रहने की उम्मीद है। इस बीच, आईएमडी, हैदराबाद ने सोमवार को मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए 24 जुलाई तक तेज़ हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया है।

18वीं पुण्यतिथि

स्व. श्री सुजारामजी मुलेवा
(सुपुत्र : स्व. श्री धन्नारामजी मुलेवा)
सी र वी समाज, जीडीमेटला (बडेर) - पूर्व सचिव
(धार्मिक एवं समाज सेवी)
स्वर्गवास : 21 जुलाई 2008

जीवन के हर पल में हँसते रहे आप, स्नेह से सबके ह्रदय में बसते रहे आप,
छोडकर साथ हमारा चले गए आप, वर्षों तक याद आते रहेंगे आप ।

श्रद्धायुत : नारायणलाल, लुम्बाराम (भाई) कैलाश, पवन, चेतन, जीवाराम, भरत (पुत्र) ममता (पुत्री) महावीर, जीताराम (भतीजा) एवं मुलेवा परिवार

महालक्ष्मी ट्रेडर्स
23 बी, ए.एम.सी. मार्केट यार्ड, बोइनपल्ली, सिकन्दराबाद. फोन : 9949811242

महावीर ट्रेडर्स
7-3-90, मोड़ा मार्केट, ग्रेन बाजार धर्मशाला, सज्जनलाल स्ट्रीट, सिकन्दराबाद.

गौ-हत्या बंद करो... गौ-सेवा ही परमोधर्म...!!

बिहार में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

सड़कों पर माले-एआईएसएफ कार्यकर्ता, बच्चे के हाथ में पोस्टर- छोटा हूं, मेरा भविष्य बड़ा है

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक को लेकर बिहार में भी सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) का प्रदर्शन शुरू हो गया है। किशनगंज में सीजेपी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धर्मेंद्र प्रधान गद्दी छोड़ दो...के नारे लगाए।

टाउन हॉल के पास पार्टी के झंडे, बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं। एक 10 साल का बच्चा हाथ में पोस्टर लिए दिखाई दिया। उसमें लिखा था- मैं छोटा हूं, लेकिन मेरा भविष्य बड़ा है।

समस्तीपुर, मधेपुरा में एआईएसएफ (ऑल इंडिया स्टूडेंट्स' फेडरेशन) और माले कार्यकर्ता भी बैनर, पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी हो रही है।

पटना में भी एआईएसएफ कार्यकर्ता पोस्टर लेकर उतरे हैं। धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो। शिक्षा को बेचना बंद करो के नारे लग रहे हैं। पेपर लीक, शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार के खिलाफ आज पटना कॉलेज में छात्रों का जुटान हुआ। छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसए) की ओर से छात्र-युवा आक्रोश दिवस मनाया गया।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी छात्र-युवा आंदोलन और कॉकरोच जनता पार्टी को छात्रों ने समर्थन दिया। शिक्षा बेचना बंद करो और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाए गए। 22 जुलाई को पटना यूनिवर्सिटी से छात्र राजभवन मार्च करेंगे।

मधेपुरा में प्रदर्शन के दौरान छात्रा कोमल ने बताया कि सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक आम बात हो गई है। पेपर लीक के कारण छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए हम सभी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

आरवाईए जिला संयोजक बोले- सरकार तानाशाह हो गई है

मधेपुरा में आरवाईए जिला संयोजक कृष्ण कुमार ने कहा कि देश में अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। जंतर-मंतर पर पेपर लीक मामले को लेकर एआईएसए की छात्र नेता नेहा और उनके साथियों के अनशन का आज 23 वां दिन है, लेकिन सरकार की ओर से कोई भी बात करने तक नहीं आया। सरकार पूरी तरह से तानाशाह हो गई।

4 मंजिला सरकारी बिल्डिंग में भीषण आग

दमकल की 18 गाड़ियों ने इमारत घेरी, 2 किमी से धुआं दिखा

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में 4 मंजिला सरकारी बिल्डिंग में सोमवार सुबह 9:53 बजे आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। धुआं करीब 2 किमी दूर से दिखाई दे रहा था। सूचना मिलते ही दमकल की 18 गाड़ियां 5-7 मिनट के भीतर मौके पर पहुंचीं और पूरी बिल्डिंग को घेर लिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

घटना राजधानी के पॉश इलाके हजरतगंज स्थित जवाहर भवन की है, जो विधानसभा से महज 2 किमी दूर है। जानकारी के मुताबिक, चौथी मंजिल पर ट्रेजरी भवन की कैंटीन और मीटिंग हॉल है। आग कैंटीन में शॉर्ट-सर्किट से शुरू हुई थी।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के जाते ही चली गोलियां

स्वागत करने आए युवकों पर हमला पुरानी रंजिश में हुई फायरिंग

मेरठ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा सोमवार को मेरठ पहुंचे थे। उनके स्वागत के लिए बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में परतापुर टोल प्लाजा पर जुटे थे। जैसे ही रोहित मिश्रा का काफिला टोल प्लाजा से आगे बढ़ा। उसके करीब 10 मिनट बाद करीब 1 बजे दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग हो गई। हालांकि, इस घटना में किसी को गोली नहीं लगी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों पक्ष पहले से एक-दूसरे को जानते हैं। दोनों के बीच पुराना विवाद चल रहा था। ये सभी रोहित मिश्रा के कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। आरोप है कि आरोपी पक्ष हथियार लेकर पहुंचा था। पहले कार से टक्कर मारने की कोशिश की गई, फिर फायरिंग कर दी। पीड़ित श्वेतांक त्यागी की

रोहित मिश्रा के स्वागत के लिए बीजेपी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे

शिकायत पर परतापुर थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जागृति विहार निवासी श्वेतांक त्यागी ने बताया- मैं अपने दोस्त मनीष ठाकुर के साथ भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा के स्वागत कार्यक्रम में शामिल होने गया था। उसी दौरान गंगानगर निवासी राहुल अधाना, प्रवीण शर्मा और अवनीश भी वहां पहुंचे। मनीष ठाकुर और राहुल अधाना के बीच कॉलेज के समय से विवाद चला आ रहा है। श्वेतांक का आरोप है कि आरोपी पक्ष हथियार लेकर कार्यक्रम में आया था। जैसे ही रोहित मिश्रा का जुलूस टोल प्लाजा से आगे निकला, राहुल अधाना, प्रवीण शर्मा और अवनीश ने अपनी गाड़ियों से हमें कुचलने की कोशिश की।

ज्वेलरी कारोबारी के घर 50 लाख की डकैती

छत से घुसे 10 बदमाश, हथियार दिखाकर परिवार को बंधक बनाया, विरोध करने पर कहा- ठोक देंगे

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पटना में एक ज्वेलरी दुकान में हथियारबंद अपराधियों ने 50 लाख से अधिक की डकैती की है। गिरोह में 10 डकैत शामिल थे। डकैत रविवार रात 1:30 बजे दुकान और घर में घुसे।

इसके बाद हथियार के दम पर परिवार वालों को बंधक बनाया। फिर लगभग 50 लाख रुपये के सोने और चांदी के गहने लूटकर सभी बदमाश फरार हो गए।

घटना पटना सिटी के भगवानगंज मुख्य बाजार स्थित चांदनी अलंकार ज्वेलरी शॉप की है। अपराधियों ने ज्वेलरी व्यवसायी की बाइक भी साथ ले गए, जो जहानाबाद में मिली।

चांदनी अलंकार ज्वेलरी के मालिक दीपक सोनी ने बताया, 'रविवार की रात हमारा परिवार सो रहा था। रात लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच 10 हथियार बंद लुटेरे घर के पीछे से सीढ़ी के जरिए छत पर चढ़े और अंदर आ गए।

घर में घुसते ही उन लोगों ने परिवार के सभी लोगों को हथियार के बल पर बंधक बना लिया। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी की चाबी मांगी। उसके बाद बदमाश ये कहने लगे कि साथ चलकर नीचे दुकान की तिजोरी खोलो। बार-बार हथियार दिखाने पर मैंने दुकान में जाकर तिजोरी खोल दी। इसके बाद अपराधियों ने तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर और 15 किलो चांदी लूट लिए।'

दुकान लूटने के बाद अपराधियों ने घर की महिलाओं के पहने हुए जेवर भी उतरवा लिए। साथ ही गोदरेज में रखे गए सोना-चांदी के जेवर भी लूटे और फरार हो गए।

दीपक सोनी ने बताया, लूटपाट के बाद अपराधी मेरी एक बाइक और मोबाइल भी छीन कर ले गए।

दीपक सोनी ने बताया, 'तिजोरी में रखे लगभग 200-250 ग्राम सोने के जेवर की कीमत करीब 21 लाख है। वहीं 15 किलो चांदी के गहनों की कीमत करीब 30 लाख से अधिक की थी।

साथ ही महिलाओं के गहने और अलमारी में रखे जेवर भी बदमाश लूटकर ले गए।' परिजनों के मुताबिक, करीब 50 लाख से अधिक के गहने अपराधियों ने लूटे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही भगवानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक कारोबारी की बाइक जहानाबाद से बरामद कर ली गई है।

द्वारिकाधीश मंदिर में चोरी

चोर ने पहले गुटखा खाया गोलक को सरिया से तोड़ा बैग में नोट भरकर भागा

मथुरा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मथुरा के प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर में रविवार देर रात एक चोर घुसा। वह मंदिर के मुख्य गेट पर लगे दानपात्र (गोलक) के पास रुका, इधर-उधर देखकर तसल्ली की। फिर गुटखा खाया और सरिया से ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी बैग में भरकर फरार हो गया।

पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह गोलक मंदिर के मुख्य द्वार के बाहर लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर प्रबंधन में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है। द्वारिकाधीश मंदिर के मुख्य गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज के अनुसार, रात करीब 12 बजे 25-30 साल का एक युवक मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर मोबाइल चलाता दिखाई देता है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी- सुप्रीम कोर्ट बोला- राजनीति मत कीजिए

यूपी सरकार दोबारा एसआईटी बनाए, आईपीएस अफसर लीड करे

अयोध्या, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। एसजी तुषार मेहता ने कहा- कोर्ट के आदेश के मुताबिक, हमने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। जांच चल रही है। 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सीजेआई ने पूछा- क्या मौजूदा एसआईटी जांच कर रही है? एसजी ने कहा- पुलिस जांच कर रही है। उनका कहना है कि यह संज्ञेय अपराध (cognizable offense) का मामला बनता है। सीजेआई ने पूछा- एसआईटी का गठन कैसा है? क्या यह वही है? जांच अधिकारी कौन है? क्या जांच के लिए कोई एसआईटी है? इस पर एसजी ने कहा- नहीं। सीजेआई ने कहा- हम 3-4 दिन बाद इस पर सुनवाई करेंगे। हम इस रिपोर्ट को देखना चाहेंगे।

इससे पहले, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन

टीम (एसआईटी) ने रविवार देर रात जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। इससे पहले 13 जुलाई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। दरअसल, चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं।

इनमें जांच सीबीआई को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है।

वहीं, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा-आज अफसोस है कि राम मंदिर में चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी हुई है। यह करोड़ों की चोरी है। भाजपा के लोग असल मुजरिमों को बचाना चाहते हैं।

इधर, चढ़ावा चोरी के आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष से अर्टिगा कार, बुलेट और कैश मिला है। जमीन से जुड़े कागजात भी मिले हैं। टिन्नू और मनीष को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। 39 घंटे पूरे होने के बाद रविवार रात 11 बजे दोनों को फिर जेल भेज दिया गया। टिन्नू, राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्नू के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे।

हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास ने कहा- योगी ने कहा कि जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोग शासन और सत्ता में होते हैं तब इनको सनातन संस्कृति याद नहीं आती, तब इस्लाम याद आता है। इस्लाम की ही बारे में चिंता और चर्चा करते हैं।

मकान ढहा, पिता और 4 बच्चों की मौत

मुजफ्फरनगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में रविवार रात बारिश के बीच कच्चा मकान भरभराकर ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई। इनमें 60 साल के पिता और उनके चार बच्चे शामिल हैं। दो बेटियां घायल हैं। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ। घटना के बाद पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई।

बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने जेसीबी बुलवाकर मलबा हटवाया। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई दिनों से हो रही बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिस कारण पूरा मकान ढह गया। डीएम और एसएसपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीएम योगी ने अफसरों को राहत-बचाव में कोताही न बरतने के निर्देश दिए।

लालू यादव इलाज के लिए दिल्ली रवाना

पत्नी राबड़ी और बेटी मीसा भी साथ गईं आंखों में हुई है समस्या, एम्स में होगा चेकअप

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बेहतर इलाज के लिए आज सोमवार को दिल्ली रवाना हो गए। उनके साथ पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और सांसद बेटी मीसा भारती भी मौजूद रहीं।

दिल्ली रवाना होने के दौरान मीसा भारती ने बताया कि लालू यादव का इलाज पहले से ही दिल्ली एम्स में चल रहा है। इसी कारण उन्हें आगे के इलाज और डॉक्टरों की सलाह के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा है।

दिल्ली रवाना होने से पहले मीसा भारती ने कहा, लालू जी की तबीयत फिलहाल पहले से बेहतर है। उनका इलाज दिल्ली एम्स में चल रहा है, इसलिए वहीं डॉक्टरों की देखरेख में आगे का उपचार कराया जाएगा। मीसा ने आगे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पत्नी को लेकर सवाल पूछे जाने पर मीसा भारती ने कहा, यह तो सरकार की देखने की चीज है कि उन्हें सुरक्षा मिली हुई है कि नहीं मिली हुई है। सुनने में यह आया है कि डीएम और एसपी भी उनके साथ थे। सरकार को तो उन डीएम और एसपी पर कार्रवाई करनी चाहिए, उनको जनता के लिए रखा गया है या फिर मुख्यमंत्री की पत्नी के लिए रखा है। किस हैसियत से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पत्नी कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंची थी। बता दें कि शुक्रवार को लालू प्रसाद यादव की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें पटना स्थित आईजीआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उनके साथ पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती और बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी मौजूद थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनकी स्वास्थ्य जांच की और करीब दो घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा। स्थिति सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आईजीआईएमएस में लालू यादव की आंखों की जांच नेत्र रोग विभाग

के अध्यक्ष (एचओडी) डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने की थी। इसके अलावा उनका ईसीजी भी कराया गया। डॉक्टरों ने सभी जरूरी जांच के बाद उन्हें कुछ समय निगरानी में रखा और स्वास्थ्य स्थिर रहने पर घर भेज दिया। आईजीआईएमएस से छुट्टी मिलने के बाद मीसा भारती ने कहा था कि लालू यादव की तबीयत अब ठीक है। उन्होंने यह भी कहा कि कौटिल्य नगर इलाके में काफी गंदगी है, जिसकी वजह से उनकी तबीयत प्रभावित हुई। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर वे इस मुद्दे को उठाते हैं तो लोग इसे सरकारी आवास से जोड़कर देखने लगते हैं। करीब दो महीने पहले लालू यादव पोस्ट किडनी ट्रांसप्लांट रूटीन मेडिकल चेकअप के लिए सिंगापुर गए थे।

विदेश यात्रा के लिए उन्हें दिल्ली की अदालत से अनुमति मिली थी। उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बताया था कि किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डॉक्टरों ने हर तीन महीने पर नियमित जांच कराने की सलाह दी थी, लेकिन पिछले लगभग एक वर्ष से नियमित फॉलोअप नहीं हो पाया था। दिसंबर 2025 में जांच के दौरान डॉक्टरों ने लालू यादव की आंखों में मोतियाबिंद और रेटिना से जुड़ी समस्या का पता लगाया था। इसके बाद दिल्ली के एक निजी नेत्र अस्पताल में वरिष्ठ विशेषज्ञों की देखरेख में उनकी कैटरेक्ट और रेटिना की सर्जरी की गई थी।

कट्टे-बम नहीं, लखनऊ में आज ब्रह्मोस बन रही

बाराबंकी में बरसे सीएम योगी, 'कब्रिस्तान की बाउंड्री' पर सपा को घेरा

बाराबंकी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी को 542 करोड़ रुपये की सौगात दी। सीएम ने जिले में 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर भी जमकर बरसे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए सीएम योगी ने कहा कि इन दलों की सरकारों में केवल कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल के लिए फंड दिया जाता था। सपा और कांग्रेस ने सनातन धर्म और सांस्कृतिक विरासत की हमेशा अनदेखी की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी के लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के लिए धनराशि मंजूर करने का भी ऐलान किया।

सीएम योगी ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर उन्हें आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई। बाराबंकी की पहचान भगवान लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से है, लेकिन आजादी के बाद लंबे समय तक इन विरासतों की उपेक्षा की गई। सीएम योगी ने कहा कि आजादी की रोशनी लोधेश्वर महादेव मंदिर तक नहीं पहुंच सकी, जबकि उस दौर में कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल के लिए धन की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने घोषणा की कि भगवान लोधेश्वर महादेव मंदिर के भव्य कॉरिडोर के निर्माण के लिए सरकार ने धनराशि मंजूर कर दी है।

उन्होंने कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। पहले प्रदेश में अवैध कट्टे और बम बनाने का कारोबार होता था, लेकिन आज लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व ओलंपियन और हॉकी के दिग्गज केडी सिंह बाबू का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान उनकी हवेली बिकने की

नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हवेली को बिकने से बचाया, उसका भुगतान कराया और अब उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने पारिजात वृक्ष के संरक्षण को भी सरकार की प्राथमिकता बताया। सीएम योगी ने कहा कि भारत की विरासत और सनातन संस्कृति ही देश की असली पहचान है। सीएम योगी ने राजा बलभद्र सिंह, महाराजा लाखन पासी, महाराजा बिजली पासी, महाराजा सुहेलदेव, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोबिंद सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने देश, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया।

बांकेबिहारी मंदिर में महिला सिपाही ने श्रद्धालु को पीटा

धक्का लगने पर भड़की, लाइन से खींचकर थप्पड़े जड़े, मां कहती रही- छोड़ दो, मर जाएगा

मथुरा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में महिला सिपाही ने एक श्रद्धालु की पिटाई कर दी। हुआ यूं कि भीड़ बढ़ने पर धक्का-मुक्की हो गई और सिपाही को धक्का लग गया। इस पर सिपाही भड़क गई। गुस्से में उसने दर्शन के लिए लाइन में लगे युवक को टी-शर्ट पकड़कर खींच लिया और ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाने लगी। 25 सेकेंड में उसने युवक को 8 थप्पड़ जड़ दिए।

महिला के साथी पुलिसकर्मियों ने भी उसे नहीं रोका, बल्कि एक ने युवक का हाथ मरोड़ दिया। बेटे की पिटाई देख मां रोने लगी और चिल्लाती रही, बेटे को मत मारो, मर जाएगा। बाकी श्रद्धालु भी बीच-बचाव की कोशिश करते रहे, लेकिन महिला सिपाही नहीं मानी।

पिटाई के बाद पुलिसकर्मी उसे घसीटते हुए वीआईपी वेटिंग एरिया से बाहर ले गए। घटना रविवार की बताई जा रही है।

इसका वीडियो सोमवार सुबह 9 बजे सामने आया। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। मंदिर प्रशासन और अफसरों से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

रविवार सुबह युवक परिवार के साथ ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए आया था। वह गेट नंबर-4 पर वीआईपी रेलिंग के पास लाइन में खड़ा था। इसी दौरान भीड़ बढ़ने से धक्का-मुक्की हुई। महिला सिपाही को धक्का लग गया। गुस्से में महिला सिपाही उसे पीटने लगी।

पति को सांप से डसवाने वाली बोली-बॉयफ्रेंड से मिलवा दो

मेरठ जेल में रो रही, 10 दिन बाद नीले ड्रम वाली मुस्कान के साथ रहेगी

मेरठ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर हत्या करने वाली पत्नी दामिनी जेल में रात-रात भर करवटें बदल रही है। उसकी आंखों से नींद गायब है। 18 जुलाई को जेल के अंदर जाने के बाद से ही दामिनी बार-बार बॉयफ्रेंड का नाम लेती रही। वो जिद करती रही कि उसे एक बार बॉयफ्रेंड तुषार से मिलवा दिया जाए।

दामिनी ने जेल प्रशासन से कहा कि तुषार ही मेरा सब कुछ है। इस पर जेल स्टाफ ने उससे कहा कि कानून के अनुसार, मुलाकात संभव नहीं है। इसके बाद दामिनी बैरक में गुमसुम बैठ गई। वह बार-बार रोने लगती है। 10 दिन बाद दामिनी को मुस्कान और रविता के साथ जेल की पुरानी बैरक में रखा जाएगा।

मुस्कान पति की हत्या कर नीले ड्रम में पैक करने के केस में जेल में बंद है। वहीं, रविता ने भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को सांप से डसवाकर मार डाला था। जिला जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया- जो नई महिला बंदी दामिनी भड़ाना आई है, उसने जेल स्टाफ से कहा कि तुषार से मिलना है। हालांकि, तुषार ने दामिनी से मिलने की कोई डिमांड नहीं की। लेकिन, दामिनी बार-बार तुषार से मिलवाने की रिक्वेस्ट कर रही थी।

लेकिन, जेल मैन्युअल के अनुसार केवल ब्लड रिलेशन और पति-पत्नी की मुलाकात ही संभव है। दामिनी-तुषार में ऐसा कोई रिश्ता नहीं है। दामिनी-तुषार पति-पत्नी नहीं है। न ही दोनों में ब्लड रिलेशन या परिवारिक संबंध है। इसलिए उनकी मुलाकात संभव नहीं है।

दामिनी को महिला स्टाफ ने बता दिया कि तुषार से उसकी मुलाकात नहीं हो सकती। दामिनी को सांप की व्यवस्था कराने वाले सोनू और उदय भी जेल में हैं। इन दोनों का व्यवहार सामान्य है।

सपा बोली-डिंपल यादव को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया

कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में पहुंची थीं लखनऊ में पुलिस ने सपाइयों को घसीटा

वाराणसी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने सांसद डिंपल यादव को हिरासत में ले लिया है। डिंपल, इकरा हसन और प्रिया सरोज पार्टी के बाकी सांसदों के साथ 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में संसद से जंतर-मंतर तक पैदल मार्च कर रही थीं।

सपा ने 'X' पर लिखा- दिल्ली में छात्रों की आवाज उठा रहीं डिंपल यादव और सपा के अन्य सांसदों को हिरासत में लेना, छात्रों पर लाठीचार्ज करना बेहद निंदनीय और अलोकतांत्रिक है।

संसद के बाहर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- हमारे सांसदों को पुलिस स्टेशन में रखा गया है, जबकि बाहर बच्चों को पीटा जा रहा है। यह कैसी सरकार है? आप बच्चों की बात नहीं सुनना चाहते।

इससे पहले, यूपी में सपा और

कांग्रेस ने नीट पेपर लीक के खिलाफ और 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। काशी में सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई।

लखनऊ में विधानसभा घेरने जा रहे सपाइयों को पुलिस ने रोका, तो कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। नारेबाजी करने लगे।

पुलिस ने उन्हें सड़क पर घसीटा और गाड़ियों में भरकर इको गार्डन ले गई। आगरा में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोक हुई। कांग्रेसी डीएम कार्यालय विरोध-प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

दिल्ली में सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा- हम चाहते हैं कि छात्रों की बात सुनी जाए, क्योंकि पानी अब सिर के ऊपर से निकल चुका है। किसान, युवा, हर कोई परेशान है, लेकिन सरकार कोई बात सुनने को तैयार नहीं है। छात्र सिर्फ निष्पक्ष परीक्षा चाहते हैं।

अमेरिका के स्टूडेंट वीजा नियम में बदलाव, डिग्री में आ सकती है रुकावट

वाशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। एक इंडियन डायस्पोरा पॉलिसी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि एफ-1 और जे-1 वीजा पर चार साल की नई लिमिट से अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री या रिसर्च के बीच में ही अमेरिका से बाहर जाना पड़ सकता है।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है। एफआईआईडीएस के अनुसार, यह नियम 16-17 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया और सितंबर के मध्य से लागू होने वाला है।

संगठन का कहना है कि इस नियम के तहत वर्षों से लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' नीति को समाप्त कर दिया गया है और विदेशी छात्रों के लिए अधिकतम चार वर्ष तक रहने की सीमा तय कर दी गई है। इसके साथ ही ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) और एसटीईएम ओपीटी (एसटीईएम ओपीटी) की अवधि को भी इसी चार साल की सीमा में शामिल किया जाएगा।

एफआईआईडीएस ने बताया कि नए नियम के तहत पढ़ाई पूरी होने के बाद मिलने वाली 60 दिनों की ग्रेस पीरियड को घटाकर 30 दिन कर दिया गया है। इसके साथ ही, किसी भी तरह की अवधि बढ़ाने के लिए छात्रों को फॉर्म आई-539 के माध्यम से यूएससीआईएस की पहले से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। एफआईआईडीएस में नीति और रणनीति के प्रमुख, खंडेराव कंद ने कहा, "यह अमेरिका की कॉम्पिटिटिवनेस पर खुद से किया गया घाव है। 4 साल की लिमिट मॉडर्न डिग्रियों के असल काम करने के तरीके से मेल नहीं खाती, बैचलर के लिए मीडियन टाइम लगभग 52 महीने और पीएचडी के लिए लगभग 5.7 साल है, जबकि यूएससीआईएस पहले से ही 11 मिलियन से ज्यादा केस देख रहा है जिनमें लगभग एक साल का प्रोसेसिंग टाइम लगता है।"

उन्होंने कहा, "स्टूडेंट्स को प्रोग्राम या रिसर्च के बीच में ही बाहर कर दिया जाएगा, लैब्स जरूरी टैलेंट खो देंगी और अमेरिका अपनी इनोवेशन पाइपलाइन कॉम्पिटिटर्स को सौंप देगा।"

एफआईआईडीएस ने कहा कि कई रिसर्च-इंटेंसिव प्रोग्राम, खासकर डॉक्टोरल कोर्स और मेडिकल ट्रेनिंग, रेगुलर तौर पर चार साल से ज्यादा चलते हैं। जे-1 रिसर्च स्कॉलर और डॉक्टरों को भी अक्सर अपने प्रोग्राम पूरे करने में पांच से सात साल लगते हैं।

समूह ने चेतावनी दी कि वीजा एक्सटेंशन को लेकर अनिश्चितता लैब में रुकावट डाल सकती है, ग्रेजुएशन में देरी कर सकती है और इंटरनेशनल टैलेंट से जुड़े फैकल्टी रिक्रूटमेंट प्लान को अस्थिर कर सकती है। खंडेराव कंद ने कहा, "लागू करने में देरी करें, स्टूडेंट्स को बचाएं और अमेरिकी रिसर्च और इनोवेशन को सुरक्षित रखें। अगर लक्ष्य ईमानदारी है, तो इसे अमेरिकी लैब और स्टार्टअप को पावर देने वाले डिग्री पाथवे को बर्बाद किए बिना करें।"

थलपति विजय को कहा हड्डियां तोड़कर वापस भेज देंगे

डीएमके विधायक मार्कंडेयन गिरफ्तार, गरमाई सियासत

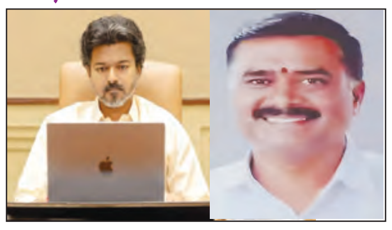

तूतीकोरिन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक बड़ा राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया है। विलाथिकुलम से डीएमके विधायक मार्कंडेयन को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विधायक पर कोविलपट्टी में एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ कथित तौर पर धमकी भरी टिप्पणी करने का आरोप है। सोशल मीडिया पर भाषण के वीडियो वायरल होने और उसके बाद बड़े पैमाने पर आलोचना और कार्रवाई की मांग उठने के बाद विधायक मार्कंडेयन को गिरफ्तार किया गया। बता दें कि रविवार रात को कोविलपट्टी के कृष्णन कोविल ग्राउंड्स में डीएमके की एक जनसभा हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक आई करुणानिधि ने की और इसमें पार्टी के यूनियन सेक्रेटरी बीकिलिपट्टी मुरुगेसन, राधाकृष्णन, जयकन्नन, सुब्रमण्यन, करुप्पासामी और चिन्नापांडियन शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए मार्कंडेयन ने हाल की राजनीतिक घटनाओं और राज्य विधानसभा के कामकाज को लेकर मुख्यमंत्री विजय पर तीखा हमला किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने कथित तौर पर मुख्यमंत्री को चेतावनी दी कि अगर विधानसभा बुलाई गई तो आपकी हड्डियां साबुत नहीं बचेंगी। आगे दावा किया कि डीएमके विधायक 'आपकी हड्डियां तोड़ देंगे और आपको वापस भेज देंगे'। इन बयानों को मुख्यमंत्री के लिए सीधी धमकी के तौर पर देखा गया। रविवार रात सोशल मीडिया पर उनके भाषण के वीडियो तेजी से फैल गए, जिसकी राजनीतिक दलों और आम लोगों ने कड़ी निंदा की। आलोचकों ने विधायक पर संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ हिंसक और भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कई नेताओं ने तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग की।

खबरें जरा हटके

जहरीले सांप ने दो बार डसा, मरीज को दिए एंटी-वेनम के 54 इंजेक्शन

फिर अस्पताल ने थमाया 11 करोड़ का बिल!

जब किसी को कोई जहरीला और जानलेवा सांप से काट लेता है, तो उसकी पहली प्राथमिकता अपनी जान बचाना होती है. उस वक्त कोई भी यह नहीं सोचता कि इलाज में उसका कितना पैसा खर्च होगा, क्योंकि जिंदगी से बढ़कर दुनिया में कुछ भी नहीं. लेकिन कई दिनों तक जिंदगी और मौत की भयानक जंग लड़ने के बाद अगर आपकी जान बच भी जाए और अस्पताल आपके हाथ में 11 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का भारी-भरकम मेडिकल बिल थमा दे, तो आपका क्या हाल होगा. अमेरिका से एक ऐसा ही हैरान कर देने वाला वाकया सामने आया है, जहां तीन बच्चों के पिता क्रिस हॉवर्थ को एक खतरनाक रैटलस्नेक ने दो बार डस लिया था. डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने के लिए दिन-रात एक कर दिया और उन्हें एंटी-वेनम की पूरी 54 डोज चढ़ा दीं. लेकिन अब जब वे ठीक होकर घर लौटे, तो अस्पताल के करीब 11 करोड़ रुपये के भारी बिल ने उनके पूरे परिवार के होश उड़ा दिए हैं.

इडाहो शहर के रहने वाले क्रिस हॉवर्थ अपने परिवार के साथ कैलिफोर्निया के ओरोविले में अपने रिश्तेदारों से मिलने गए थे. चार दिनों की छुट्टियों के बाद जब पूरा परिवार वापस घर लौटने की तैयारी में था, तब यह हादसा हुआ. क्रिस अपने माता-पिता के बगीचे में टहल रहे थे, तभी गलती से उनका पैर झाड़ियों में छिपे जहरीले रैटलस्नेक पर पड़ गया. क्रिस को लगा कि उन्होंने किसी पौधे या घास पर पैर रख दिया है, लेकिन असल में वह एक सांप था, जिसने बिना कोई मौका दिए उनके पैर में दो बार बहुत तेजी से डंक मार दिया. सांप के काटते ही उसका घातक जहर तेजी से क्रिस के शरीर में फैलने लगा और कुछ ही मिनटों के भीतर उनका शरीर धीरे-धीरे पस्त होने लगा. उनकी जीभ सुन्न हो गई, शरीर की लिम्फ नोड्स में भयंकर सूजन आ गई और फेफड़े सही से काम नहीं कर पा रहे थे. उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर उनकी हालत संभालने के लिए संघर्ष करने लगे. हॉस्पिटलाइज होने के कुछ दिनों बाद क्रिस की हालत तब और ज्यादा बिगड़ गई जब उन्हें डिसमिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोगुलेशन नाम की एक दुर्लभ स्थिति का सामना करना पड़ा.

देहरा के पूर्व विधायक होशियार सिंह चंब्याल पर विजिलेंस का शिकंजा

सरकारी धन के इस्तेमाल की जांच शुरू

शिमला, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने देहरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक होशियार सिंह चंब्याल के खिलाफ सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। ब्यूरो ने प्रारंभिक जांच के बाद यह कार्रवाई की है। मामले में धर्मशाला स्थित सतर्कता थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। सतर्कता ब्यूरो के अनुसार, यह शिकायत पूर्व विधायक की एक कंपनी में काम करने वाले कुछ कर्मचारियों की ओर से की गई थी। जांच के दौरान शिकायतकर्ताओं, संबंधित लाभार्थियों, सरकारी रिकॉर्ड और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की गई। जांच में सामने आया कि वर्ष 2023 और 2024 के दौरान विधायक ऐच्छिक निधि योजना के तहत कुछ लोगों के नाम पर आर्थिक सहायता मंजूर की गई थी। आरोप है कि इनमें से कुछ लोगों ने सहायता राशि के लिए आवेदन ही नहीं किया था। जांच के दौरान संबंधित लोगों के बयान भी दर्ज किए गए। ब्यूरो के अनुसार, कुछ कथित लाभार्थियों ने बताया कि राशि उनके बैंक खातों में पहुंचने के बाद उसे नकद निकालकर पूर्व विधायक के निर्देशानुसार सौंप दिया गया। जांच में मिले दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड के आधार पर प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि सरकारी धन का उपयोग उस उद्देश्य के अनुरूप नहीं हुआ, जिसके लिए राशि स्वीकृत की गई थी।

सावधान : पांच एंटीबायोटिक और एंटीफंगल दवाओं से लिवर-किडनी को खतरा

दवाओं से चकत्ते, त्वचा रोग व जलन की समस्या

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। एंटीबायोटिक और एंटीफंगल की पांच दवाओं के गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हैं। इनमें कुछ दवाओं से मरीजों में लीवर और किडनी जैसे अहम अंग प्रभावित होने का खतरा है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इन पांचों दवाइयों को लेकर नई चेतावनी जारी की है।

संगठन ने दवा कंपनियों को पांचों दवाओं के साथ इसके दुष्प्रभाव अंकित करने के निर्देश दिए हैं। इन दवाओं में चार संक्रमणरोधी यानी एंटीबायोटिक/एंटीप्रोटोजोअल और एक एंटीफंगल दवा शामिल है।

सीडीएससीओ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों से कहा है कि वे अपने यहां दवा बनाने वाली कंपनियों से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं।

गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण में दिए जाने वाली वैनकॉमायसिन से मरीजों में ड्रेस सिंड्रोम बुखार, चकत्ते देखने को मिल रहे हैं। मुंहासे, श्वसन व अन्य संक्रमण रोगों में दी जाने वाली टेट्रासाइक्लिन दवा से त्वचा में प्रतिक्रिया की समस्या हो रही है। इसे लेने से मरीजों में बार-बार एक ही जगह चकत्ते और फफोले हो रहे हैं। यूटीआई, फेफड़ों व अन्य संक्रमण में दी जाने वाली कोट्रिमोक्साजोल से भी मरीजों में चकत्ते और फफोले देखे जा रहे हैं। पेट, आंत, दांत व अन्य संक्रमण की समस्या में आमतौर पर मरीजों को मेट्रोनिडाजोल और फंगल संक्रमण में ओरल इट्राकोनाजोल दी जाती है। इसके चलते भी मरीजों में चकत्ते, जलन, फफोले और लाल चकत्ते देखने को मिले हैं।

बगैर डॉक्टर की सलाह न करें दवा का सेवन

सीडीएससीओ ने कहा है कि ये दवाएं असुरक्षित नहीं हैं और न ही इनका इस्तेमाल बंद कर दिया गया है। बगैर चिकित्सकीय सलाह के दवा बंद या शुरू नहीं करनी चाहिए। उसके दिए निर्देशों का मकसद डॉक्टरों और मरीजों को संभावित गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में पहले से सचेत करना है। इन दवाओं से त्वचा पर बार-बार चकत्ते, फफोले, तेज बुखार, चेहरे या शरीर में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देंने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

10 साल से नहीं धोए बाल, फिर सैलून जा पहुंचा शख्स, हालत देख नाई के भी छूटे पसीने!

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक सनकी वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में दावा किया जा रहा है कि उसमें दिख रहे शख्स ने पिछले 10 साल से अपने बालों को नहीं धोया है. उसने ना पानी से, ना शैंपू से और ना ही किसी अन्य चीज से हेयर वॉश किया है. जब यह शख्स हाल ही में हेयर ट्रीटमेंट करवाने के लिए एक सैलून पहुंचा तो वहां का माहौल ही बदल गया. शख्स के बालों की हालत देख नाई और स्टाफ की आंखें फट गई. बालों की हालत देखकर नाई के पसीने छूट गए. वीडियो में साफ दिख रहा है कि शख्स के बाल लंबे तो हैं लेकिन उनमें जमा गंदगी, धूल, तेल और मृत त्वचा की परतें चिपकी हुई है. बाल आपस में चिपके हुए हैं और तेज बदबू आ रही है. सैलून के नाई ने पहले तो मना किया लेकिन शख्स के कहने पर काम शुरू किया.

बालों को धोना निकला मुश्किल

शख्स के बाल धोने के लिए शैंपू लगाते ही झाग की जगह काला गाढ़ा पानी निकलने लगा. नाई को बार-बार हाथ धोने और मास्क लगाने की जरूरत पड़ रही थी. शख्स ने सनक में 10 साल पहले एक प्रयोग शुरू किया था. वह जानना चाहता था कि बिना बाल धोए क्या होता है? उसका दावा है कि शुरुआती कुछ महीनों में खुजली और बदबू हुई लेकिन बाद में बाल खुद बैलेंस हो गए. अब वह कहता है कि उसके बाल ज्यादा मजबूत और झड़ते भी कम हैं. सैलून स्टाफ ने बताया कि इतनी गंदगी उन्होंने कभी नहीं देखी. बाल धोने में ही तीन राउंड शैंपू लग गए. कंडीशनर लगाने के बाद भी बाल पूरी तरह साफ होने में घंटों लगे. बालों को नरम करने के लिए नीम्बू का सहारा लेना पड़ा.

बारिश और भूस्खलन का खतरा बढ़ा, अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्रा फिर हुई स्थगित

कटड़ा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश और खराब मौसम के चलते अमरनाथ, माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी की यात्राएं सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रहीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यात्राओं पर अस्थायी रोक जारी रखने का फैसला किया है। मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने के बाद अमरनाथ यात्रा को अगले आदेश तक स्थगित रखा गया है। इसके चलते जम्मू, उधमपुर और रामबन से श्रीनगर की ओर किसी भी श्रद्धालु वाहन को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जम्मू, कठुआ, सांबा, उधमपुर, रामबन और बनिहाल के बेस कैंपों व आवास केंद्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु रुके हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और यात्रियों से मौसम सामान्य होने तक वहीं ठहरने की अपील की गई है। माता वैष्णो देवी यात्रा भी दूसरे दिन बंद रही।

कटड़ा बेस कैंप पर पुलिस लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं को यात्रा स्थगित होने की जानकारी दे रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम में सुधार होने और मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित होने के बाद ही श्रद्धालुओं को भवन की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी। रियासी जिले के ही शिव खोड़ी धाम की यात्रा भी खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण स्थगित है। श्री शिव खोड़ी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अगली सूचना तक अपनी यात्रा टालने की अपील की है। बोर्ड का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और मौसम अनुकूल होने के बाद ही यात्रा दोबारा शुरू करने पर निर्णय लिया जाएगा। इस बीच, रविवार से हो रही लगातार बारिश के कारण जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। कई स्थानों पर बादल फटने, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की घटनाएं सामने आई हैं। पुंछ जिले के सुरनकोट क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव अभियान में जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हालात की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की और सभी जिलों को 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रखने, राहत कार्यों में तेजी लाने तथा प्रभावित लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

अब प्लास्टिक का हो जाएगा खात्मा! मिल गया वो अनोखा फंगस

जो चट कर जाएगा पॉलिथीन बैग और बोतल

प्लास्टिक आज पूरी दुनिया की सबसे बड़ी पर्यावरणीय समस्या बन चुका है. यह लाखों साल तक सड़ता नहीं और जमीन, नदियों, समुद्रों को प्रदूषित करता रहता है. लेकिन अब वैज्ञानिकों को एक ऐसा चमत्कारी फंगस मिल गया है जो प्लास्टिक को अपना भोजन बना लेता है. अमेजन रेनफॉरेस्ट में खोजा गया यह फंगस प्लास्टिक के विभिन्न प्रकारों– खासकर पॉलिथीन को तोड़ने में सक्षम है. यह खोज पर्यावरण वैज्ञानिकों के लिए बड़ी राहत और उम्मीद की किरण बनकर उभरी है. अब उम्मीद की जा रही है कि इस फंगस की मदद से प्रदूषण पर लगाम लगाई जा सकती है. वैज्ञानिकों की टीम अमेजन के घने जंगलों में माइक्रोऑर्गेनिज्म्स की खोज कर रही थी. वहां उन्हें एक ऐसा फंगस मिला जो प्लास्टिक की सतह पर उगता और उसे धीरे-धीरे खा जाता है. प्रयोगशाला टेस्ट में यह फंगस पॉलिथीन बैग, प्लास्टिक बोतल और अन्य सिंथेटिक पॉलिमर को ब्रेकडाउन करने में सफल रहा है. फंगस प्लास्टिक के केमिकल बॉन्ड को तोड़कर उसे सरल कंपाउंड में बदल देता है, जो पर्यावरण के लिए कम हानिकारक होते हैं. यह फंगस प्लास्टिक को अपना खाना मानकर एंजाइम्स जारी करता है. ये एंजाइम्स प्लास्टिक की लंबी चेन को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देते हैं. प्रक्रिया धीमी है, लेकिन प्राकृतिक और सुरक्षित है. वैज्ञानिक अब इसे तेज करने के तरीके ढूंढ रहे हैं. ऐसे में यह फंगस एक प्राकृतिक समाधान साबित हो सकता है. वैज्ञानिकों का मानना है कि इस फंगस का इस्तेमाल लैंडफिल साइट्स, रिसाइक्लिंग प्लांट्स और प्रदूषित इलाकों में किया जा सकता है. अगर इसे बड़े स्तर पर विकसित किया गया तो प्लास्टिक कचरे को साफ करने में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है. कुछ कंपनियां पहले से ही प्लास्टिक खाने वाले बैक्टीरिया और फंगस पर रिसर्च कर रही है.

हैवान से बचकर जंगल में खोई महिला

ओडिशा पुलिस ने ड्रोन और फ्लेयर गन से बचाई जान

भुवनेश्वर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस ने राजधानी भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में स्थित एक आरक्षित वन से एक महिला को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। यह महिला दुष्कर्म की कोशिश के बाद अपनी जान बचाकर घने जंगल में भाग गई थी। पुलिस ने घने अंधेरे में महिला को तलाशने के लिए ड्रोन, फ्लेयर गन और रॉकेट पटाखों का इस्तेमाल किया। पुलिसकर्मियों की सूझबूझ से महिला की जान सही समय पर बचा ली गई। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला ने खोरधा बस स्टैंड से एक मोटरसाइकिल सवार से लिफ्ट ली थी। मोटरसाइकिल चालक की नीयत खराब थी। वह महिला को छोड़ने के बहाने जबरन रतनपुर आरक्षित वन की तरफ ले गया। सुनसान इलाका देखकर आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। महिला ने हिम्मत नहीं हारी। उसने आरोपी का डटकर मुकाबला किया, खुद को उसकी चंगुल से छुड़ाया और घने जंगल के भीतर भाग गई। जान बचाकर भागने के चक्कर में महिला जंगल के बेहद अंदर चली गई और वहां का रास्ता भटक गई। चारों तरफ घना अंधेरा और जंगल होने के कारण वह पूरी तरह फंस चुकी थी। मुसीबत में फंसी महिला ने किसी तरह अपने मोबाइल फोन से पुलिस को कॉल कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत एक्टिव मोड में आ गई। रेस्क्यू ऑपरेशन की मुख्य बातें इस प्रकार हैः- बड़ी टीम तैनातः एसीपी (जोन III) के नेतृत्व में इन्फोवैली, जटनी और खंडागिरी थानों के करीब 50 पुलिसकर्मियों ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया।

दिल्ली दंगा मामला : कोर्ट से शरजील इमाम को बड़ा झटका

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगा मामले से जुड़े शरजील इमाम की एक याचिका का निपटारा किया है। शरजील इमाम ने अपनी पीएचडी थीसिस पूरी करने के लिए पेन ड्राइव में अध्ययन सामग्री की मांग की थी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पेन ड्राइव में मौजूद सामग्री को केवल जेल अधीक्षक ही नियंत्रित और उसकी निगरानी कर सकते हैं। कोर्ट ने इस मामले को जेल अधीक्षक के विवेक पर छोड़ दिया है। अब जेल अधीक्षक ही शरजील इमाम की इस मांग पर विचार करेंगे और उचित निर्णय लेंगे।

भारत को मिली पहली डेंगू वैक्सीन, क्या है क्यूडेंगा

कैसे काम करती है और किन लोगों को लगाई जाएगी?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में डेंगू से बचाव के लिए पहली बार किसी वैक्सीन को मंजूरी मिली है। जापान की दवा कंपनी टाकेदा फार्मास्युटिकल्स की डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को भारत के दवा नियामक ने मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब भारत में पिछले दो दशक में डेंगू के मामलों में 11 गुना बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का कहना है कि दुनिया में डेंगू के कुल बोझ का लगभग एक-तिहाई हिस्सा भारत में है।

ऐसे में आइए जानते हैं कि डेंगू क्या है? डेंगू के लक्षण क्या हैं? भारत में डेंगू कि क्या स्थिति है? क्यूडेंगा क्या है? यह वैक्सीन कैसे काम करती है? वैक्सीन कैसे लगाई जाएगी? यह वैक्सीन कितनी असरदार है? इसके दुष्प्रभाव क्या हैं? किन लोगों को यह वैक्सीन नहीं लगानी चाहिए? दुनिया में कितने देशों ने अपनाया क्यूडेंगा वैक्सीन? दुनिया में डेंगू कितना बड़ा खतरा है? डेंगू एक वायरल बीमारी है, जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलती है। डेंगू का खतरा गर्म मौसम वाले देशों में ज्यादा रहता है। अधिकांश लोगों में इसके लक्षण नहीं दिखाई देते या हल्के होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह गंभीर रूप लेकर जानलेवा भी हो सकती है। डेंगू का कोई विशेष इलाज नहीं है, इसलिए समय पर पहचान और सही इलाज बहुत जरूरी होता है। डेंगू वायरस के चार प्रकार होते हैं और एक बार संक्रमण होने के बाद भी व्यक्ति दोबारा किसी दूसरे प्रकार से संक्रमित हो सकता है।

डेंगू के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 4 से 10 दिन बाद दिखाई देते हैं और 2 से 7 दिन तक रह सकते हैं। इनमें तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मतली, उल्टी, शरीर पर चकत्ते और सूजी हुई ग्रंथियां शामिल हैं। दूसरी बार संक्रमण होने पर गंभीर डेंगू का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे मामलों में तेज पेट दर्द, लगातार उल्टी, तेजी से सांस चलना, मसूड़ों या नाक से खून आना, उल्टी या मल में खून, अत्यधिक प्यास, ठंडी और पीली त्वचा व कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे लक्षण होने पर तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

भारत में डेंगू की स्थिति क्या है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत डेंगू से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। देश में लगभग 75 से 80 प्रतिशत संक्रमण ऐसे होते हैं, जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, लेकिन संक्रमित व्यक्ति फिर भी एडीज मच्छर के जरिए दूसरों तक वायरस पहुंचा सकता है। जिन 20 से 25 प्रतिशत लोगों में लक्षण दिखाई देते हैं, उनमें बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने और मौत का खतरा अधिक रहता है। वहीं वयस्कों में डेंगू गंभीर होकर डेंगू हेमरेजिक फीवर और डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसी स्थिति पैदा कर सकता है।

यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी के अनुसार, QDENGA एक डेंगू वैक्सीन है जो वयस्कों, किशोरों और चार साल या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दी जा सकती है। इसमें डेंगू वायरस के चारों प्रकारों के कमजोर रूप होते हैं, जो बीमारी नहीं फैलाते, लेकिन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 जुलाई - 2026

अब सारा आकाश भारत का

भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए निजी क्षेत्र के पहले स्वदेशी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण से नया इतिहास रच दिया है। 18 जुलाई को मिली यह सफलता केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास, नवाचार और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी है। ऐसे समय में जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कई अनुभवी वैज्ञानिकों के निजी क्षेत्र की ओर जाने की चर्चाएं हैं तो यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि निजी कंपनियां भी वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का दमदार प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसा करने वाला भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा देश बन गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है। यह केवल एक नामकरण नहीं, बल्कि भारत की वैज्ञानिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रेरक संदेश भी है। इससे पहले 1975 में भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट का नाम भी महान भारतीय खगोलविद के सम्मान में रखा गया था। 'विक्रम-1' की सफलता यह भी दर्शाती है कि भारत में वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी दक्षता और उद्यमशीलता का मजबूत संगम विकसित हो रहा है। पीएम मोदी ने भी इसे युवाओं को प्रेरित करने वाली उपलब्धि बताया है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पहले वैज्ञानिक पवन चंदाना और नागा भारत डाका ने स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना की थी। सीमित संसाधनों से शुरू हुई यह कंपनी आज भारत की अग्रणी स्पेस-टेक कंपनियों में शामिल हो चुकी है। लगभग 350 किलोग्राम तक का पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुंचाने में सक्षम विक्रम-1 भारत की व्यावसायिक अंतरिक्ष सेवाओं को नई गति देगा। कंपनी अगले चरण में 'विक्रम-2' रॉकेट विकसित कर रही है, जिसकी क्षमता लगभग 900 किलोग्राम होगी। इससे भारत वैश्विक सैटेलाइट प्रक्षेपण बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगा। साथ ही, स्पेस स्टार्टअप्स, निजी निवेश और अंतरिक्ष आधारित उद्योगों को भी नई गति मिलेगी। वर्ष 2023 की नई अंतरिक्ष नीति तथा 2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से जुड़े सुधारों ने इस क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। इसके साथ एक गंभीर प्रश्न भी जुड़ा है। यदि निजी क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है, तो इसरो से अनुभवी वैज्ञानिकों के पलायन के कारणों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। वैज्ञानिक प्रतिभाओं को बेहतर शोध वातावरण, पर्याप्त संसाधन, प्रतिस्पर्धी अवसर और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराना समय की मांग है। सरकार को इसरो और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग, प्रतिभा के आदान-प्रदान तथा अनुसंधान निवेश को बढ़ाने की नीति अपनानी होगी। विक्रम-1 की उड़ान केवल एक रॉकेट की सफलता नहीं, बल्कि उस नए भारत की पहचान है जो अवसरों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीक का निर्माता बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यदि सरकार, इसरो, निजी उद्योग और वैज्ञानिक समुदाय इसी समन्वय के साथ आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का अग्रणी केंद्र बनेगा। सचमुच, अब भारतीय विज्ञान के लिए सारा आकाश हमारा है।

कारसेवा का शंखनाद : क्या मथुरा बनेगा निर्णायक मोर्चा?

सुरेश गांधी

अयोध्या का अध्याय अपने निर्णायक पड़ाव पर पहुंच चुका है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया केंद्र उभरता दिखाई दे रहा है—श्रीकृष्ण जन्मभूमि। वर्षों से अदालत की चौखट पर चल रहा यह विवाद अब केवल कानूनी बहस तक सीमित नहीं रह गया है। संत समाज की सक्रियता, अखाड़ा परिषद द्वारा 9 अगस्त को कारसेवा के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लगातार मुखर होते राजनीतिक तेवरों ने मथुरा को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है।

बीते दो दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सार्वजनिक संबोधनों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि यदि वे स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज बताते हैं, तो उन्हें श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रश्न पर भी स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। योगी ने इसे वोट बैंक की राजनीति से जोड़ते हुए विपक्ष पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया। इन बयानों ने यह संकेत अवश्य दिया है कि मथुरा का मुद्दा अब केवल धार्मिक विमर्श नहीं, बल्कि वैचारिक और राजनीतिक बहस का भी केंद्र बन रहा है।यहीं से उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। 2027 के विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक दलों की रणनीतियां आकार लेने लगी हैं। भाजपा विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के साथ अपनी वैचारिक राजनीति को भी समानांतर गति देती रही है। ऐसे में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रश्न उसके व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। हालांकि अभी तक इसे चुनावी एजेंडे के रूप में आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है।

इसलिए तथ्य यही कहते हैं कि यह मुद्दा 2027 की राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, लेकिन उसके स्वरूप का अंतिम निर्धारण आने वाले घटनाक्रम करेंगे।दूसरी ओर विपक्ष के सामने भी चुनौती कम नहीं है। समाजवादी पार्टी की राजनीति एक ओर अपने परंपरागत मुस्लिम समर्थन आधार पर टिकी है, वहीं यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ी मानी जाती है। ऐसे में मथुरा का प्रश्न अखिलेश यादव के लिए केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक चुनौती भी बनता दिखाई देता है। संत समाज लगातार उनसे इस विषय पर स्पष्ट रुख की अपेक्षा जता रहा है।अखाड़ा परिषद का संदेश भी स्पष्ट है। संत समाज इसे सदियों पुरानी आस्था और सांस्कृतिक अस्मिता का अधूरा अध्याय मानते हुए आगे बढ़ाने की बात कर रहा है। वहीं विपक्ष इसे चुनावी ध्रुवीकरण की रणनीति के रूप में देख रहा है। यही भारतीय लोकतंत्र की जटिलता भी है-जहां एक ही विषय किसी के लिए आस्था का प्रश्न होता है, तो किसी के लिए राजनीति का। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े अनेक मुकदमे अभी न्यायालय में विचाराधीन हैं। विवादित लगभग 13.37 एकड़ परिसर पर अंतिम निर्णय न्यायपालिका को ही करना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्थायी समाधान भी वही होगा, जो संविधान और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप निकले। मुख्यमंत्री योगी स्वयं भी अनेक अवसरों पर न्यायिक प्रक्रिया के सम्मान की बात दोहरा चुके हैं।

फिर भी राजनीति केवल अदालत के फैसलों की प्रतीक्षा नहीं करती; वह जनभावनाओं की दिशा भी पढ़ती है। इतिहास गवाह है कि अयोध्या का आंदोलन केवल न्यायालय के भीतर नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक विमर्श के समानांतर भी आगे बढ़ा था। यही कारण है कि अब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठने लगा है कि क्या मथुरा भी उसी तरह व्यापक जनचर्चा का केंद्र बनेगी, या यह केवल वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का अस्थायी उभार है।

इतिहास, आस्था और राजनीति-तीनों की अपनी-अपनी गति होती है। मथुरा भारतीय सभ्यता की स्मृति है, करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केंद्र है और साथ ही एक संवेदनशील न्यायिक विषय भी। ऐसे में किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले यह स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र में आस्था और संविधान दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रश्न न्यायालय की सीमाओं में ही रहेगा या उत्तर प्रदेश की राजनीति के सबसे प्रभावशाली विमर्श के रूप में स्थापित होगा। फिलहाल इतना तय है कि मथुरा ने दस्तक दे दी है। अब निगाहें इस पर हैं कि यह दस्तक इतिहास का नया अध्याय लिखेगी या केवल राजनीति के वर्तमान अध्याय का सबसे मुखर प्रतीक बनकर रह जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति अब टाली नहीं जा सकती अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे पर अपने रुख को और स्पष्ट करते हुए 9 अगस्त को कारसेवा का आह्वान किया है। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इस विषय का समाधान शीघ्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत समाज लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करता आया है, लेकिन आस्था के इस प्रश्न पर जनजागरण भी आवश्यक है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केवल भूमि का प्रश्न नहीं, करोड़ों हिंदुओं की आस्था का विषय है। संत समाज संविधान और न्यायालय का सम्मान करता है, लेकिन समाज को जागृत करना भी हमारा दायित्व है। परिषद की ओर से कहा गया है कि प्रस्तावित कारसेवा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को संगठित करना और श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े विषय पर जनजागरण करना है। हालांकि इस पूरे विवाद से जुड़े विभिन्न मुकदमे अभी न्यायालय में लंबित हैं और अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही होगा।

हिमालय पर बदलनी होगी तीर्थयात्रा की संस्कृति

आरके जैन

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज़ प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है। यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है। असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीर्थयात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है।

ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है।

वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीर्थयात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाज़ुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया।

यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है—ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं।

समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े।

हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीर्थयात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए।

तीर्थयात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीर्थयात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है। इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब क्लाइमेट रेसिलिएंट तीर्थयात्रा नीति केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

वर्चुअल या डिजिटल दर्शन की व्यवस्था भी इतनी सशक्त हो कि प्रतिकूल मौसम, स्वास्थ्य अथवा आयु के कारण यात्रा न कर पाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी निर्बाध बनी रहे। साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण, ग्लेशियर संरक्षण परियोजनाओं और सस्टेनेबल पर्यटन मॉडल को प्राथमिकता मिले। इससे यात्रा अधिक सुरक्षित होगी, प्रकृति का संतुलन सुदृढ़ होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक आधार मिलेगा। भविष्य उसी का होगा, जहाँ संरक्षण और विकास प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयात्री बनें।

सबसे बड़ा बदलाव व्यवस्थाओं से पहले हमारी सोच में आना होगा। अमरनाथ केवल बर्फ से बनी एक गुफा नहीं, हिमालय की सजीव चेतना का प्रतीक है। उसकी बर्फ, नदियाँ, वन और पर्वत केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, हमारे अस्तित्व की आधारशिला हैं।

यदि इन्हें बचाने में हम चूक गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल अमरनाथ यात्रा ही नहीं, हिमालय की आज की विराटता को भी इतिहास के पन्नों में तलाशेंगी। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई है; उसकी दस्तक हमारे खेतों, शहरों और तीर्थों तक पहुँच चुकी है। इसलिए तीर्थयात्रा को जलवायु-अनुकूल बनाना आस्था पर अंकुश नहीं, उसे आने वाले समय तक अक्षुण्ण रखने का दायित्व है। आखिर प्रकृति ही सबसे बड़ा तीर्थ है; यदि वही संकट में पड़ गई, तो शेष सभी तीर्थ केवल स्मृतियों के स्मारक बनकर रह जाएंगे।

कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं रंगदारी मांगने वाले गैंग

मनोज कुमार अग्रवाल

किसी भी राज्य में यदि गिरोह बंद अपराधी संगठित गिरोह बना कर लोगों को धमकी दे कर उन पर हमले करवा कर फिरोती या रंगदारी टैक्स की जबरन वसूली करें तो ऐसे शासन को भयमुक्त लोकतंत्र कहना गलत होगा। भाजपा के सरकार में आने और लगातार अपना जनाधार बढ़ाने के पीछे एक खास वजह यह भी है कि भाजपा ने भयमुक्त समाज का सपना दिखाया लेकिन अब भाजपा के इस थीम को अपराधी चौतरफा चुनौती दे रहे हैं ऐसे में सरकार की छवि को धूमिल करने का मकसद सफल हो रहा है और सरकार की साख को नुकसान पहुंच रहा है। आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली सहित देश के अनेक भागों में गैंगस्टरों और उनके गुर्गों के 'जबरन वसूली गिरोह' (रंगदारी मांगने वाले) सक्रिय हैं जो मांगी गई रकम न मिलने पर हत्या तक करने से संकोच नहीं करते।

ये गिरोह मुख्य रूप से व्यापारियों तथा आम लोगों तक को किसी न किसी बहाने निशाना बना कर ब्लैकमेल कर रहे हैं हाल ही में एक के बाद एक ऐसी दर्जनों वारदातों ने सुर्खिया बटोरी है 16 फरवरी को 'गोरखपुर' (उत्तर प्रदेश) में 'पंकज दीक्षित' नामक एक डाक्टर को असामाजिक तत्वों द्वारा 15 लाख रुपए रंगदारी देने का संदेश मिलने और रंगदारी न देने पर उसके होटल तथा पूरे परिवार को समाप्त कर देने की धमकी मिलने पर पूरा परिवार दहशत में आ गया।

4 अप्रैल को 'खरगौन' मध्य प्रदेश में एक कॉटन व्यापारी के घर पर अंधाधुंध गोलीबारी करके 'लारेंस बिश्नोई गैंग' के नाम पर 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई और मांग पूरी न करने पर हैंड ग्रेनेड से हमला करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया।18 मई को 'बोकारो' (झारखंड) में रंगदारी की मांग के चलते' जयराम प्रसाद' नामक व्यक्ति की कुछ लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी।29 मई को 'गाजीपुर' (उत्तर प्रदेश) में होटल कारोबारी 'आलोक राय' द्वारा रंगदारी देने से इन्कार करने पर स्थानीय 'कटरा गैंग' के सदस्यों ने उनके बेटे 'विनीत राय' की हत्या कर दी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बाद में एनकाऊंटर में उक्त कांड के मुख्य आरोपी 'कमलेश' को मार गिराया।

2 जून को 'मुंगेर' (बिहार) में अपराधियों ने रंगदारी न देने पर खेत में सो रहे किसान 'मंसूरी यादव' की गोली मार कर हत्या कर दी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व उक्त बदमाशों ने 'मंसूरी यादव' से रंगदारी की मांग की थी और न देने पर जान से मार देने की धमकी दी थी।

3 जून को 'गुरुग्राम' पुलिस ने रंगदारी के लिए लोगों का अपहरण करने वाले 'नितिन' को एनकाऊंटर में घायल करके गिरफ्तार किया।

17 जून को 'पानीपत' (हरियाणा) से एक 12 वर्षीय बच्चे का अपहरण करके 1.5 करोड़ रुपए रंगदारी मांगने के सिलसिले में पुलिस ने एक महिला सहित 3 आरोपियों को 'रोहतक' से गिरफ्तार करने के साथ ही बच्चे को भी उनके कब्जे से छुड़ाया। 26 जून को 'असंध' (हरियाणा) में एक मिष्ठान भंडार के मालिक से 1 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने तथा मांग पूरी न करने पर गोली मारने की धमकी देने के सिलसिले में पुलिस ने केस दर्ज किया। 29 जून को 'साकची' (जमशेदपुर, झारखंड) में एक युवक ने एक दुकानदार द्वारा रंगदारी देने से इंकार करने पर चाकुओं से वार करके उसे घायल कर दिया।10 जुलाई को 'जालंधर' (पंजाब) में एक फायनेंसर को रास्ते में रोक कर और हथियार दिखा कर उससे फिरौती मांगने तथा विदेश के नम्बरों से फोन करवा कर उससे शिकायत वापस लेने के लिए धमकाने के मामले में पुलिस ने 5 लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जुलाई को 'जालंधर' (पंजाब) स्थित 'कर्मा फैशन स्टूडियो' के मालिक को विदेश में बैठे गैंगस्टर 'डोनी बल' ने 50 लाख रुपए फिरौती देने का संदेश भेजा और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी।

मनभावन सावन के आवन से

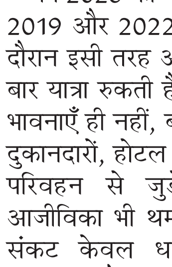

डॉ टी महादेव राव

सावन का महीना कुछ खास ही होता है ठीक वैसे ही जैसे हमारे बड़े बड़े नेता हर घड़ी बदले हुए नए कपड़ों में खासमखास नजर आते हैं। सावन का मतलब बारिश। रिमझिम गिरे सावन सुलग सुलग जाए मन यह जवान दिलों वाले प्रेमियों के लिए भी उतना ही वरदाई है जितना सड़क बनाने वाले ठेकेदारों के लिए। ग्रीष्म की गर्मी में पिघलते कोलतार से बड़े ही मनोयोग से सड़कें बनवाते हैं बेचारे कि सावन की मूसलाधार घनघोर वर्षा इन्हें फिर से सड़कें बनाने का ठेका प्रदान करने की स्थिति में होता है। ठेकेदार वरुण देव का गुणगान करते कृतकृत्य हो जाते हैं। जब बात सड़क निर्माण की आई तो सहज है हम यातायात के एक और मार्ग पुल पर भी अपने विचार रखते चलें। बारिश में पुलों का गिरना एक आम बात है। पुल बेचारे बड़े संवेदनशील निर्माण हैं। जहां उन्हें दुख हुआ कि बस शुतुरमुर्ग की तरह रेत या जमीन की बजाए नदी में धंसकर अपना मुंह छुपाते हैं। एक प्रांत विशेष का तो पुल पतन में कीर्तिमान है। सत्रह दिनों में ग्यारह पुलों के गिरने का और अभी भी जारी रहने का विश्व रिकॉर्ड है। यह सावन का भारत के उस प्रांत को दिया गया वरदान है। फलस्वरूप बीस अधिकारी और पंद्रह ठेकेदार निलंबित हुए। बाद में पुल से प्राप्त आय का कुछ प्रतिशत देकर वे नए पुल बनाने लगेंगे। जय सावन की। सावन में मानसून सत्र और संसद की कार्यवाही भी मजेदार होती है। झूठ का चक्का इतनी तेजी से घूमता है कि सच को उस भीषण हवा के कारण वहां से भागना होता है। उन्नीस सौ पचास में स्वर्ग सिधारा व्यक्ति उन्नीस सौ साठ में भी आकर पीओके को रोकने को कहता है, ऐसा इतिहास के विद्यार्थी, ज्ञाता और घर के वजीर बयान देता है। यह कहकर वह अपना खुद का लिखा इतिहास सामने रख देता है।

महंगाई के भीषण मार के समय सावन त्यौहार भी कम नहीं लाता। हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी जैसे अनेक त्यौहारों से सावन स्पेशल बन जाता है। स्कूल में एडमिशन, किताबें, बैग, फीस, बच्चों के लिए बरसाती और बरसात के जूते, छाते खरीदने के बाद बचा कुचा रुपए त्यौहार में पानी के तरह बह जाते हैं।

सावन में जब भारी बारिश और बाढ़ से घर बार, खेत खलिहान जलमय हो जाते हैं तो बड़े बड़े मंत्री हवाई सर्वेक्षण क्यों करते हैं? क्योंकि वे कीचड़ में जाना नहीं चाहते। बादलों से, वरुण देव से आसमान में बातें करके स्थिति का जायजा लेते हैं क्योंकि प्रकृति और देव झूठ नहीं बोलते मनुष्यों की तरह, इसलिए सारी खबर उनसे लेते हैं। फिर अपना ज्ञान आख्यान के साथ मिलकर व्याख्यान देते हैं जिसमें झूठ और सिर्फ झूठ के अलावा कुछ नहीं होता। सावन में भीषण बारिश के वक्त बिजली का चले जाना, फिर मच्छरों का आना, महंगाई और करों के बाद बचे खून को बांट बांट कर चूस लेना भी इस मास का एक विशेष गुण होता है। वैसे बाद में मलेरिया, डेंगू, बुखार का आगमन। सावन की एक और देन है सर्दी जुकाम जो बिल्कुल फ्री में सावन दे जाता है। हरि कथा की तरह सावन अनंत इसका खर्चा अनंता।

तत्काल स्वास्थ्य लाभ के चक्कर में डॉक्टर शॉपिंग का नया चलन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता। देखा जाए तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरुप महानगरों में डॉक्टर शापिंग का नया ही चलन चलने लगा है।

खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते। चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा।

बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मानलो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हांलाकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शापिंग का एक नया रुप डॉक्टर शापिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है। डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बीसवीं सदी में नशीली दवाओं की प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयासों के लिए चलन में आया था। नशीली दवाओं के आदतन लोग एक से दूसरे डॉक्टर के पास परचा लिखवाने इसलिए जाते थे ताकि नशीली दवाओं का संग्रह कर सके। क्योंकि नशीली दवा एक सीमा तक ही मिलती थी और बिना चिकित्सक के परचे के मिलना लगभग मुश्किल होता था। यही कारण है कि देश और विदेश में नित नए डॉक्टर से परचा लिखवाना और केमिस्ट से दवा प्राप्त करना आम होता जा रहा था। खासतौर से रोक वाली दवाओं को लेकर के यह प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। हांलाकि इस प्रवृति को रोकने के लिए कई देशों में कानूनी प्रयास किये गए और कुछ हद तक इस पर अंकुश भी लग सका। अमेरिका जैसे देश में इसके लिए डॉक्टर शापिंग लॉ जैसी व्यवस्था की गई। खैर अब चिकित्सा सुविधा के विस्तार और सहजता के साथ ही डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बदलता जा रहा है। हो यह रहा है कि जब कोई मरीज यह महसूस करता है कि चिकित्सक की दवा से उसकी बीमारी में तेजी से सुधार नहीं हो रहा तो वह ईलाज के बीच ही दूसरे डॉक्टर की शरण में चले जाता है। खासतौर से यह प्रवृति महानगरों और बड़े शहरों में अधिक तेजी से फैल रही है। इसका कारण यह है कि आज सलाहकारों की लंबी फौज होने के साथ ही रोगी या रोगी के परिजन मैजिक टच की सोच रखने लगे हैं।

दूसरा यह कि अब चिकित्सा सुविधा का भी तेजी से विस्तार हुआ है। निजी और सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा की सहज उपलब्धता होने के साथ ही मेडिक्लेम जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगी है। सरकारी और निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण भी यह होने लगा है। बीमारी चाहे सामान्य हो या गंभीर तत्काल सुधार नहीं दिखने पर दूसरे डॉक्टर को दिखाने चले जाते हैं और डाक्टर बदलने का तत्काल जो प्रभाव पड़ता है वह रीसेट बटन होता है यानी कि दूसरा डॉक्टर फिर अपने तरीके से पहले जॉचों का सिलसिला आरंभ करते हैं क्योंकि पहले की डॉक्टर द्वारा कराई गई जांचों में किसी ना किसी तरह की कमी या अन्य कारण बता कर दुबारा से जांचें करवानी पड़ती है। इसके लिए रक्त जांच से लेकर रोग के अनुसार एक्सरे, एमआरआई या अन्य तरह की जांचें भी हो सकती है। इससे बार बार जांच और एक्सरे किरणों से दो चार होने के साथ ही रुपये पैसे का भार भी पड़ता है। एक तरह से बीमारी के पहचान की नए सिरे से प्रक्रिया आरंभ होती है। दवा का नया सिलसिला आरंभ होता है और पूर्व में चल रही एंटिबायोटिक या अन्य दवाओं के स्थान पर जेनेरिक दवाओं के ही दूसरे ब्राण्ड की दवा दी जाती है व कई बार तो पॉली फार्मेसी जैसी स्थिति हो जाती है। दवाओं के असर पर विपरीत प्रभाव की संभावनाओं से भी नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सुधार के स्थान पर जटिलताओं की संभावनाओं से नहीं नकारा जा सकता। डॉक्टर शापिंग के इस दौर में अन्य चिकित्सक की विशेषज्ञ सलाह लेने और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करना होगा। अन्य विशेषज्ञ की सलाह को तो ईलाज कर रहे चिकित्सक को विश्वास में लेकर लेने से ईलाज में और अधिक सकारात्मकता आती है पर बार बार चिकित्सक बदलना उचित नहीं माना जा सकता। होना यह चाहिए कि जिस चिकित्सक का ईलाज चल रहा है उससे ईलाज के संबंध में स्वयं रोगी या परिजनों द्वारा बीमारी और उसके ईलाज को लेकर विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए।

भगवान कृष्ण के मुकुट में मोर पंख क्यों होता है?

भगवान श्रीकृष्ण की तस्वीर या प्रतिमा देखते ही सबसे पहले जो चीज ध्यान खींचती है, वह है उनके मुकुट में सजा हुआ सुंदर मोर पंख। बांसुरी, पीतांबर और मोर पंख, ये तीनों उनकी पहचान बन चुके हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर श्रीकृष्ण ने मोर पंख को ही क्यों चुना? क्या इसके पीछे केवल सुंदरता का कारण था या फिर कोई गहरा आध्यात्मिक संदेश भी छिपा है? सनातन परंपरा में हर प्रतीक का अपना अलग महत्व माना गया है। श्रीकृष्ण के सिर पर सुशोभित मोर पंख भी केवल एक आभूषण नहीं, बल्कि जीवन के कई महत्वपूर्ण संदेशों का प्रतीक माना जाता है।

यही वजह है कि आज भी जन्माष्टमी हो या कोई धार्मिक आयोजन, भक्त श्रीकृष्ण के मोर पंख को शुभता, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखते हैं। मान्यता है कि घर के मंदिर में मोर पंख रखने से सकारात्मक वातावरण बना रहता है और भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त होती है। आइए जानते हैं कि मोर पंख का धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व क्या है और यह श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व से किस तरह जुड़ा हुआ है।

मोर पंख केवल श्रृंगार नहीं, एक गहरा संदेश भी है

भगवान श्रीकृष्ण के मुकुट में लगा मोर पंख विनम्रता, प्रेम और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। मोर अपने आकर्षक रूप के बावजूद अहंकार का भाव नहीं रखता। इसी वजह से मोर पंख इंसान को यह सीख देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी सफलता मिल जाए, विनम्रता कभी नहीं छोड़नी चाहिए। शास्त्रों में भी बताया गया है कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा और संतुलन का संदेश देता है। मोर पंख इन सभी गुणों का प्रतीक माना जाता है।

मोर पंख और प्रकृति का अनोखा संबंध

भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन प्रकृति के बीच बीता। वृंदावन की गलियां, यमुना का तट, गायों का साथ और हरियाली से उनका गहरा संबंध रहा। ऐसे में मोर पंख उनके प्रकृति प्रेम को दर्शाता है। आज भी पर्यावरण संरक्षण की बात हो तो श्रीकृष्ण का यह संदेश काफी प्रासंगिक माना जाता है कि इंसान और प्रकृति का रिश्ता हमेशा संतुलित रहना चाहिए।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोर पंख नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला माना जाता है। कई लोग इसे घर के मंदिर, पूजा स्थल या तिजोरी में रखते हैं। माना जाता है कि इससे घर में सुख-शांति और सकारात्मक माहौल बना रहता है। हालांकि, इन मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इन्हें धार्मिक आस्था और परंपरा के रूप में देखा जाता है।

श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व से क्या सीख मिलती है?

भगवान श्रीकृष्ण ने कभी राजसी वैभव को अपनी पहचान नहीं बनाया। उन्होंने सोने-हीरे के बजाय प्रकृति का उपहार माने जाने वाले मोर पंख को अपने मुकुट का हिस्सा बनाया। यह संदेश देता है कि असली सुंदरता सादगी, प्रेम और अच्छे विचारों में होती है। आज के समय में भी कई लोग जन्माष्टमी पर अपने बच्चों को श्रीकृष्ण के रूप में सजाते हैं और उनके मुकुट में मोर पंख अवश्य लगाते हैं। यह केवल परंपरा निभाने के लिए नहीं, बल्कि भगवान के आदर्शों को याद रखने का भी एक माध्यम माना जाता है।

घर में मोर पंख रखने से जुड़ी मान्यताएं किन जगहों पर रखा जाता है मोर पंख?

धार्मिक मान्यता के अनुसार लोग मोर पंख को घर के मंदिर, पूजा कक्ष, अध्ययन कक्ष या तिजोरी में रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे सकारात्मकता बढ़ती है और मानसिक शांति का अनुभव होता है। कुछ लोग इसे बच्चों की पढ़ाई की मेज पर भी रखते हैं। मान्यता है कि इससे एकाग्रता बढ़ती है। हालांकि, यह धार्मिक विश्वास है और इसे इसी रूप में स्वीकार करना चाहिए।

आज भी क्यों बना हुआ है मोर पंख का महत्व?

समय बदलने के बावजूद भगवान श्रीकृष्ण के मोर पंख की लोकप्रियता कम नहीं हुई है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, चित्रों और पूजा सामग्री में इसका विशेष स्थान आज भी बना हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि मोर पंख केवल एक सजावटी वस्तु नहीं, बल्कि प्रेम, संतुलन, विनम्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देता है। जब भी श्रीकृष्ण का स्मरण होता है, मोर पंख उनके व्यक्तित्व की उसी सरलता और दिव्यता की याद दिलाता है, जिसने सदियों से करोड़ों लोगों को प्रेरित किया है। भगवान श्रीकृष्ण का मोर पंख हमें यह सिखाता है कि जीवन में सादगी, प्रेम, विनम्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान सबसे बड़े आभूषण हैं। यही कारण है कि यह छोटा-सा पंख आज भी आस्था, सकारात्मकता और आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक माना जाता है।

25 जुलाई से 21 नवंबर तक रहेगा चातुर्मास 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा के साथ साथ शिवलोक में भी स्थान मिलता है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु योग निद्रा में ही रहते हैं। देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। जिस दिन से भगवान विष्णु निद्रा में जाते हैं तभी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। जिस समय देव सोते हैं इस समय संसार का पालन पोषण भगवान शिव करते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस साल चातुर्मास 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी से शुरू हो रहे हैं। समापन 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा। इस वर्ष चातुर्मास 120 दिन का रहेगा। चातुर्मास के दौरान रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहार हैं। इनका सामाजिक जीवन के साथ ही मार्केट पर भी असर रहता है। इन त्योहारों के प्रभाव से मार्केट में धनवर्षा होती है।

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी मनाई जाती हैं। यह तिथि शास्त्रों में बेहद खास और महत्वपूर्ण मानी गई है, क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु देवी लक्ष्मी संग चार माह की योग निद्रा में जाते हैं। चूंकि प्रभु विश्राम अवस्था में होते हैं, इसलिए इस पूरी सृष्टि का संचालन स्वयं महादेव संभालते हैं। वहीं भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने के साथ ही चातुर्मास की शुरुआत भी हो जाती है। इस अवधि में शादी-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन,नामकरण, यात्रा व अन्य कोई भी शुभ कार्यों को करने की सख्त मनाही होती हैं। आमतौर पर इस समय को देवों के सोने का समय कहा जाता है।

देवशयनी एकादशी

इस साल आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 24 जुलाई 2026 को सुबह 9:12 मिनट पर आरंभ होगी और 25 जुलाई 2026 को सुबह 11:34 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार देवशयनी एकादशी शनिवार 25 जुलाई 2026 को मनाई जाएगी।

एकादशी तिथि प्रारंभः 24 जुलाई 2026, शुक्रवार, सुबह 09:12 बजे से।

एकादशी तिथि समाप्तः 25 जुलाई 2026, शनिवार, सुबह 11:34 बजे तक।

चतुर्मास में नहीं होते विवाह

भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार कहा जाता है। श्रीहरि के विश्राम अवस्था में चले जाने के बाद मांगलिक कार्य जैसे- विवाह, मुंडन, जनेऊ आदि करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान मांगलिक कार्य करने से भगवान का आशीर्वाद नहीं प्राप्त होता है। शुभ कार्यों में देवी-देवताओं का आवाह्न किया जाता है। भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, इसलिए वह मांगलिक कार्यों में उपस्थित नहीं हो पाते हैं। जिसके कारण इन महीनों में मांगलिक कार्यों पर रोक होती है।

पाताल में रहते हैं भगवान

ग्रंथों के अनुसार पाताल लोक के अधिपति राजा बलि ने भगवान विष्णु से पाताल स्थिति अपने महल में रहने का वरदान मांगा था। इसलिए माना जाता है कि देवशयनी एकादशी से अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु पाताल में राजा बलि के महल में निवास करते हैं। इसके अलावा अन्य मान्यताओं के अनुसार शिवजी महाशिवरात्रि तक और ब्रह्मा जी शिवरात्रि से देवशयनी एकादशी तक पाताल में निवास करते हैं।

चतुर्मास के चार महीने

चतुर्मास का पहला महीना सावन होता है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित होता है। दूसरा माह भाद्रपद होता है। यह माह त्योहारों से भरा रहता है। इस महीने में गणेश चतुर्थी और कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भी आता है। चतुर्मास का तीसरा महीना अश्विन होता है। इस मास में नवरात्र और दशहरा मनाया जाता है। चतुर्मास का चौथा और आखिरी महीना कार्तिक होता है। इस माह में दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस माह में देवोत्थान एकादशी भी मनाई जाती है। जिसके साथ ही मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

कांवड़ उठाने से पहले और बाद में कांवड़िये को इन नियमों का पालन करना जरूरी

कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और कांवड़ यात्रा को लेकर कांवड़िए कई तरह की लापरवाही करते हैं, जिसके कारण कांवड़ खंडित हो जाती है और उनकी यात्रा सफल नही हो पाती। अगर शिव भक्तों को अपनी कांवड़ यात्रा को पवित्र रूप से पूरा करना हैं, तो आज इस खबर में हम आपको बताएंगे कि कावड़ियों को कांवड़ उठाने से पहले और उठाने के बाद किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जिससे उनकी यात्रा पवित्र तरीके से पूरी हो सके।

जल उठाने से लेकर चढ़ाने तक सारे नियम

सबसे पहले बात आती है शुद्ध आचरण से कांवड़ यात्रा की जाती है। करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़ यात्रा और गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार की ओर रुख करते हैं। वहां पर स्नान करते हैं और स्नान करने के बाद गंगाजल उठाकर अपने गंतव्य की ओर निकल पड़ते हैं। लेकिन गंगाजल उठाते वक्त भी कुछ नियम होते हैं, जिनको करना जरूरी होता है।

साथ ही यात्रा के दौरान भी कुछ सावधानियां कावड़ियों को रखनी होती है, जिससे कि उनकी कांवड़ खंडित ना हो। कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ खाने-पीने की चीजों का भी कांवड़ियों को विशेष रूप से ध्यान रखना होता है। उनमें क्या कुछ चीज शामिल होती है, उसको बता रहे हैं पंडित सोमप्रकाश शास्त्री।

शुभ मुहूर्त में ही घर से निकलना जरूरी

आचार्य सोमप्रकाश शास्त्री ने बात करते हुए बताया कि सबसे पहले तो जब श्रावण मास प्रारंभ होता है, तो एक मुहूर्त के निमित्त ही शुद्ध आचरण से घर से निकला जाता है। कोशिश तो यह रखिए कि आप अपने साथ में बहुत कम सामान रखें और शुद्ध लग्न में आप घर से निकलिए। अब यहां पर कुछ बातें विशेष आती हैं। कुछ व्यक्ति हरिद्वार से कांवड़ उठाते हैं, कुछ गोमुख से, कोई गंगोत्री से उठाते हैं और कोई बद्रीनाथ जी से भी उठाते हैं। वह अपने-अपने समय के अनुसार उस जल की परिधि को नाप करके चलते हैं। सबसे पहले हरिद्वार की ही बात करें, तो हरिद्वार से जब कांवड़िया जल लेकर चलते हैं, प्रातः काल स्नान करके 4:00 के आसपास अपनी पूजा, संध्या, वंदन करके और अपने कांवड़ में जल भरकर उस कांवड़ की पूजा करके

शिव में मान करके व्यक्ति चलता है।

इन खाने की चीजों का रखना होता है ध्यान

पंडित जी ने कहा कि अब बात आती है मार्ग में क्या कुछ ध्यान रखना चाहिए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि कांवड़िए को किसी का दिया हुआ अन्न नहीं खाना चाहिए। मैं मानता हूं शिविर लगाते हैं, वह प्रसाद के लिए है, लेकिन कांवड़ियां कोशिश करें कि उसे अवॉयड करें। अपने धन से ही उस कांवड़ यात्रा में भोजन को ग्रहण करें। दूसरी बात अगर एक साथ एक व्यक्ति और होगा, तो कांवड़िया शुद्ध आचरण से अच्छे से चल पाएगा। अगर कही मलमूत्र लगता है तो उस कांवड़िये को स्नान करना होता है। स्नान करने के पश्चात वह फिर कांवड़िया जल को लेकर चलता है और अपने स्थान पर पहुंचता है।

जल चढ़ाने के समय बहुत से कांवड़िये जल्दीबाजी में जल चढ़ाते हैं। मैं कहता हूं लग्न निकलता है, तो ढाई घंटे का आप प्रयास करिए कि आपका जो जल है, वह शुद्ध तरीके से चढ़े। उसको आप धीरे-धीरे भगवान शिव को अर्पण करें। ऐसा ना हो जल को फेंक दिया और कार्य को पूर्ण किया।

नशीली चीजों से रहें दूर

साथ ही विशेष बात ये है कि इसमें मद्यपान, धूम्रपान, बीड़ी, सिगरेट आदि करना निषेध है। बहुत से कांवड़िये कहते हैं कि अरे भगवान शिव ने तो भांग धतूरा ग्रहण किया था, लेकिन आप भगवान शिव नहीं हो, आप भगवान शिव भक्त हो। आप भगवान शिव का प्रसाद लेकर चले हो। कांवड़ स्वरूप में तो जो इस प्रकार के कर्म जो सिगरेट पीता हो या भांग खाता हो, इस सबको छोड़कर चलें तो ज्यादा अच्छा होगा। इससे भक्त भगवान शिव के समीप ज्यादा रहता है।

भोलेनाथ के सिर पर चंद्रमा का क्या है राज? दक्ष के श्राप और शिव के वरदान की पौराणिक कथा

भगवान शिव की प्रतिमा या तस्वीर देखते ही सबसे पहले उनकी जटाओं में बहती गंगा, गले में विराजमान सर्प और मस्तक पर सजा अर्धचंद्र नजर आता है। बचपन से हम सभी ने शिव जी को इसी स्वरूप में देखा है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि आखिर उनके सिर पर चंद्रमा क्यों विराजमान है। क्या यह सिर्फ उनकी पहचान का हिस्सा है या इसके पीछे कोई गहरा धार्मिक और आध्यात्मिक कारण भी छिपा है?

चंद्रमा भी केवल सजावट नहीं, बल्कि जीवन, समय, मन और प्रकृति के संतुलन का प्रतीक माना गया है। सावन का महीना हो, महाशिवरात्रि का पर्व या फिर सोमवार का व्रत, इस सवाल को लेकर लोगों की जिज्ञासा हमेशा बनी रहती है।

चंद्रमा को कैसे मिला शिव जी के मस्तक पर स्थान ?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंद्रदेव का विवाह दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियों से हुआ था। ये 27 पुत्रियां ही 27 नक्षत्र मानी जाती हैं, लेकिन चंद्रदेव का विशेष स्नेह केवल रोहिणी के प्रति था। इससे बाकी पत्नियां दुखी रहने लगीं और उन्होंने अपने पिता दक्ष से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने चंद्रदेव को सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार करने की सलाह दी, लेकिन जब उन्होंने बात नहीं मानी तो दक्ष ने उन्हें क्षय रोग का श्राप दे दिया। श्राप के प्रभाव से चंद्रमा का तेज धीरे-धीरे कम होने लगा।

शिव की तपस्या से मिला श्राप से मुक्ति का वरदान

कठोर तपस्या से प्रसन्न हुए भोलेनाथ

श्राप से परेशान होकर चंद्रदेव ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की। कई वर्षों तक भक्ति करने के बाद भगवान शिव प्रसन्न हुए। उन्होंने चंद्रदेव को पूरी तरह श्रापमुक्त तो नहीं किया, लेकिन ऐसा वरदान दिया कि वे हर महीने घटेंगे भी और फिर बढ़ेंगे भी। इसी कारण कृष्ण पक्ष में चंद्रमा का आकार घटता है और शुक्ल पक्ष में फिर बढ़ने लगता है। भगवान शिव ने चंद्रदेव को अपने मस्तक पर धारण कर उन्हें अमर सम्मान भी दिया। तभी से शिव जी को 'चंद्रशेखर' कहा जाने लगा।

मस्तक पर चंद्रमा धारण करने का आध्यात्मिक अर्थ

धार्मिक मान्यताओं में चंद्रमा मन का प्रतीक माना जाता है। मन कभी शांत रहता है तो कभी चंचल हो जाता है। भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा का होना यह संदेश देता है कि जिसने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया, वही सच्चे अर्थों में जीवन को संतुलित तरीके से जी सकता है। शिव जी का शांत स्वरूप हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और संयम बनाए रखना सबसे बड़ी शक्ति है।

समय और परिवर्तन का भी प्रतीक है चंद्रमा

चंद्रमा हर दिन अपना रूप बदलता है। कभी पूर्णिमा होती है तो कभी अमावस्या। यह प्रकृति का एक नियमित चक्र है। भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा यह याद दिलाता है कि जीवन में सुख और दुख दोनों स्थायी नहीं होते। जैसे चंद्रमा फिर से पूर्ण होता है, उसी तरह कठिन समय के बाद अच्छे दिन भी जरूर आते हैं। इसलिए किसी भी परिस्थिति में उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए।

सावन में क्यों बढ़ जाता है इस प्रतीक का महत्व?

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस दौरान भक्त जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और सोमवार का व्रत रखते हैं। शिव जी के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा का दर्शन मन की शांति, मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से सावन में शिव मंदिरों में चंद्रशेखर स्वरूप की पूजा का विशेष महत्व बताया जाता है।

आम जीवन के लिए क्या है इसका संदेश?

अगर किसी व्यक्ति का मन हर छोटी बात पर परेशान हो जाता है, गुस्सा जल्दी आता है या निर्णय लेने में कठिनाई होती है, तो शिव जी का यह स्वरूप धैर्य और आत्मनियंत्रण की प्रेरणा देता है। धार्मिक आस्था रखने वाले लोग मानते हैं कि भगवान शिव की पूजा और ध्यान से मानसिक शांति मिलने में मदद मिलती है। यही कारण है कि आज भी करोड़ों श्रद्धालु शिव जी को केवल देवता ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा देने वाले आराध्य के रूप में देखते हैं। भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं है। यह मन, समय, संतुलन, धैर्य और परिवर्तन को स्वीकार करने का संदेश देता है। पौराणिक कथा के साथ-साथ इसका आध्यात्मिक अर्थ भी आज के जीवन में उतना ही प्रासंगिक माना जाता है।

देवालय प्रशासन को डिजिटल बनाने पर जोर

टीएआईएमएस को और बेहतर बनाने के निर्देश

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने धर्मस्व विभाग में तकनीक आधारित प्रशासन को मजबूत करने और श्रद्धालुओं को तेज, पारदर्शी एवं बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उन्होंने सोमवार को बंजारा हिल्स स्थित मंत्री आवास कार्यालय में देवालय प्रशासन सूचना प्रबंधन प्रणाली (टीएआईएमएस) और यादगिरिगुट्टा ट्रस्ट बोर्ड से संबंधित तेलंगाना धार्मिक एवं हिंदू धार्मिक संस्थान तथा देवदाय (संशोधन) अधिनियम-2025 के प्रारूप नियमों की समीक्षा की। बैठक में देवदाय विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर, निदेशक हनुमंत राव, यादगिरिगुट्टा मंदिर के कार्यकारी अधिकारी भवानी शंकर सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मंत्री ने टीएआईएमएस के माध्यम से राज्य के मंदिरों के प्रशासन को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में चल रहे कार्यों, विभिन्न मॉड्यूलों के विकास, समस्याओं और उनके समाधान पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। अधिकारियों ने मंदिर प्रशासन, कर्मचारियों की सेवाओं, मंदिरों की भूमि और संपत्तियों के प्रबंधन, आय-व्यय विवरण, ई-कार्यालय व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए टीएआईएमएस के उपयोग पर प्रस्तुति दी। कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार देवदाय विभाग में तकनीकी आधारित प्रशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि आम श्रद्धालुओं को केंद्र में रखते हुए तेज और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीएआईएमएस प्रणाली को प्रशासन की गुणवत्ता बढ़ाने के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने तथा इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा। यादगिरिगुट्टा ट्रस्ट बोर्ड से संबंधित संशोधन अधिनियम-2025 के प्रारूप नियमों पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि नियमावली मंदिर के विकास, प्रशासनिक आवश्यकताओं और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कानूनी पहलुओं, भविष्य की जरूरतों और पारदर्शी प्रशासन को ध्यान में रखते हुए प्रारूप नियमों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट बोर्ड की कार्यप्रणाली पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी होनी चाहिए तथा यादाद्रि श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर की विशेषता के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए। इस अवसर पर यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर और वेमुलवाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के बीच आपसी स्थानांतरण के माध्यम से नियुक्ति आदेश प्राप्त कर्मचारियों ने देवदाय विभाग कर्मचारी संघ के नेतृत्व में मंत्री कोंडा सुरेखा से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया। मंत्री ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के कल्याण और उनकी उचित समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जा रहे हैं।

सिंगूर 45 दिनों के बाद 316 गांवों को पीने का पानी नहीं दे पाएगा

संगारेड्डी, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन भागीरथ (संगारेड्डी और मेदक जिले) के सुपरिटेंडिंग इंजीनियर (एसई) एन. रघुवीर ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मंजिरा नदी में नया पानी नहीं आया, तो 316 गांवों में पीने के पानी की सप्लाई 45 दिनों के अंदर प्रभावित हो सकती है। इनमें से 275 गांव संगारेड्डी जिले में और बाकी 41 गांव मेदक जिले में हैं।

सिंगूर प्रोजेक्ट की कुल स्टोरेज क्षमता 29.91 टीएमसी है, जबकि अभी इसमें 4.29 टीएमसी पानी है। जब स्टोरेज 3 टीएमसी से कम हो जाएगा, तो पीने के पानी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पानी निकालना संभव नहीं होगा।

सोमवार को संगारेड्डी और मेदक जिलों की संयुक्त समीक्षा बैठक के दौरान अल नीनो पैटर्न से निपटने के लिए अपने विभाग द्वारा तैयार की गई आपातकालीन योजना के बारे में बात करते हुए, रघुवीर ने कहा कि उपलब्ध पानी केवल 30 दिनों के लिए ही काफी होता। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश से सिंगूर प्रोजेक्ट में कुछ नया पानी आया है।

सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर ने बताया कि सिंगूर, मंजिरा और मल्लाना सागर प्रोजेक्ट से पानी निकालकर दोनों जिलों की 1,758 बस्तियों में पीने का पानी सप्लाई किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंगूर में मौजूद पानी हैदराबाद और संगारेड्डी, मेदक और कामारेड्डी जिलों के कुछ हिस्सों के लिए केवल तीन महीने तक ही काफी होगा।

अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड का निज़ामाबाद जिले के नामदेववाड़ा में 13वीं शाखा का उद्घाटन

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज तेलंगाना के निजामाबाद जिले के नामदेववाड़ा (6-13-212) में अपनी 13वीं शाखा का उद्घाटन किया। शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोम्मा महेश कुमार गौड़ (अध्यक्ष- तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी, एमएलसी) ने किया। इसी तरह, एटीएम सेंटर का उद्घाटन धनपाल सूर्यनारायण (एमएलए निजामाबाद अर्बन) ने किया।

एम. दयानंद गुप्ता (अध्यक्ष- निजामाबाद जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन) ने शाखा के स्ट्रॉन्ग रूम और सेफ़ डिपॉज़िट लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया। श्रीमती कुरागायला उमा रानी (मेयर- निजामाबाद) ने शाखा में स्टाफ के लिए मनोरंजन सुविधाओं का उद्घाटन किया।

वी. मोहन रेड्डी (जनरल सेक्रेटरी- निजामाबाद जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन) और कमल किशोर इन्नानी (अध्यक्ष- निजामाबाद मर्चेंट्स एसोसिएशन) ने बैंक की अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनका इस्तेमाल सभी ग्राहक कर सकेंगे। इस मौके पर बोलते हुए महेश कुमार गौड़ ने निजामाबाद में अपनी 13वीं शाखा खोलने के लिए बैंक को बधाई दी। उन्होंने कहा कि निजामाबाद हल्दी और धान जैसी कृषि उपज का एक बड़ा बाजार है और बैंक व्यापारियों को अपनी बेहतरीन बैंकिंग सेवाओं, जैसे आसान लोन और अन्य डिपॉज़िट प्रोडक्ट देकर मदद कर सकता है। उन्होंने हैदराबाद शहर में पहले से ही 40,000 से ज़्यादा ग्राहकों को सेवा देने और अब निजामाबाद में आने के लिए बैंक की तारीफ की।

इस मौके पर धनपाल सूर्यनारायण ने निजामाबाद में अपनी 13वीं शाखा खोलने के लिए बैंक को बधाई दी और बताया कि बैंक का कुल कारोबार 1,450 करोड़ रुपये का है, जिसमें 850 करोड़ रुपये की जमा राशि (डिपॉजिट) और 600 करोड़ रुपये का एडवांस (कर्ज) शामिल है, जिससे ग्राहकों का बैंक पर मजबूत भरोसा दिखता है। उन्होंने बताया कि बैंक ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी की सेवाएं देकर निजामाबाद में बहुत अच्छा कारोबार करेगा। बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि पिछले लगभग 28 वर्षों से ग्राहकों की सेवा करने के कारण बैंक को उन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने बताया कि बैंक जमा राशि पर अच्छी ब्याज दर दे रहा है और निजामाबाद में अपने ग्राहकों के फायदे के लिए कई तरह की लोन योजनाएं भी चला रहा है।

उद्घाटन कार्यक्रम में बैंक के डायरेक्टर- सीनियर वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल, बीओएम के चेयरमैन नारायण दत्त और डायरेक्टर गोपाल चंद अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, सीए पंकज कुमार अग्रवाल व पवन कुमार केडिया शामिल हुए।

विशेष आमंत्रित अतिथियों में टीपीसीसी के राज्य महासचिव श्री राम भोपाल, एनयूडीए के चेयरमैन के. वेणु और तेलंगाना राज्य कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के सदस्य गाडू गंगाधर शामिल थे। कार्यक्रम में जनरल मैनेजर/सीईओ सीवी राव, डीजीएम आनंद अग्रवाल, जी. प्रसाद, टी. शंकर चंद्र रेड्डी अन्य सभी शाखाओं के ब्रांच मैनेजर गोपाल तिवारी और बैंक के सभी कर्मचारी भी मौजूद थे।

पुलिस कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी : डीजीपी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने सोमवार को पुलिस कल्याण समिति और आरोग्य भद्रथा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के कामकाज की समीक्षा करते हुए इस बात की पुष्टि की कि पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों का कल्याण विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। डीजीपी ने कहा कि विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, विवाह सहायता, बीमा, छात्रवृत्ति और कम ब्याज वाले ऋण के माध्यम से कल्याणकारी पहलों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि 2025 में आरोग्य भद्रथा योजना के तहत 33,126 पुलिसकर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों ने उपचार का लाभ उठाया, जबकि जून 2026 तक 12,392 लाभार्थियों को उपचार प्राप्त हुआ। इस योजना के तहत व्यय 2025 में 181.74 करोड़ रुपये और 2026 की पहली छमाही में 73.61 करोड़ रुपये रहा। बीमा लाभों की समीक्षा करते हुए आनंद ने कहा कि सेवा के दौरान दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को पद के आधार पर 5 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिलती है। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और वास्तविक समय की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सभी कल्याणकारी योजनाओं को एक एकीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटाइज़ किया जाए। उन्होंने यंग इंडिया पुलिस स्कूल, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग और विवाह सहायता जैसी पहलों को समर्थन देने के लिए बजट आवंटन बढ़ाने, कल्याणकारी कार्यक्रमों का नैतिक रूप से कार्यान्वयन करने और विभागीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने का भी आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र कर्मियों को कम ब्याज दर पर आवास, शिक्षा, विवाह और व्यक्तिगत ऋण समय पर उपलब्ध कराए जाएं और इस बात पर जोर दिया कि कल्याणकारी लाभ प्रत्येक योग्य पुलिस कर्मचारी तक निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पहुंचने चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और तेलंगाना पुलिस एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। डीजी (कानून एवं संचालन) महेश एम. भागवत, एडीजी संजय जैन, आईजी मल्टी जोन II शाहनवाज कासिम, आईजी (लाभ एवं संचालन) गजराव भूपाल, पुलिस कल्याण सचिव, आरोग्य भद्रथा उदय कुमार रेड्डी, वित्त सलाहकार शरथ कुमार और तेलंगाना पुलिस एसोसिएशन के प्रतिनिधि, जिनमें गोपी रेड्डी, श्रीनिवास रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, समीक्षा बैठक में उपस्थित थे।

जन सेवा संघ सेंट्रल जोन के प्रेसिडेंट एसपी सिंह का निधन

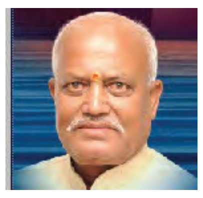

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संघ के सेंट्रल जोन के संभागीय अध्यक्ष एसपी सिंह का हृदयघात से निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमारी थे। कवाडीगुडा स्थित शमशान वाटिका में उनका अंतिम संस्कार किया गया। संस्था के अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह, छठ पूजा एवं उत्सव एवं समस्या निवारण समिति के संयोजक आरपी सिंह, सीताराम ठाकुर, संजय कुमार भगत ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आरपी सिंह ने बताया कि नेकलेस रोड छठ पूजा घाट के संस्थापक एस पी सिंह ने छठ पूजा घाट के लिए कई वर्षों से लगातार कार्य किया था। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी नेकलेस रोड छठ पूजा घाट की सेवा में खपा दी तथा सामाजिक क्षेत्र में अनेकों कार्य किये। जन सेवा संघ नारायण ओझा, नीलू मिश्रा, मिंटू ओझा, महेंदर सिंह, अजय कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, जितेंदर सिंह, बबलू ओझा इत्यादि ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी तरह बिहार समाज सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक सिंह ने भी अपने साथियों के साथ पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हरि सिंह ने बताया कि वे बिहार के दरभंगा के निवासी थे।

स्विस कैस्टल के संचालक श्रीमती शीला देवी, आनंद सिंह, अश्विनी सिंह, अनिल सिंह, अरविंद सिंह के निवास पर बागेश्वर धाम के बाबा से आशीर्वाद लिया।

एल नीनो से बचाव के लिए मंत्री दामोदर के अधिकारियों को निर्देश

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री और महबूबनगर जिले के प्रभारी मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एल नीनो के कारण वर्षा में कमी और सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

महबूबनगर कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानपर्थी, जोगुलाम्बा गदवाल और नारायणपेट जिलों की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में सामान्य वर्षा की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने सभी विभागों को सक्रिय होकर काम करने के निर्देश देते हुए कहा कि एल नीनो के प्रभाव को लेकर गांव स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए और वैज्ञानिक जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि अनावश्यक भय की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने कहा कि पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने जिला कलेक्टरों को खराब पड़े हैंडपंप और बोरवेल की मरम्मत कराने, आवश्यकता वाले क्षेत्रों में वैकल्पिक जल आपूर्ति की व्यवस्था करने तथा कृष्णा नदी के उपलब्ध जल का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। मंत्री ने वर्षा जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, सोख गड्ढों, चेक डैम और अन्य भूजल संरक्षण उपायों को तेज करने का भी निर्देश दिया, ताकि संभावित जल संकट से निपटा जा सके। बैठक में योजना आयोग के उपाध्यक्ष एवं एल नीनो विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी, विशेष अधिकारी शफी उल्ला, संयुक्त महबूबनगर जिले के विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, मधुसूदन रेड्डी, अनिरुद्ध रेड्डी, राजेश रेड्डी, मेघा रेड्डी, बांडला कृष्ण मोहन रेड्डी, कासिरेड्डी नारायण रेड्डी, डॉ. वंशीकृष्ण, वीरलापल्ली शंकर, विजयुडु सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हरीश राव ने बांसवाड़ा अस्पताल में संक्रमण के मामलों की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और बीआरएस के डिप्टी फ्लोर लीडर टी. हरीश राव ने बांसवाड़ा मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल में कथित मेडिकल लापरवाही की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। यहां सिजेरियन डिलीवरी के बाद 10 महिलाओं को गंभीर संक्रमण हो गया था। सोमवार को निम्स अस्पताल में इलाज करा रही प्रभावित माताओं से मिलने के बाद, हरीश राव ने आरोप लगाया कि दस दिन बाद भी राज्य सरकार की कोई प्रतिक्रिया न आना आपराधिक लापरवाही और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के पूरी तरह से विफल होने को दर्शाता है। हरीश राव ने निम्स अस्पताल में प्रभावित माताओं और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और डॉक्टरों से उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने खम्मम की उस नाबालिग लड़की से भी मुलाकात की, जिसका हाल ही में हुए हमले के बाद निम्स में इलाज चल रहा है, और दोनों परिवारों को भरोसा दिलाया कि बीआरएस पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।

बाद में मीडिया से बात करते हुए हरीश राव ने कहा कि 13 जुलाई को बांसवाड़ा मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी कराने वाली दस महिलाओं को ऑपरेशन के बाद गंभीर संक्रमण हो गया था। उन्हें पहले निज़ामाबाद के सरकारी अस्पताल और बाद में हैदराबाद के निम्स में शिफ्ट किया गया।

उन्होंने बताया कि पांच माताएं- फातिमा, रुखसाना, ज्योति, लक्ष्मी प्रिया और सुनीता अभी निम्स में इलाज करा रही हैं और उनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उनके अनुसार, वे इंटेंसिव केयर यूनिट में हैं और डायलिसिस से गुजर रही हैं क्योंकि उन्हें गंभीर संक्रमण हुआ है जिसने उनके किडनी और फेफड़ों को प्रभावित किया है, साथ ही उनके व्हाइट ब्लड सेल काउंट में भी भारी गिरावट आई है।

वनस्थलीपुरम स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर भवन में स्व.श्रीमति सायरीदेवी बाबल की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए परिवारजन दूदाराम, पन्नालाल, किशनलाल, रौनक बाबल, महाजन बैंक डायरेक्टर शंकरसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह, सोहनसिंह राजपुरोहित, परबत सोलंकी, विकास शर्मा, व समाज बन्धु।

सोने-चांदी के सामान के साथ मंदिर में चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा गया

खम्मम, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कल्लूर एसीपी वसुंधरा यादव ने बताया कि जिले की पेनुबल्ली पुलिस ने तीन सदस्यों वाले एक गिरोह को गिरफ्तार किया है, जो तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विभिन्न मंदिरों में चोरी की घटनाओं में शामिल था।

गिरोह के सदस्य- शेख जानी उर्फ जानी शरीफ, पेराला नरसिम्हा राव उर्फ बॉबी और अरवा उदय कुमार आदतन अपराधी हैं। एसीपी ने बताया कि कोत्तागुडेम जिले के लक्ष्मीदेवीपल्ली पुलिस स्टेशन में जानी और उदय कुमार के खिलाफ डकैती के मामले दर्ज हैं।

सोमवार को वीएम बंजार पुलिस स्टेशन में मीडिया से बात करते हुए वसुंधरा यादव ने कहा कि शेख जानी गिरोह ने लंबे समय में कई चोरियां की थीं। उन्होंने न केवल खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों में बल्कि आंध्र प्रदेश में भी कई जगहों पर मंदिरों को निशाना बनाया था।

गिरोह ने कोत्तागुडेम की हनुमान बस्ती में हनुमान मंदिर, उप्पलचलका में अक्कम्मा मंदिर, पेनुबल्ली मंडल के बयान्नागुडेम में एक अन्य मंदिर, तल्लाडा मंडल के अजनापुरम में अंजनेयस्वामी मंदिर, कल्लूर मंडल के गनिया थंडा में हनुमान मंदिर, वेमसूर मंडल के लिंगापालेम में हरिक्षेत्र मंदिर और आंध्र प्रदेश के गोकावरम में गंगालम्मा मंदिर से सोने-चांदी का सामान लूटा था।

गिरोह को सीतारामपुरम ग्रीनफील्ड हाईवे के पास तब पकड़ा गया, जब वे मंदिरों से चुराए गए सोने-चांदी के सामान को बेचने के लिए आंध्र प्रदेश के तिरुवुरु जा रहे थे। पुलिस ने गिरोह से 24 ग्राम सोना, 1,536 ग्राम चांदी का सामान, एक कार, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान जब्त किया। इसके अलावा, जानी को कोत्तागुडेम टू-टाउन, पलोन्चा और येल्लंडु पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में घरों में चोरी के मामलों में फंसाया गया था। नरसिम्हा राव हैदराबाद के एलबी नगर इलाके में चोरी के पांच मामलों के साथ-साथ मुलाकलापल्ली, नेलाकोंडापल्ली और गोकावरम पुलिस स्टेशनों में दर्ज चोरी के मामलों में भी शामिल था।

सीमावर्ती अपराधों पर नियंत्रण के लिए आपसी समन्वय जरूरी : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों पर अंकुश लगाने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय की ओर से गोलकोंडा रिसॉर्ट में सीमा अपराध समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने की। इसमें हैदराबाद, फ्यूचर सिटी, संगारेड्डी, मेदक सहित सीमावर्ती आयुक्तालयों और जिलों के पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में होने वाले अपराधों को रोकने के लिए पुलिस विभागों के बीच समन्वय, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और संयुक्त कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक आयुक्तालय या जिले में अपराध करने के बाद दूसरे क्षेत्र में भागने वाले अपराधियों को पकड़ने के लिए आपसी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी संसाधनों, सीसीटीवी नेटवर्क और खुफिया सूचनाओं का प्रभावी उपयोग कर अपराध नियंत्रण को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने राउडीशीटरों, पुराने अपराधियों, अंतरराज्यीय गिरोहों और साइबर अपराधियों पर लगातार निगरानी रखने तथा सभी सीमावर्ती पुलिस इकाइयों के बीच तत्काल सूचना साझा करने को कहा। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध, यातायात, विशेष अभियान दल, विशेष शाखा और साइबर अपराध विभागों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और अपराध नियंत्रण के लिए तैयार कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। बैठक में राउडीशीटरों और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान, संयुक्त जांच चौकियां, गश्त व्यवस्था, व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से त्वरित सूचना साझा करना, लापता व्यक्तियों और अज्ञात शवों की जानकारी का आदान-प्रदान, सीसीटीवी निगरानी का विस्तार, साइबर अपराधों पर संयुक्त कार्रवाई, वीआईपी सुरक्षा, धार्मिक उत्सवों और बड़े आयोजनों के दौरान यातायात प्रबंधन तथा सामाजिक तनाव और प्राकृतिक आपदाओं के समय संयुक्त कार्रवाई जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

आईएमएच एर्रागड्डा से मरीज़ लापता

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एर्रागड्डा के इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ (आईएमएच) में इलाज करा रहा एक मरीज़ लापता हो गया है, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि टंडूर का रहने वाला 28 वर्षीय मरीज़ ए. जगदेश्वर अस्पताल परिसर से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। परिसर में न मिलने पर अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सनतनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। अस्पताल और आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और मरीज़ का जल्द से जल्द पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों में भी होगी 'एलुमनाई मीट', क्या हैं भजनलाल सरकार का प्लान

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए और वहां से पढ़कर देश-विदेश में अपनी सफलता का परचम लहराने वाले पूर्व छात्रों के लिए भजनलाल सरकार ने एक नई पहल की शुरुआत करने जा रही है। शिक्षा विभाग ने प्राइवेट कॉन्वेंट और बड़े पब्लिक स्कूलों की तर्ज पर राज्य के सभी राजकीय माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 'एलुमनाई मीट' आयोजित करने का फैसला लिया है। 'सखा संगम' नाम से आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों से निकले सफल नागरिकों को उनकी पुरानी जड़ों, गुरुजनों और वर्तमान में पढ़ रहे छोटे बच्चों से दोबारा जोड़ना है।

16 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस सप्ताह भर के आयोजन से न केवल पुरानी यादें ताजा होंगी, बल्कि पूर्व छात्रों के अनुभव, मार्गदर्शन और आर्थिक व तकनीकी सहयोग से राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लासरूम और इनोवेशन को एक नई दिशा मिलेगी।

'सखा संगम' कार्यक्रम को सिर्फ एक दिन का औपचारिक समारोह बनाने के बजाय एक स्थायी व्यवस्था का रूप दिया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल में 'पूर्व विद्यार्थी मंच' का विधिवत गठन किया जाएगा।

इस मंच के गठन में स्थानीय नागरिकों, सेवारत व सेवानिवृत्त शिक्षकों और स्कूल के पुराने विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। लोकतांत्रिक और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत इस मंच की एक कार्यकारिणी कार्यकारिणी समिति बनाई जाएगी, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष सहित प्रमुख पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

यह कमेटी केवल कार्यक्रम का आयोजन ही नहीं करेगी, बल्कि भविष्य में भी स्कूल की जरूरतों, फंड मैनेजमेंट, कंप्यूटर लैब के विकास और गरीब व मेधावी बच्चों को स्कॉलरशिप देने जैसी गतिविधियों में लगातार सहयोग करेगी।

सालों पहले स्कूल छोड़ चुके पूर्व विद्यार्थियों को खोजना और उनसे संपर्क साधना एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए शिक्षा विभाग ने जमीनी स्तर पर एक मजबूत योजना तैयार की है। प्रत्येक सरकारी स्कूल अपने वर्षों पुराने एसआर रजिस्टर को खंगालेगा और वहां दर्ज नाम-पते के आधार पर पूर्व छात्रों की सूची तैयार करेगा।

हर स्कूल में एक वरिष्ठ शिक्षक को 'नोडल प्रभारी' नियुक्त किया जाएगा। इस शिक्षक की जिम्मेदारी होगी कि वे फोन कॉल, सोशल मीडिया ग्रुप्स और स्थानीय नेटवर्क के जरिए पूर्व छात्रों से संपर्क करें।

तबादलों पर फुल स्टॉप, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का ऐलान जो शिक्षक जहां है वह वहीं काम करेगा

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में तबादलों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में तबादलों की प्रक्रिया अब पूरी तरह बंद हो चुकी है और इस विषय पर किसी भी प्रकार की चर्चा या पुनर्विचार नहीं होगा. जिन कर्मचारियों के तबादले हो चुके हैं, उन्हें हर हाल में नई जगह पर जाकर कार्यभार संभालना होगा. ऐसे में तबादला निरस्त कराने या दोबारा बदलाव की उम्मीद लगाए बैठे कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है.

रविवार को जोधपुर दौरे पर पहुंचे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सर्किट हाउस में निजी स्कूल संचालकों, शिक्षकों, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, सरकारी शिक्षकों और भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात की. विभिन्न संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर उन्हें ज्ञापन भी सौंपे. इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने तबादलों, पंचायत चुनाव और विभागीय व्यवस्थाओं को लेकर सरकार का पक्ष रखा.

शिक्षा मंत्री ने कहा कि यदि किसी एक स्थान पर दो कर्मचारियों के तबादले हो गए हैं, तो वहां पहले से कार्यरत कर्मचारी को एपीओ किया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले ही विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं, ताकि किसी तरह की प्रशासनिक परेशानी न हो.

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के तबादलों को लेकर लगाए गए आरोपों पर मंत्री दिलावर ने पलटवार किया. उन्होंने कहा कि उनके लिए उनका परिवार होगा, लेकिन मेरे लिए पूरा शिक्षा विभाग ही मेरा परिवार है. उन्होंने कहा कि सरकार किसी व्यक्ति या परिवार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि विभागीय नियमों और आवश्यकता के अनुसार ही पोस्टिंग और तबादलों का निर्णय करती है.

पंचायती राज चुनाव टालने को लेकर विपक्ष के आरोपों पर भी शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन राजस्थान की जनता कांग्रेस के आरोपों पर विश्वास नहीं करती. सरकार सभी निर्णय संवैधानिक प्रक्रिया और नियमों के तहत ले रही है.

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जोधपुर जिले के भोपालगढ़ क्षेत्र के बिराई गांव में आयोजित भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन के लोकार्पण समारोह में भाग लेने पहुंचे थे. सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों से मुलाकात के बाद वे कार्यक्रम के लिए रवाना हुए. फिलहाल राजस्थान में तबादलों का सीजन भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन कई कर्मचारी अभी भी मनपसंद पोस्टिंग या तबादला निरस्त कराने की कोशिश में लगे हैं. हालांकि शिक्षा मंत्री के ताजा बयान के बाद साफ हो गया है कि सरकार का रुख सख्त है और जो जहां है, अब वहीं काम करेगा.

पाक का 'ड्रोन ड्रग वार', राजस्थान सीमा से 6 महीने में 254 करोड़ की हेरोइन भारत में ड्रॉप

श्रीगंगानगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास लगातार जारी हैं। रविवार को एक बार फिर हिंदुमलकोट बॉर्डर क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से एक किलो हेरोइन की खेप भारतीय सीमा में गिराई गई। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। सीमा क्षेत्र में इस साल ड्रोन के जरिए हो रही तस्करी के आंकड़े सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं।

पुलिस के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 में अब तक छह महीने 20 दिन की अवधि में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से 45 किलो 808 ग्राम हेरोइन भारतीय सीमा में पहुंचाई जा चुकी है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 254 करोड़ रुपए आंकी गई है।

ड्रोन ड्रॉपिंग की घटनाएं श्रीगंगानगर जिले के करणपुर, रायसिंहनगर, रावला, हिंदुमलकोट, केसरी सिंहपुर, जैतसर तथा बीकानेर सेक्टर के खाजूवाला क्षेत्र तक फैल चुकी हैं। अधिकांश मामलों में तस्कर रात के समय ड्रोन से खेतों में हेरोइन गिराते हैं, जिसे लेने के लिए पहले से स्थानीय संपर्क सक्रिय रहते हैं।

पुलिस, बीएसएफ, एनसीबी और सीआईडी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इस दौरान कई बड़ी खेप बरामद की है तथा पंजाब और सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय कई तस्करों और स्थानीय सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि कुछ स्थानीय युवक कथित तौर पर स्लीपर सेल के रूप में काम करते हुए ड्रोन से गिराई गई खेप को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन और हथियार भेजना एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे के नेटवर्क को मजबूत करना, युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलना तथा भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देना है।

ड्रोन आधारित तस्करी अब सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौती बन चुकी है। इससे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आधुनिक एंटी-ड्रोन तकनीक, उन्नत रडार प्रणाली और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

आरएलपी सांसद नीट पेपर लीक पर बोले- 'छात्रों के लिए लाठी खाने को हूं तैयार'

जयपुर/नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों और नीट प्रवेश परीक्षा में सामने आई कथित धांधली को लेकर दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर देश के युवाओं और छात्रों का आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी और विभिन्न छात्र संगठनों के बैनर तले जारी इस विशाल जनआंदोलन को राजस्थान के नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के राष्ट्रीय संयोजक हनुमान बेनीवाल ने अपना समर्थन दे दिया है। संसद की सर्वदलीय बैठक समाप्त होते ही बेनीवाल सीधे जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे छात्रों के बीच पहुंचे और उनके साथ मंच साझा किया।

बेनीवाल ने मंच से केंद्र सरकार को सीधी चेतावनी दी और कहा कि वह छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। आज 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च से ठीक पहले बेनीवाल की इस मौजूदगी से राजधानी दिल्ली और राजस्थान के राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

जंतर-मंतर पर जुटे हजारों युवाओं को संबोधित करते हुए सांसद हनुमान बेनीवाल ने सरकार की नीतियों और प्रशासनिक रवैये पर तीखे प्रहार किए।

बेनीवाल ने बताया कि संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने देश के पेपर लीक मामलों, नीट विवाद और जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

बेनीवाल ने जोश भरे अंदाज में कहा, ?हम लाठियों और दमनकारी नीतियों से डरने वाले लोग नहीं हैं। अगर इस देश के युवाओं, छात्रों और अभ्यर्थियों के हक के लिए लाठियां खानी पड़ीं, तो मैं भी उनके साथ आगे खड़ा होकर लाठी खाने को तैयार हूं। धरना स्थल से रवाना होने से पहले सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक प्रेस नोट और सोशल मीडिया के जरिए अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे महान लोकतंत्र में जनता, किसानों, कर्मचारियों और युवाओं की आवाज को ताकत के बल पर दबाया नहीं जा सकता। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है।

बेनीवाल ने दोहराया कि वह राजस्थान और देश के युवाओं के हर छोटे-बड़े संघर्ष में पहले भी साथ खड़े रहे हैं और आगे भी अन्याय के खिलाफ मजबूती से लड़ते रहेंगे।

नीट छात्र ने किया सुसाइड!

सीकर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर शहर में एक बार फिर नीट परीक्षार्थी की ओर से मौत को गले लगाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस बार का आत्मघाती कदम नीट एग्जाम का रिजल्ट आने के बाद रविवार को हुआ जब 17 साल के नीट स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया।

बताते चले इससे पहले नीट पेपर लीक होने और एग्जाम रद्द होने की घोषणा के बाद झुंझुनूं के प्रदीप मेघवाल (गुढ़ागौडजी) उमेश माली (नवलगढ़) नामक उन दो युवाओं ने क्रमशः मई और जून माह में अपने कमरों में कथित तौर पर सुसाइड किया था जो सीकर शहर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उस समय से लेकर अब तक मामला जबरदस्त तरीके से राष्ट्रीय स्तर पर गूंज रहा है और सरकार के लिए सुसाइड मामले लगातार बड़ा संकट का कारण भी बन रहा है क्योंकि तमाम विपक्ष दल सुसाइड मामलों को सरकारी सिस्टम और शिक्षा मंत्री की जबाबदेही से जोड़कर सरकार को घेर रहे हैं।

नकली किन्नर बनकर अकेली महिला को बनाया निशाना
नशीला पदार्थ सुंघाकर नकदी-जेवर, गेहूं और बर्तन तक ले गए ठग

बांसवाड़ा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के पालोदा कस्बे के जैन मंदिर के सामने जोशी मोहल्ले में किन्नर का वेश धारण कर आए एक बहरूपिए ने घर में अकेली महिला को झांसे में लेकर करीब 18 हजार रुपए नकद, सोने का नाक का कांटा, बर्तन और 15-20 किलो गेहूं तक लूट लिए। वारदात 10 जून को सुबह करीब साढ़े दस बजे हुई लेकिन पीड़िता ने सदमे और डर के कारण इसका खुलासा 2 दिन पहले तब किया जब बेटे ने अलमारी में रखी नकदी के बारे में पूछा।

सविता पत्नी स्वर्गीय मणिलाल जोशी घटना के समय घर में अकेली थीं। पीली साड़ी पहनकर और ताली बजाते हुए पहुंचे आरोपी ने पैसे मांगने के बहाने घर में प्रवेश किया। उसने परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी होने का दावा कर महिला का विश्वास जीत लिया। खाली घड़ा और पानी का लोटा मंगवाया तथा किसी वस्तु को घड़े में डालकर महिला से उसमें देखने को कहा। महिला के मना करने पर उसने जबरन गर्दन पकड़कर घड़े में झांकने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद वह बेसुध जैसी हो गई।

आरोपी ने महिला से नाक का सोने का कांटा उतरवा लिया। उसके पास मौजूद पर्स से तीन हजार रुपए ले लिए और अलमारी से 15 हजार रुपए भी निकलवाए। कड़ाही, तपेली सहित कुछ बर्तन और 15-20 किलो गेहूं भी साथ ले गया। जाते समय आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि वह फिर आएगा, तब उसके लिए एक तोला सोना और 70 हजार रुपए तैयार रखना।

नकली किन्नर ने यह भी कहा कि उसे परिवार की पूरी जानकारी है। महिला ने बताया कि आरोपी जाते समय कोई पदार्थ डालकर उसे बेहोश भी कर गया। करीब एक घंटे बाद होश आने पर उसने अलमारी खुली और नकदी गायब देखी लेकिन भय के कारण किसी को घटना नहीं बताई।

पंचायत और निकाय चुनाव 15 नवंबर तक

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर सरकार ने प्लान तैयार कर लिया है। लंबे समय से जिन तारीखों का इंतजार था। वह इंतजार भी अब खत्म हो गया है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में एफिडेविट पेश करते हुए चुनाव प्रक्रिया का पूरा प्लान बता दिया है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद की ओर से चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा शपथ पत्र हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया।

राज्य सरकार की ओर से जो शपथ पत्र हाईकोर्ट में पेश किया गया है। उसके मुताबिक 5 अगस्त को ओबीसी आयोग को संपूर्ण डाटा दे दिया जाएगा। यानी अलग अलग वर्ग का डाटा आयोग को सौंप दिया जाएगा। 15 अगस्त तक आरक्षण व्यवस्था की लॉटरी प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी और 15 नवंबर तक पंचायत और निकाय चुनाव पूरे कराए जाने की बात कही गई है।

राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र पेश करके निकाय और पंचायत चुनाव के बारे में जानकारी दे दी गई है। अब आगे का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग का है। चुनाव का पूरा शेड्यूल राज्य निर्वाचन आयोग आगामी दिनों में जारी करेगा। यानी अधिसूचना जारी होना, नामांकन की तारीख, नामांकन जांच, वापसी की तारीख, मतदान और मतगणना की पूरी जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी की जाएगी।

राज्य के 7 हजार से ज्यादा पंचायत और निकायों के चुनाव लंबे समय से अटके हुए थे। इसे लेकर चौमू निवासी गिरिराज सिंह देवंदा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उनकी ओर से एडवोकेट प्रेमचंद देवंदा और अभिषेक देवंदा ने लगातार हाईकोर्ट में पैरवी की। एडवोकेट प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि हाईकोर्ट दो बार चुनाव कराने के आदेश दे चुका है। पूर्व में 15 अप्रैल 2026 तक चुनाव कराने का आदेश दिया था और बाद में 31 जुलाई तक चुनाव संपन्न कराने के आदेश दिए थे। इन दोनों तारीखों तक चुनाव नहीं कराए जाने से हाईकोर्ट ने काफी नाराजगी जाहिर की थी।

मैक्सिको से जयपुर आए पार्सल में मिली ड्रग्स
डिप्टी कमिश्नर बोले-दिमाग की सोचने की क्षमता बदल देती है; डाक टिकट जैसी दिखती है

कोटा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो राजस्थान यूनिट ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 2 अलग-अलग कार्रवाई की। पहली कार्रवाई में जयपुर में मैक्सिको से आए इंटरनेशनल पार्सल से एलएसडी ब्लॉटर (ड्रग्स) बरामद की है। जबकि दूसरी कार्रवाई में मध्य प्रदेश के नीमच जिले से 978.820 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त किया है।

नारकोटिक्स डिप्टी कमिश्नर नरेश बुंदेल ने बताया- 18 जुलाई को कस्टम्स कार्यालय जयपुर में मैक्सिको से आए एक इंटरनेशनल पार्सल की जांच की। तलाशी के दौरान पार्सल से LSD की पांच ब्लॉटर शीट बरामद हुईं, जिनमें कुल 500 ब्लॉट्स थे। इनका कुल वजन 7.71 ग्राम पाया गया। बरामद मादक पदार्थ को एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया, मामले की जांच जारी है। डिप्टी कमिश्नर नरेश बुंदेल ने बताया- एलएसडी एक साइकेडेलिक ड्रग है, जिसे लोग एसिड, ब्लॉट्स, स्टैम्प्स आदि नामों से जानते हैं। एलएसडी (लाइसर्जिक एसिड डाइएथाइलैमाइड) आमतौर पर छोटे रंगीन कागज (ब्लाटर पेपर जो डाक टिकट जितने आकर के होते हैं) तरल या छोटी गोलियां के रूप में मिलता है।

जिसे आम लोग पहचान नहीं सकते। इसे अक्सर कागज की छोटी शीट्स पर लगाया जाता है। जिसे चाटकर या निगलकर सेवन किया जाता है। यह दिमाग में सेरोटोनिन रसायनों के स्तर को प्रभावित करता है। जिससे व्यक्ति की सोचने की क्षमता, समय का एहसास और भावनाएं पूरी तरह बदल जाती है।

दूसरी कार्रवाई में गुप्त सूचना मिली थी कि एक बोलेरो पिकअप में अवैध डोडा चूरा मध्य प्रदेश से मारवाड़ क्षेत्र ले जाया जा रहा है।

तलाशी के दौरान नीमच जिले की जावद तहसील के डिकेन गांव के पास जंगल में झाड़ियों के बीच एक कच्चे रास्ते पर बोलेरो पिकअप लावारिस हालत में मिली। तलाशी लेने पर उसमें 48 बोरों में भरा 978.820 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर डोडा चूरा और बोलेरो पिकअप को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत जब्त कर लिया गया। मामले की जांच जारी है।

आबादी क्षेत्र में घुसा पैंथर- कई लोगों पर अटैक
'बहादुर' सेल्समैन ने दुकान का शटर बंद कर किया कैद

टोंक, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में टोंक जिले के टोडारायसिंह कस्बे में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई, जब पास की पहाड़ियों से निकलकर एक खूंखार पैंथर सीधे घनी आबादी वाले मुख्य बाजार में आ घुसा। कस्बे के व्यस्त इलाके में स्थित एक शराब की दुकान में अचानक पैंथर के घुसने से वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए। दुकान के भीतर मौजूद सेल्समैन पर पैंथर ने हमला कर दिया, लेकिन इस खौफनाक मंजर के बीच सेल्समैन ने गजब के साहस, हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया। शरीर पर पैंथर के हमले से घायल होने के बावजूद सेल्समैन किसी तरह दुकान से बाहर निकला और तुरंत शटर नीचे गिराकर पैंथर को दुकान के अंदर ही बंद कर दिया। इस बहादुरी भरे कदम से एक बड़ा हादसा टल गया और बाजार में मौजूद सैकड़ों अन्य नागरिकों की जान बच गई। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह पूरी घटना सुबह की है। पहाड़ियों से नीचे आते ही जब आसपास के लोगों ने पैंथर को देखा तो वे डर के मारे चिल्लाने लगे। लोगों के शोर-शराबे और चिल्लाने की आवाज से पैंथर घबरा गया और जंगल की तरफ वापस जाने के बजाय सीधे टोडारायसिंह कस्बे के घनी आबादी वाले मुख्य बाजार की तरफ भाग खड़ा हुआ। पैंथर को बाजार की सड़कों पर दौड़ते देख वहां मौजूद दुकानदारों और राहगीरों में चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए आसपास की दुकानों और मकानों की तरफ भागे।

भागते हुए पैंथर सीधे एसबीआई बैंक के पास बनी एक शराब की दुकान में जा घुसा, जहां दुकान का सेल्समैन और अन्य कर्मचारी अपनी रोजमर्रा की ड्यूटी पर मौजूद थे। दुकान के अंदर दाखिल होते ही पैंथर ने सेल्समैन पर हमला कर दिया।

15 साल के छात्र की पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या
जंगल में कट्टे से ढका मिला शव, ग्रामीणों ने हाईवे किया जाम

धौलपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले में कॉलेज स्टूडेंट की हत्या का मामला सामने आया है। बाड़ी क्षेत्र के कुहावनी गांव में 15 साल के किशोर की पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। देर शाम खेतों में उसका शव संदिग्ध हालत में मिला। किशोर का सिर पत्थरों से कुचला गया है और दोनों हाथ बंधे हुए मिले। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने भी हत्या का मामला माना है। वहीं, इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने देर रात बाड़ी-बसेड़ी स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया।

बाड़ी-बसेड़ी स्टेट हाईवे पर ग्रामीण रातभर से शव को लेकर बैठे हुए है। जाम की सूचना मिलते ही धौलपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रवण कुमार, डीएसपी महेंद्र मीणा मौके पर पहुंचे। वहीं, बाड़ी थाना, सदर थाना और सोने का गुर्जा थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। पुलिस के आला अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया। लेकिन, ग्रामीण एसपी और कलक्टर मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। हालांकि, सोमवार सुबह सहमति बनने के बाद ग्रामीणों का धरना खत्म हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रवण कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली है।

लंगर खाने के बाद 100 से लोग अधिक बीमार, फूड पॉइजनिंग की आशंका

झालावाड़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के भवानीमंडी के मेला मैदान स्थित ईदगाह परिसर में चल रहे लंगर में भोजन करने से 100 से अधिक लोग बीमार हो गए। सभी लोगों को इलाज के लिए विभिन्न चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही चिकित्सा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। लंगर के भोजन के सैंपल लिए गए, जिन्हें जांच के लिए भिजवाया गया है। इस दौरान उल्टी दस्त, पेट दर्द की शिकायत की गई।

चिकित्सा प्रभारी रोहिताश्व ने बताया कि लंगर का भोजन खाने से जावेदा 55 वर्ष, रिजवाना 43 वर्ष, अमरीन 33 वर्ष, मोहम्मद अली 14 वर्ष, रुखसार उम्र 25 वर्ष, सकीना उम्र 40 वर्ष, रियान उम्र 15 वर्ष, निसार उम्र 15 वर्ष, फैजाद उम्र 32 वर्ष, शबाना उम्र 44 वर्ष,सबिया 7 वर्ष सहित 100 से अधिक लोग बीमार हो गए, सभी लोगों में उल्टी दस्त सहित फूड पॉइजनिंग के लक्षण देखे गए हैं। इनका नगर के विभिन्न चिकित्सालय एवं उपचार जारी है। साथ ही 400 से अधिक मरीज और बीमार होने की आशंका जताई जा रही है।

इस मामले में जानकारी मिली कि मोहर्रम के कुछ दिनों बाद हर वर्ष इस प्रकार का आयोजन ईदगाह परिसर में एक कमेटी की ओर से किया जाता है, ऐसे में शाम को जैसे ही लंगर में लोगों ने भोजन किया उसके बाद धीरे-धीरे तबीयत बिगड़ने लगी इस पर उल्टी दस्त आदि की शिकायत होने पर भवानी मंडी के निजी अस्पताल और सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां उनका इलाज किया जा रहा है, भोजन में दाल, मांडे(बड़ी रोटी) और सिवइयां बनाई गई थी। इस मामले में जांच शुरू की गई है।

घरेलू कंपनियां बनाती हैं ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल

किसने किया था डिजाइन और कितनी है इनकी कीमत?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रह्मोस और आकाश भारत के दो प्रमुख स्वदेशी मिसाइल सिस्टम हैं, जिन्हें घरेलू डिफेंस प्रोजेक्ट्स से सफलतापूर्वक बड़े ग्लोबल एक्सपोर्ट प्रोजेक्ट में बदला गया है। अपनी साबित हो चुकी युद्ध-विश्वसनीयता और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के चलते इनकी अंतरराष्ट्रीय लेवल पर भारी मांग है। मगर क्या आप जानते हैं कि इन्हें बनाता कौन है और इन्हें डिजाइन किसने किया है? आइए बताते हैं।

कौन बनाता है ये मिसाइल?

ब्रह्मोस और आकाश जैसी मिसाइलें भारत की सरकारी डिफेंस कंपनियों ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड और भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा बनाई जाती हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का निर्माण ब्रह्मोस एयरोस्पेस करती है, जो भारत के डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया का एक जॉइंट वेंचर है। वहीं आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम का निर्माण भारत डायनामिक्स लिमिटेड द्वारा डीआरडीओ के सहयोग से किया जाता है।

कितनी है आकाश की कीमत और कौन है डिजाइनर?

रिपोर्ट्स के अनुसार आकाश मिसाइल की प्रति यूनिट 2.5 करोड़ रुपये कीमत है। जहां तक इसके डिजाइनर की बात है तो प्रह्लाद राम राव ने इस मिसाइल को डिजाइन किया है। राव एक भारतीय एयरोस्पेस इंजीनियर हैं। वे भारत में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन की सबसे बड़ी प्रयोगशाला, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी के पूर्व निदेशक रह चुके हैं और भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।

कितनी है आकाश की कीमत और कौन है डिजाइनर?

बताया जाता है कि एक स्टैंडर्ड ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की कीमत $3.5 मिलियन से $4.85 मिलियन (लगभग 25 करोड़ से 35 करोड़) के बीच होती है। इसकी सही कीमत मिसाइल के खास वैरिएंट (जैसे जमीन से हमला करने वाली, जहाज से लॉन्च होने वाली या अधिक रेंज वाला वर्जन) और उससे जुड़े डेवलपमेंट और ऑपरेशन के खर्चों पर निर्भर करती है।

इसका डिजाइन डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया ने मिलकर किया है, जो एक रॉकेट डिजाइन ब्यूरो है।

इन कंपनियों की भी होती है भूमिका

बता दें कि इन मिसाइलों के लिए पुर्जे और प्रोपेलेंट सप्लाई करने वाली कई प्रमुख प्राइवेट सेक्टर की कंपनियाँ हैं। इनमें डेटा पैटर्न्स, प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स और सोलर इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

पहली बार 'प्रॉफिट' में आया मुकेश अंबानी का यह बिजनेस, 1,00,000 करोड़ तक पहुंचने का है टारगेट

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अच्छी खबर है। कंपनी का एफएमसीजी बिजनेस पहली बार एबिटा के मामले में पॉजिटिव हो गया है। मुकेश अंबानी की कंपनी के लिए एक अहम पड़ाव है क्योंकि वह तेजी से अपना कंज्यूमर ब्रांड बिजनेस बढ़ा रही है। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि सप्लाई-चेन में निवेश पूरा होने और बिक्री बढ़ने के साथ मुनाफा और बढ़ेगा। एबिटा के जरिए कंपनी के इनकम से होने वाले लाभ को आसानी से नापा जा सकता है। इसमें उधार, टैक्स और कर्ज की लागत शामिल होती है। रिलायंस का एफएमसीजी बिजनेस रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के तहत आता है। इस कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केतन मोदी ने एनालिस्ट्स को बताया कि कंपनी का फोकस फिलहाल अपना मार्केट शेयर बढ़ाने पर है। लेकिन बिजनेस ने ईबीआईटीडीए के स्तर पर ब्रेक-ईवन हासिल कर लिया है। इसका मतलब है कि कंपनी की लागत और कमाई बराबर हो गई है।

मार्केट शेयर बढ़ाने पर फोकस

मोदी ने शुक्रवार को रिलायंस के पहली तिमाही के नतीजे घोषित होने के बाद एनालिस्ट्स के सवालों का जवाब देते हुए

कहा कि जैसे-जैसे हम बिजनेस का दायरा बढ़ाएंगे और पूरी सप्लाई चेन तैयार हो जाएगी, वैसे-वैसे ईबीआईटीडीए में सुधार होगा। अभी हमारा ज्यादा फोकस मार्केट शेयर बढ़ाने पर है। आरसीपीएल के पास कैम्पा कोला जैसे ब्रांड हैं। कंपनी ने दिसंबर में डीमर्जर के बाद मार्च 2026 तक चार महीने में 125 करोड़ रुपये का नेट लॉस दर्ज किया। जून तिमाही में कंपनी का ग्रॉस रेवेन्यू दोगुने से ज्यादा बढ़कर 8,600 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि कंपनी ने इस अवधि के लिए ईबीआईटीडीए या नेट प्रॉफिट का खुलासा नहीं किया।

1,00,000 करोड़ तक पहुंचने का लक्ष्य

मोदी ने कहा, हमारा लक्ष्य सभी कैटेगरी में लीडरशिप हासिल करना है। हमारा टारगेट फाइनेंशियल ईयर 2030 तक इस बिजनेस को 1,00,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। हम अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं और लीडरशिप हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

नेपाल साफ्टा की आड़ में भेज रहा है 8 लाख टन ड्यूटी फ्री रिफाइंड तेल, दो साल में 17 गुना बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और नेपाल दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र के हिस्सा हैं। इस वजह से एक-दूसरे देश में बने सामनों की ड्यूटी-फ्री एंट्री संभव है। लेकिन भारत में वनस्पति तेल रिफाइनिंग एवं प्रसंस्करण उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने साफ्टा के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। इसका कहना है कि साफ्टा के तहत नेपाल से शुल्क-मुक्त रिफाइंड खाद्य तेल के आयात में अभूतपूर्व वृद्धि पर भारत सरकार से तत्काल नीतिगत समीक्षा करे।

दो साल में 17 गुना बढ़ा आयात

आईवीपीए का कहना है कि नेपाल से रिफाइंड खाद्य तेलों का आयात दो साल में 17 गुना बढ़ गया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2023 में नेपाल से 47,295 टन खाद्य तेलों का आयात हुआ था। साल 2024 में यह बढ़ कर 1,24,056 टन पर पहुंचा। साल 2025 में यह तेजी से बढ़ कर 8,04,000 टन से अधिक हो गया। मौजूदा व्यापारिक रुझानों के आधार पर कहा जा रहा है कि शीघ्र ही यह आयात 10 लाख टन के करीब पहुंच सकता हे। यदि ऐसा हुआ तो नेपाल भारत को रिफाइंड खाद्य तेल आपूर्ति करने वाले सबसे बड़े देशों में शामिल हो जाएगा। आईवीपीए के

अध्यक्ष सुधाकर देसाई का कहना है कि व्यापार व्यवस्था, टैरिफ नीति और घरेलू वैल्यू एडिशन के उद्देश्यों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए समय रहते नीतिगत समीक्षा की जाए। वह कहते हैं भारत हमेशा से क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग का समर्थक रहा है और साफ्टा समझौते के उद्देश्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। लेकिन शुल्क-मुक्त रिफाइंड खाद्य तेल के आयात में जिस असाधारण गति और पैमाने पर वृद्धि हुई है, उसे देखते हुए व्यापक नीतिगत समीक्षा आवश्यक हो गई है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वरीयता प्राप्त व्यापार व्यवस्था वास्तविक क्षेत्रीय वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देती रहे, साथ ही भारत के घरेलू रिफाइनिंग उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता, किसानों के हित और देश की दीर्घकालिक खाद्य तेल सुरक्षा भी सुरक्षित रहे।दुनिया का सबसे बड़ा आयातक इस समय भारत खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आयातक है। दरअसल, भारत में घरेलू मांग एवं आपूर्ति के बीच भारी अंतर है।

आज सोना 756 और चांदी 3493 महंगी हुई

10 ग्राम गोल्ड 1.42 लाख पर और 1 किलो चांदी की कीमत 2.19 लाख पहुंची

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,493 रुपए बढ़कर 2,18,967 रुपए पर पहुंच गई है, जो शुक्रवार को 2,15,474 रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 756 रुपए चढ़कर 1,41,915 रुपए आ गया है। इससे पहले 17 जुलाई को यह 1,41,159 पर था। सोना के दाम इस महीने 283 रुपए बढ़े हैं, जबकि चांदी के दाम 6,463 रुपए गिरावट रही। 1 जुलाई को सोना 1,41,632 रुपए की 10 ग्राम और चांदी 2,25,430 रुपए किलो थी।

सोना इस साल 9 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 11 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.19 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क---	05-36 बजे
चंद्र	कन्या	मे	सिंह---	07-49 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या---	09-56 बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----	12-01 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--	14-10 बजे
			धनु----	16-24 बजे
			मकर--	18-30 बजे
शुक्र	सिंह	मे	कुंभ---	20-21 बजे
शनि	मीन	मे	मीन---	22-00 बजे
			मेष----	23-36 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृष-----	01-20 बजे
केतु	सिंह	मे	मिथुन--	03-24 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 05-53
सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष मंगलवार 21 July 2026
तिथि - अष्टमी 05-17 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - चित्रा 20-49 तक उप स्वाति
योग -सिद्ध 18-25 तक उप साध्य
करण - विष्टी(भद्रा) 16-35 तक उप बव
विशेष:भद्राकाल 16-35 तक
अष्टानिका प्रा जैन

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-37 से 17-15 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-53 - 07-31	अशुभ	काल	18-50 - 20-15	अशुभ
उत्पात	07-31 - 09-08	अशुभ	लाभ	20-15 - 21-37	शुभ
चंचल	09-08 - 10-45	शुभ	उत्पात	21-37 - 23-00	अशुभ
लाभ	10-45 - 12-23	शुभ	शुभ	23-00 - 00-23	शुभ
अमृत	12-23 - 13-59	शुभ	अमृत	00-23 - 01-45	शुभ
काल	13-59 - 15-37	अशुभ	चंचल	01-45 - 03-08	शुभ
शुभ	15-37 - 17-15	शुभ	रोग	03-08 - 04-31	अशुभ
रोग	17-15 - 18-50	अशुभ	काल	04-31 - 05-53	अशुभ

बुनियादी उद्योगों में लौटी रफ्तार

जून में पांच प्रतिशत उत्पादन बढ़ा, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कैसे संकेत?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर सामने आई है। जून 2026 में देश के नौ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ा है, जो पिछले पांच महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। इस बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क के उत्पादन में तेज वृद्धि रही। इससे पहले मई 2026 में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर 3.2 फीसदी थी, जबकि जून 2025 में यह सिर्फ 1.1 फीसदी रही थी। बुनियादी क्षेत्रों में सुधार को अर्थव्यवस्था की मजबूती का अहम संकेत माना जाता है, क्योंकि इनका असर उद्योगों और निर्माण गतिविधियों पर भी पड़ता है। सरकार ने इस बार बुनियादी क्षेत्रों के आंकड़े नए आधार वर्ष 2022-23 के अनुसार जारी किए हैं। पहले आधार वर्ष 2011-12 था। नए आंकड़ों में एक बड़ा बदलाव यह भी किया गया है कि अब लौह अयस्क को भी इस सूचकांक में शामिल कर लिया गया है। इसके बाद प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। नए आधार वर्ष के जरिए सरकार का उद्देश्य अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति को अधिक सटीक तरीके से दिखाना है।

जून के दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क क्षेत्र का रहा। सीमेंट और बिजली का उत्पादन 9.8-9.8 फीसदी बढ़ा। वहीं पहली बार सूचकांक में शामिल किए गए लौह अयस्क का उत्पादन 43.9 फीसदी बढ़ गया। दूसरी ओर कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। इससे साफ है कि निर्माण और बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में तेजी बनी हुई है, जबकि ऊर्जा से जुड़े कुछ पारंपरिक क्षेत्रों में अभी भी दबाव बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान नौ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि 3.6 फीसदी रही। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी थी। इसका मतलब है कि इस साल शुरुआती तीन महीनों में बुनियादी क्षेत्रों का प्रदर्शन पहले के मुकाबले बेहतर रहा है। यह संकेत देता है कि औद्योगिक गतिविधियों और निर्माण क्षेत्र में सुधार जारी है, जिससे आने वाले महीनों में आर्थिक विकास को भी समर्थन मिल सकता है।

अर्थव्यवस्था के लिए कैसे संकेत?

प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों के उत्पादन में बढ़ोतरी को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। ये क्षेत्र उद्योग, निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की नींव होते हैं। जब सीमेंट, बिजली और लौह अयस्क जैसे क्षेत्रों का उत्पादन बढ़ता है, तो इसका मतलब होता है कि निर्माण और औद्योगिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। इससे निवेश, रोजगार और औद्योगिक उत्पादन को भी बढ़ावा मिल सकता है। इन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ने से सड़क, भवन, बिजली और उद्योगों से जुड़ी गतिविधियों को गति मिलती है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं और औद्योगिक उत्पादन को भी मजबूती मिल सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर पार

एक हफ्ते में 16% बढ़ा; भारत में महंगाई का खतरा, रुपया-विदेशी निवेश पर दबाव

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल आज 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत में महंगाई और एनर्जी शॉक के जोखिम को बढ़ा दिया है। इससे भारतीय रुपए और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के फ्लो पर असर पड़ने की संभावना है। दूसरी ओर, कच्चे तेल के महंगे होने से भारत की ऑइल मार्केटिंग कंपनियों के रिटेल फ्यूल मार्जिन पर भारी दबाव पड़ा है, जिससे डीजल पर कंपनियों को प्रति लीटर 20.4 रुपए का घाटा हो रहा है। हालांकि, रिफाइनिंग मार्जिन में भारी उछाल के कारण कंपनियों का ओवरऑल मुनाफा फिलहाल संभला हुआ है।

ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर के पार, एक हफ्ते में 16% उछला

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 2.69 डॉलर (3.05%) बढ़कर 90.79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो 11 जून के बाद का उच्चतम स्तर है। बीते एक हफ्ते में ब्रेंट क्रूड में 16% की तेजी आई है, जो अप्रैल के बाद किसी एक हफ्ते की सबसे बड़ी बढ़त है।

अभी ब्रेंट क्रूड 88.43 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.40 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं इंडियन क्रूड बास्केट 81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

एक्सपर्ट्स बोले- भारत पर एनर्जी शॉक और रुपए का खतरा

जीओजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार ने कहा कि मार्केट के सामने अभी नियर-टर्म में कई चुनौतियां हैं। सबसे बड़ा दबाव अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर के पार जाना है। अगर यह ट्रेंड जारी रहता है, तो भारत में एनर्जी शॉक का खतरा फिर उभरेगा। इसका सीधा नकारात्मक असर रुपए की चाल और एफपीआई फ्लो पर पड़ सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक स्तर पर 'महंगाई की चिंताएं' फिर से उभर आई हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, क्लीवलैंड फेड अध्यक्ष के बयान के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर 2026 की मीटिंग में ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च हेड देवर्ष वकील ने बताया कि अमेरिकी बाजारों में इस हफ्ते भारी अस्थिरता देखने को मिली है। अमेरिका-ईरान संघर्ष में नए हमलों, टेक सेक्टर में रोटेशन और महंगाई के आंकड़ों ने प्रमुख इंडेक्स को नीचे खींच दिया, जिससे मिड-समर की बढ़त का सिलसिला टूट गया।

एआई के लिए संतुलित नियामक ढांचा तैयार कर रहा भारत

सुरक्षा और नवाचार दोनों पर फोकस : आईटी सचिव

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक संतुलित और सावधानीपूर्वक तैयार किया गया नियामक ढांचा विकसित कर रहा है, जिसका उद्देश्य आवश्यक सुरक्षा उपायों और नवाचार के बीच संतुलन बनाए रखना है। इसके लिए अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों द्वारा अपनाए जा रहे विकसित होते नियामक दृष्टिकोणों का भी अध्ययन किया जा रहा है। दुनियाभर में एआई की क्षमताएं तेजी से बढ़ रही हैं।

ऐसे में विभिन्न देशों की सरकारें शक्तिशाली एआई मॉडलों को विनियमित करने के तरीकों पर विचार कर रही हैं, ताकि तकनीकी प्रगति बाधित न हो। भारत भी इसी के साथ इंडियाएआई मिशन के माध्यम से अपने एआई इकोसिस्टम का विस्तार कर रहा है, सार्वजनिक कंप्यूटिंग अवसंरचना को मजबूत बना रहा है और स्वदेशी एआई विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में कृष्णन ने कहा कि अब वैश्विक स्तर पर इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई को पूरी तरह बिना किसी नियमन के नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर यह धारणा बन चुकी है कि एआई के लिए नियमन जरूरी है। पहले एआई नियमन का सबसे मुखर विरोध अमेरिका करता था, लेकिन अब वही कुछ अत्याधुनिक (फ्रंटियर) एआई मॉडलों तक पहुंच को नियंत्रित कर रहा है। इससे स्पष्ट है कि इस विषय पर सोच किस तरह बदली है।कृष्णन ने कहा कि भारत विभिन्न देशों और क्षेत्रों द्वारा अपनाए जा रहे एआई गवर्नेंस मॉडल का गहराई से अध्ययन कर रहा है, ताकि देश का नियामक ढांचा व्यावहारिक, संतुलित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा सके। उन्होंने कहा, हमारी प्रतिक्रिया एक संतुलित और सोच-समझकर तैयार किए गए नियमों का समूह होनी चाहिए। एआई प्लेटफॉर्म के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय और गाइडलाइन होना जरूरी है, लेकिन साथ ही ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि नियम नवाचार को बाधित कर दें। उन्होंने स्वीकार किया कि एआई से संबंधित कानून बनाना आसान नहीं है, क्योंकि यह तकनीक बहुत तेजी से विकसित हो रही है। उन्होंने कहा, कानून को तकनीक की गति के साथ कदम मिलाकर चलना होगा।

यह एक बेहद नाजुक संतुलन है और ऐसा ढांचा तैयार करना चुनौतीपूर्ण है। इसमें कुछ समय लगेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव ने बताया कि भारत एआई गवर्नेंस से जुड़े वैश्विक विमर्श में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। इसमें यूरोपीय संघ और अमेरिका के नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल के साथ बातचीत भी शामिल है, जहां एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर , कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच और जिम्मेदार एआई विकास जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, हम इन मुद्दों पर काम कर रहे विभिन्न वैश्विक मंचों का हिस्सा हैं।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में बंद

आज के मार्केट क्रैश पर एक्सपर्ट ने क्या कहा?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यपूर्व में तनाव के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 442.93 अंक या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,708.52 और निफ्टी 95.80 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,238.50 पर था। बाजार में गिरावट का नेतृत्व वित्तीय शेयरों ने किया। निफ्टी प्राइवेट बैंक 2.27 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर थे। इसके अलावा निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी मीडिया, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी इन्फ्रा हरे निशान में बंद हुए।

निफ्टी का टेक्निकल एनालिसिस, कहां बन रहा सपोर्ट?

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, निफ्टी के लिए तत्काल रुकावट का स्तर 24370-24400 जोन है। अगर निफ्टी इस जोन के ऊपर टिकता है, तो यह शॉर्ट टर्म में 24550 और उसके बाद 24700 तक बढ़ सकता है। दूसरी ओर, निफ्टी के लिए तुरंत सपोर्ट 24130-24100 जोन में है।

सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, सनफार्मा, आईटीसी, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टाटा स्टील, इटरनल, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व गेनर्स थे। एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, एमएंडएम, इंडिगो, बीईएल और एचयूएल लूजर्स थे। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 373.70 अंक या 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,801.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 30.15 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,326.45 पर था।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

लॉर्ड्स पर वनडे शतक लगाने वाले रोहित पहले भारतीय

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले विदेशी बैटर; कोहली के साथ 21वीं शतकीय साझेदारी

लॉर्ड्स, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। लॉर्ड्स में रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने।

रोहित का यह इंग्लैंड की धरती पर आठवां वनडे शतक रहा। इसके साथ ही वे किसी एक विदेशी देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए सबसे ज्यादा उम्र में वनडे शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड भी बनाया।

रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने वनडे क्रिकेट में 21वीं बार 100 या उससे ज्यादा रन की साझेदारी की। मैच के दौरान एक दिलचस्प नजारा भी देखने को मिला। रोहित अपनी पारी खेलने के लिए शार्दूल ठाकुर का बैट लेकर मैदान में उतरे। उनकी यह तस्वीर वायरल हो रही है।

विराट-रोहित ने एक साथ सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का भारतीय रिकॉर्ड बनाया। एक साथ 400 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी बनी। दोनों ने इंटरनेशनल खेलते हुए साझेदारी में 8 हजार रन से ज्यादा जोड़े हैं।

रोहित और कोहली ने 21वीं शतकीय साझेदारी की। इसके साथ ही वनडे में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी करने वाली यह दूसरी जोड़ी बन गई। उन्होंने श्रीलंका के दिलशान-संगकारा के 20 शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है। उनके बीच वनडे में 26 शतकीय साझेदारियां हुई हैं।

रोहित शर्मा ने घर से बाहर किसी एक देश में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 138 रन की पारी के दौरान इंग्लैंड में अपना आठवां वनडे शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर और पाकिस्तान के सईद अनवर के 7-7 शतकों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों ने UAE में 7-7 शतक लगाए हैं।

रोहित ने 110 गेंद पर 138 रन की पारी खेली। वे लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सौरव गांगुली के 90 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा।

इसके साथ ही रोहित भारत के लिए किसी फॉर्मेट में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। उन्होंने 39 साल 80 दिन की उम्र में शतक लगाया। सचिन तेंदुलकर ने 38 साल 327 दिन की उम्र में शतक बनाया था।

कोहली और रोहित ने शतकीय साझेदारियों का नया रिकॉर्ड बनाया। वनडे में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में विराट दूसरे और रोहित तीसरे स्थान पर हैं। कोहली 87 बार और रोहित 73 बार शतकीय साझेदारी का हिस्सा रहे। सचिन तेंदुलकर 99 बार के साथ पहले स्थान पर हैं।

रोहित ने 84 गेंद पर शतक लगाया। उन्होंने लॉर्ड्स पर वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे तेज वनडे शतक लगाया। पहले स्थान पर इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 61 गेंद में शतक पूरा किया था।

तीसरे वनडे में दोनों टीमों के ओपनर्स ने मिलकर कुल 447 रन बनाए। यह वनडे के किसी एक मैच में ओपनर्स द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले 2009 में भारत और श्रीलंका के बीच राजकोट में ओपनर्स ने 442 रन बनाए थे।

जो रूट बाइलेटरल सीरीज में बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए है। उन्होंने नाबाद 74 रन बनाए। रूट ने इस सीरीज के तीन मैचों में बिना आउट हुए 249 रन बनाए। उन्होंने जोस बटलर का रिकॉर्ड तोड़ा। बटलर ने नीदरलैंड के खिलाफ 2022 में 248 रन बनाए थे।

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया की दुर्दशा

9 महीने में हारी 4 वनडे सीरीज

खेल डेस्क, 20 जुलाई (एजेंसियां)। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया का हाल बुरा है. अक्टूबर 2025 में उनके वनडे टीम की कमान संभालने के बाद से टीम ने जितनी सीरीज जीती नहीं, उससे तीन गुना ज्यादा गंवाए हैं. बड़ी टीमों के खिलाफ टीम इंडिया का धागा खुलता दिखा है. ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड ने जैसे धोया है, उससे टीम इंडिया के वनडे की नंबर 1 टीम होने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं. न्यूजीलैंड ने तो खैर इतिहास ही रचा है. भारतीय जमीन पर जो 37 साल से नहीं हुआ था, गिल की कप्तानी में वनडे में वो भी देखने को मिल गया है.

शुभमन गिल के 9 महीनों के कप्तानी के कार्यकाल में टीम इंडिया ने 4 वनडे सीरीज खेली है, जिसमें उसे जीत सिर्फ एक वनडे सीरीज में ही मिली है. बाकी 3 वनडे सीरीज में टीम इंडिया को हार का मुंह देखना पड़ा है. गिल की कप्तानी में भारत को जिस वनडे सीरीज में जीत मिली है, वो उसने अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी जमीन पर खेली है. भारत ने 3 मैचों की वो वनडे सीरीज 3-0 से जीती थी. भारत के वनडे कप्तान के तौर पर शुभमन गिल का डेब्यू पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली सीरीज से हुआ था. ऑस्ट्रेलिया ने अक्टूबर 2025 में खेली उस वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था.

ऑस्ट्रेलिया के हाथों पिटने के बाद टीम इंडिया ने अपनी ही जमीन पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली. भारतीय टीम ने अपनी जमीन पर 1988 के से बाद से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं गंवाई थी. लेकिन, शुभमन गिल की कप्तानी में वो रिकॉर्ड भी टूट गया. न्यूजीलैंड ने 37 साल के सिलसिले को खत्म करते हुए भारत को 3 वनडे की सीरीज में 2-1 से हराया और इतिहास रचा. शुभमन गिल ने बतौर कप्तान विदेशी जमीन पर अपनी पहली वनडे सीरीज इंग्लैंड में खेली. शुभमन गिल के पास विदेशी में अपनी पहली वनडे सीरीज जीतने का मौका था. मगर वो भी हाथ ना आया. इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज में शुभमन गिल एंड कंपनी को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा. शुभमन गिल ने 9 महीनों के वनडे कप्तानी के कार्यकाल में 4 सीरीज खेली, जिसमें से 3 सीरीज उन्होंने भारत में और एक विदेश में खेली. विदेशी जमीन पर खेली वनडे सीरीज में तो उन्हें हार मिली ही उसके अलावा भारत में खेली 3 वनडे सीरीज में से 2 में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 3 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 से हराकर सीरीज अपने नाम की

बुलावायो, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने बुलावायो में खेले गए तीसरे और निर्णायक टी-20 में जिम्बाब्वे को हराकर 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश ने 2026 की अपनी पहली टी-20I सीरीज जीती। वहीं, जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा का 314वां इंटरनेशनल मैच हार के साथ खत्म हुआ। रजा जिम्बाब्वे के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर सबसे ज्यादा 314 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे 150 रन से पहले ही सिमट गया। डिओन मायर्स ने अर्धशतक लगाया और ब्रायन बेनेट के साथ 71 रन की साझेदारी की, लेकिन आखिरी 4 ओवर में बांग्लादेश ने सिर्फ 25 रन देकर 4 विकेट झटक लिए। मोहम्मद सैफुद्दीन ने 2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए तंजीद हसन ने 45 गेंद में अर्धशतक जड़ा। यह उनके टी20 करियर का 13वां 50+ स्कोर रहा, जिसके साथ उन्होंने शाकिब अल हसन की बराबरी कर ली। उन्होंने परवेज हुसैन इमोन और तौहीद हृदॉय के साथ अहम साझेदारियां कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवर में ब्रैड इवांस ने लगातार दो विकेट लेकर मैच रोमांचक बना दिया। इसके बाद मेहदी हसन मिराज के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील 'डेड बॉल' करार दिए जाने पर खिलाड़ियों और अंपायर के बीच बहस हुई। हालांकि, अगली ही गेंद पर चौका लगाकर बांग्लादेश ने 2 गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली। जिम्बाब्वे ने टेस्ट और वनडे सीरीज जीती, लेकिन टी20 सीरीज गंवा दी। निर्णायक मुकाबले में मिडिल ऑर्डर की नाकामी टीम के लिए चिंता का विषय रही, खासकर अगले हफ्ते भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से पहले।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

पाकिस्तानी फाइटर को हराने के बाद संग्राम सिंह

कुआलालंपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही।

आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं। फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई।

हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया। 30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था। संग्राम की इस जीत पर पूरा स्टेडियम खुशी से झूम उठा और इस तरह उनका एशिया चैम्पियन बनने का सपना साकार हो गया। संग्राम सिंह ने कहा कि वह मेरे अटैक पर एक्शन को डेड करना चाहता था लेकिन उन्होंने उसे अंदर खींचकर उसकी मंशा को पूरा नहीं होने दिया। वहीं कोच भूपेश ने कहा कि आबिद की ऊंची कदकाठी और पंच लगाने की फुर्ती से एक समय तो लगा था कि यह मुक़ाबला काफी नजदीकी रहेगा लेकिन कुश्ती का अनुभव उनके बहुत काम आया। अर्जेंटीना में पिछला मुकाबला भी उन्होंने इसी तरह लेग अटैक पर जीता था।

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता

फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

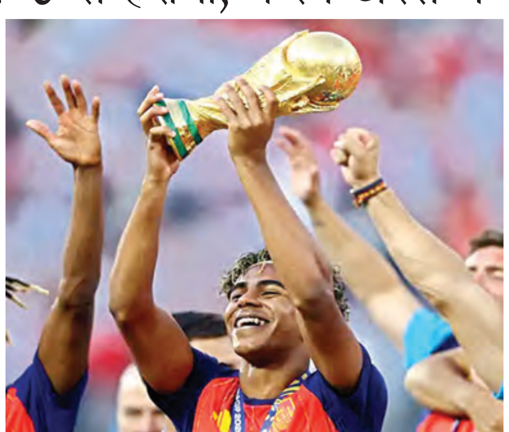
ट्रॉफी के साथ स्पेन के स्टार फुटबॉलर लामिन यमाल

न्यूयॉर्क, 20 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया। स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड चैंपियन बना है। उसने पहली बार 2010 में नीदरलैंड को हराकर यह ट्रॉफी जीती थी। अगर यह मुकाबला 105 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

लगभग अकेले लड़ रहे मार्टिनेज की दीवार आखिरकार 106ठे मिनट में ढह गई। निको विलियम्स का हेडर फेरन टोरेस तक पहुंचा, जिन्होंने बॉल गोलपोस्ट में डाल दिया। इस तरह स्पेन 1-0 से आगे हो गया। अर्जेंटीना 90 मिनट तक किसी तरह मुकाबले में बनी रही। ऐसा लगा कि टीम मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाना चाहती थी, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडिज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी पलट दी। पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया। यह उनका मैच का दूसरा यलो कार्ड था। इस तरह उनके दो यलो कार्ड, रेड कार्ड में कन्वर्ट हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

103वें मिनट में निको विलियम्स ने ऐसा क्रॉस डाला, जिसे देखकर स्पेनिश फैंस जश्न मनाने को तैयार हो गए थे। मिकेल मेरिनो को लगभग खाली गोल मिला, लेकिन उनका हेडर बाहर चला गया।

तीन मिनट बाद वही निको विलियम्स फिर बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई।

यह फाइनल एक तरह से दो पीढ़ियों का मुकाबला भी था। एक तरफ 39 साल के लियोनेल मेसी थे, दूसरी ओर 20 साल के लामिन यमाल।

मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। दूसरी ओर यमाल लगातार अर्जेंटीना के डिफेंस पर हमला करते रहे। स्पेन की पहचान हमेशा से गेंद पर नियंत्रण रखने वाली टीम की रही है। इस फाइनल में भी वही अंदाज दिखा। रोड्री ने मिडफील्ड में पूरे मैच की रफ्तार तय की। अर्जेंटीना को काउंटर अटैक का मौका ही नहीं मिला। स्पेन ने करीब 65% समय गेंद अपने पास रखी।

रेफरी की अंतिम सीटी बजते ही स्पेनिश खिलाड़ी मैदान पर दौड़ पड़े। कोई घुटनों के बल बैठ गया, कोई आसमान की ओर देखने लगा, तो कोई अपने साथी खिलाड़ियों से लिपट गया। 16 साल का इंतजार खत्म हो चुका था।

दूसरी ओर अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की निराशा साफ दिखाई दे रही थी। कुछ देर बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन मामला जल्द शांत हो गया। इसके बाद ट्रॉफी स्पेन के कप्तान के हाथों में पहुंची और पूरा स्टेडियम 'वीवा एस्पाना' (स्पेन जिंदाबाद) के नारों से गूंज उठा।

न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराया

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 2-1 से हराकर टी-20 सीरीज अपने नाम की

बारबाडोस, 20 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली है। इसके साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर लिया।

189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम 149/6 पर संकट में थी, लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर की नाबाद 34 रन की पारी ने टीम को जीत दिलाई।

जीत के लिए 3 रन चाहिए थे और न्यूजीलैंड के 9 विकेट गिर चुके थे। 44वें ओवर में सैंटनर का आसान कैच अकीन ऑगस्टे और जस्टिन ग्रीव्स की टक्कर के कारण छूट गया। इसके बाद 45वें ओवर की पहली गेंद पर सैंटनर ने चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

6 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद मार्क चापमैन ने 82 गेंदों में 80 रन बनाकर पारी संभाली। उनके आउट होने के बाद गुडाकेश मोती ने लगातार विकेट लेकर कीवी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। मोती ने 5 विकेट लिए, लेकिन सैंटनर आखिर तक टिके रहे और 11वें नंबर के जेडन लेनोक्स के साथ जीत दिला दी। सैंटनर ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज 188 रन पर सिमट गई। आमिर जांगू और गुडाकेश मोती ने 81 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से सांटनर और मैथ्यू फिशर ने 2-2 विकेट लिए।

खिताब नहीं जीत सका अर्जेंटीना, हार के बाद ब्यूनस आयर्स में बवाल?

समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प

ब्यूनस आयर्स, 20 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से हार के बावजूद अर्जेंटीना के प्रशंसकों का अपनी टीम और लियोनेल मेसी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ। हजारों समर्थक ब्यूनस आयर्स के ओबेलिस्को पहुंचे और टीम का हौसला बढ़ाया। हालांकि, इसी दौरान कुछ जगहों पर झड़प की घटनाएं भी सामने आईं, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। स्पेन के खिलाफ फाइनल में 1-0 की हार के बाद ब्यूनस आयर्स स्थित ओबेलिस्को के आसपास बड़ी संख्या में लोग जुटे। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ जगहों पर झड़प की स्थिति बनने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया। 19 जुलाई की रात हुई इस घटना में कम से कम चार लोगों को हिरासत में लिया गया।

फाइनल में फेरान टोरेस के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से अर्जेंटीना का विश्व कप जीतने का सपना टूट गया। इसके बावजूद प्रशंसकों ने टीम का हौसला बनाए रखा। 20 वर्षीय जूलियन एस्कालांटे ने कहा कि हमने इंग्लैंड को हराया था और वही सबसे बड़ी बात है। टीम ने अपना सब कुछ झोंक दिया। हम फाइनल तक पहुंचे, अतिरिक्त समय तक मुकाबला खेला। यह हमारी जुझारू मानसिकता दिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने देश पर गर्व है और लियोनेल मेसी ने अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम से दुनिया के महानतम खिलाड़ी के रूप में विदाई ली। 28 वर्षीय सिंटिया मार्टिनेज अपने चार साल के बेटे के साथ ओबेलिस्को पहुंचीं। उन्होंने कहा कि हार के बावजूद वह जश्न मनाने आई हैं, क्योंकि टीम फाइनल तक पहुंची और उन्हें उस पर गर्व है।

फाइनल के बाद हजारों लोग ओबेलिस्को पहुंचे। 67 मीटर ऊंचे इस स्मारक को अर्जेंटीना की टीम और उसके समर्थकों की तस्वीरों से रोशन किया गया। आसपास आतिशबाजी भी हुई और कई लोग टीम के समर्थन में जुटे रहे। ब्राजील की मेडिकल छात्रा एलेन विसेंटे, जो अर्जेंटीना की जर्सी पहनकर पहुंची थीं, ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लोगों का सम्मान करती हैं और उन्हें लगता है कि टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, 18 वर्षीय एमिलियानो रोमेरो ने ओबेलिस्को की रेलिंग पर अर्जेंटीना का बैनर लगाते हुए लिखा ₹धन्यवाद! आपने पूरे देश को खुश किया। प्यार का बदला प्यार से मिलता है।₹ 22 वर्षीय सोफिया गोमेज ने कहा कि फुटबॉल में जीत और हार दोनों होती हैं, लेकिन मेसी के आखिरी मैच में हर कोई चाहता था कि अर्जेंटीना ही चैंपियन बने।

कपिल देव बोले- रोहित और विराट समेत किसी खिलाड़ी की जगह परमानेंट नहीं

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने कहा है कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती।

उन्होंने साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी तभी तक मौका मिलना चाहिए जब तक वे परफॉर्म कर रहे हैं।

कपिल देव ने कहा कि सीनियरों के अनुभव का फायदा तब तक मिले जब तक वे मैच जिता रहे हैं।

खराब फॉर्म की सिचुएशन के लिए युवा खिलाड़ियों का बैकअप भी तैयार रखना चाहिए। रोहित-विराट टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। वे सिर्फ वनडे खेल कर रहे हैं।

ताड़ के तेल की खेती किसानों की आय में बड़ा बदलाव ला सकती है: भट्टी

डिप्टी सीएम ने पाम ऑयल इंडस्ट्री का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि खम्मम जिले के किसानों के लिए ताड़ के तेल की खेती एक परिवर्तनकारी अवसर है, जिससे किसानों को उच्च उत्पादकता और बेहतर लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी, खासकर ऐसे क्षेत्र में जो मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। उन्होंने कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव और गोदरेज प्रबंधन के प्रतिनिधियों के साथ सोमवार को खम्मम जिले के कोनिजेरला मंडल के अंजनापुरम गांव में लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित प्रतिष्ठित गोदरेज इंटीग्रेटेड पाम ऑयल इंडस्ट्री का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि खम्मम जिला कृषि का पर्याय है और खेती यहाँ के लोगों की आजीविका का मुख्य साधन है।

उन्होंने याद दिलाया कि अविभाजित खम्मम जिले में कभी कई उद्योग थे, लेकिन जिलों के पुनर्गठन के बाद यह काफी हद तक कृषि पर ही निर्भर रहा है। चूंकि कृषि स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए उपमुख्यमंत्री ने अधिक पैदावार और अधिक आय देने वाली फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसी उद्देश्य से उन्होंने किसानों से ताड़ के तेल की खेती करने का आग्रह किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि ताड़ के तेल की खेती किसानों को अल नीनो और सूखे जैसी प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में भी सुनिश्चित आय प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रति एकड़ 4,000 रुपये से लेकर 45,000 रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अगर भारत घरेलू स्तर पर ताड़ के तेल का अधिक उत्पादन कर सके तो इससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और किसानों को भी काफी लाभ होगा। उपमुख्यमंत्री ने कोनिजेरला मंडल के अंजनापुरम में नवउद्घाटित 300 करोड़ रुपये की एकीकृत ताड़ के तेल उद्योग परियोजना को खम्मम जिले के किसानों के लिए एक बड़ा वरदान बताया, जिनकी आजीविका लगभग पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है।

बुनियादी ढांचे में सुधार की मांगों का जवाब देते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उद्योग के विकास को समर्थन देने के लिए औद्योगिक अवसंरचना निगम के माध्यम से सड़क संपर्क को मंजूरी देगी। उपमुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह नई इकाई एक प्रमुख उद्योग के रूप में उभरेगी, जिससे क्षेत्र में कई सहायक उद्योग आकर्षित होंगे और यह कृषि आधारित उद्योगों का एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा।

चिलकुर मंदिर में मानसून के अच्छे आगमन के लिए आज वरुण जपम

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध चिलकुर बालाजी मंदिर मंगलवार (21 जुलाई) को सुबह 8.30 बजे से 11 बजे तक तेलंगाना के लिए भरपूर मानसूनी बारिश की कामना करते हुए उस्मानसागर (गांडीपेट) झील पर पारंपरिक "वरुण जपम" का आयोजन करेगा। कम वर्षा के समय आयोजित होने वाले इस वैदिक अनुष्ठान में मंदिर के पुजारी और वैदिक विद्वान कमर तक पानी में खड़े होकर वेदों की तैत्तिरीय संहिता के मंत्रों का 108 बार जाप करते हैं ताकि जल के हिंदू देवता वरुण और भगवान इंद्र का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके। समारोह का नेतृत्व सीएस लक्ष्मी नरसिम्हन करेंगी, जिसमें वेदभवनम के डॉ.वी. श्रीराम घनपति के नेतृत्व में वैदिक विद्वान शामिल होंगे। यह वार्षिक प्रार्थना समाज के कल्याण के लिए की जाती है, जिसमें जलाशयों को भरने, सूखती नदियों को पुनर्जीवित करने और राज्य भर में फसलों की रक्षा के लिए पर्याप्त वर्षा की कामना की जाती है।

आंदोलनकारियों की मांगों पर समिति ने की समीक्षा

मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी विस्तृत रिपोर्ट

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान समिति (सरकारी आदेश संख्या-679) ने रविवार को अमरवीरों के स्मारक अमरदीप पर राज्यभर के विभिन्न संयुक्त कार्रवाई समितियों (जेएसी) के प्रतिनिधियों और नेताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में आंदोलनकारियों की पहचान, उनके कल्याण तथा विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रोफेसर एम. कोदंडराम, सरकारी मुख्य सचेतक अड्डांकी दयाकर, समिति के कार्यकारी सदस्य मोथे शोभन रेड्डी तथा एस. रामुलु नायक उपस्थित रहे। उन्होंने जेएसी नेताओं से आंदोलनकारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से जानकारी ली। समिति के सदस्यों ने कहा कि तेलंगाना राज्य गठन के आंदोलन में संयुक्त कार्रवाई समितियों की भूमिका ऐतिहासिक रही है।

विद्यार्थियों, कर्मचारियों, श्रमिकों, अधिवक्ताओं तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों को एक मंच पर लाकर आंदोलन को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने में जेएसी नेतृत्व का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। बैठक के दौरान जेएसी प्रतिनिधियों ने आंदोलनकारियों के कल्याण के लिए कई प्रमुख मांगें समिति के समक्ष रखीं। इनमें समिति को वैधानिक दर्जा देने, पात्र आंदोलनकारियों को 250 वर्ग गज का निःशुल्क आवासीय भूखंड तथा मकान निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा वृद्ध आंदोलनकारियों के लिए सम्मानजनक आजीवन मासिक पेंशन, असीमित कॉर्पोरेट चिकित्सा सुविधा हेतु स्वास्थ्य कार्ड जारी करने, आंदोलनकारियों के बच्चों को किंडरगार्टन से स्नातकोत्तर स्तर तक निःशुल्क शिक्षा तथा शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में विशेष आरक्षण देने की भी मांग उठाई गई।

वृद्ध आंदोलनकारियों को राज्यभर में राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। समिति के कार्यकारी सदस्यों ने कहा कि जेएसी नेताओं और जमीनी स्तर के आंदोलनकारियों द्वारा उठाई गई सभी मांगें न्यायोचित हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माध्यम से सभी सुझावों और दावों का डिजिटल अभिलेखीकरण किया जा रहा है तथा किसी भी वास्तविक आंदोलनकारी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सभी मांगों को समेकित कर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को विस्तृत प्रतिवेदन सौंपा जाएगा। समिति के अध्यक्ष डॉ. के. केशवराव ने बताया कि 23 जुलाई तक आमने-सामने की समीक्षा बैठकें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आवेदनों की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कर वास्तविक आंदोलनकारियों की पहचान की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

बीआरएस के पूर्व जिला महासचिव मंदुला राधाकृष्ण कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व जिला महासचिव मंदुला राधाकृष्ण ने सोमवार को जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) की अध्यक्ष निर्मला जग्गा रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। निर्मला जग्गा रेड्डी ने उन्हें कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर निर्मला जग्गा रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों और सरकार के कार्यों के कारण जनता का विश्वास पार्टी के प्रति लगातार बढ़ रहा है और विभिन्न दलों के नेता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सुधाकर गौड़, जॉर्ज, कूना संतोष, किरण गौड़, महेश मुदिराज, तोपाजी हरीश, नागेश, श्रीहरि सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण राज्य आर्थिक संकट की ओर : दासोजु श्रवण

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधान परिषद सदस्य डॉ. दासोजु श्रवण ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण राज्य आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। डॉ. श्रवण ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पास प्रशासन चलाने की क्षमता नहीं है और उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के शुरूआती 90 दिनों के आर्थिक प्रबंधन में ही 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व घाटा सामने आया है। उन्होंने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में भी राज्य की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर बातें सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार का बजट वास्तविकता से दूर है और कैग रिपोर्ट ने इसे उजागर किया है। बीआरएस नेता ने दावा किया कि सरकार ने 6,857 करोड़ रुपये के अधिशेष बजट का दावा किया था, लेकिन छह महीने के भीतर ही 12,289 करोड़ रुपये का बजट घाटा सामने आ गया। उन्होंने कहा कि कर राजस्व लक्ष्य के मुकाबले केवल 22 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ है और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में भी गिरावट आई है। डॉ. श्रवण ने आरोप लगाया कि सरकार नए करों और कथित वसूली के माध्यम से जनता पर बोझ डाल रही है। उन्होंने आबकारी राजस्व में भी कमी का दावा करते हुए कहा कि राज्य की आय को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कई बार दिल्ली जाने के बावजूद केंद्र से अपेक्षित सहायता नहीं ला सके। उन्होंने दावा किया कि राज्य पर भारी कर्ज का बोझ बढ़ गया है और वर्तमान सरकार तेलंगाना को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है। बीआरएस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों की व्यक्तिगत संपत्तियों में वृद्धि हो रही है, जबकि राज्य सरकार की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। उन्होंने सरकार से चुनावी वादों को पूरा करने और प्रशासन में गंभीरता दिखाने की मांग की। उन्होंने भविष्य की राजधानी परियोजना, मेट्रो व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनता को मुख्यमंत्री और मंत्रियों से जवाब मांगना चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना अपनाएं : राज्यपाल

छात्रों से नशामुक्त तेलंगाना के निर्माण में सहयोग करने का आग्रह

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सोमवार को छात्रों से 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना को अपनाने और एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मूल्य आधारित शिक्षा, अनुशासन और सेवा भावना राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं और उन्होंने युवाओं से इन आदर्शों को बनाए रखने का आग्रह किया।

राज्यपाल नारायणगुडा में केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी (केएमईएस) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहां वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इससे पहले, उन्होंने संस्था के संस्थापक पंडित विनायक राव विद्यालंकार की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए शुक्ल ने कहा कि न्यायमूर्ति केशव राव कोरटकर के आदर्शों से प्रेरित होकर, केएमईएस ने शिक्षा, सेवा, देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को निरंतर कायम रखा है।

उन्होंने कहा कि एक साधारण शैक्षणिक संस्थान के रूप में शुरू हुआ यह संस्थान आज स्कूल, तकनीकी, प्रबंधन, विधि और उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले प्रतिष्ठित संस्थानों के समूह में विकसित हो गया है। केएमईएस को एक आदर्श संस्थान बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह समर्पित शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से 16,000 से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को सहायता प्रदान करने, स्वास्थ्य सेवा संबंधी पहल, कौशल विकास कार्यक्रम और सामुदायिक कल्याण गतिविधियों के लिए सोसायटी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), व्यक्तित्व विकास पहल, तकनीकी प्रशिक्षण और सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

'छात्रों की गूंज' से शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की मुहिम : विनोद जाखड़

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ कांग्रेस द्वारा देशभर में 'छात्रों की गूंज' अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में विनोद जाखड़ और सरकारी मुख्य सचेतक बलमूर वेंकट मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर बलमूर वेंकट ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से केंद्र की सरकार देश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में हो रही अनियमितताओं को जनता और विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी यह अभियान चला रही है। उन्होंने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि देश में नीट, आईआईटी और संघ लोक सेवा आयोग सहित विभिन्न प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से केंद्र सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये की आय होती है, जो पांच मंत्रालयों के कुल बजट के बराबर है।

मृत आरटीसी चालक के परिवार को 90.85 लाख रुपये की सहायता

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आर्थिक सहायता का चेक सौंपा

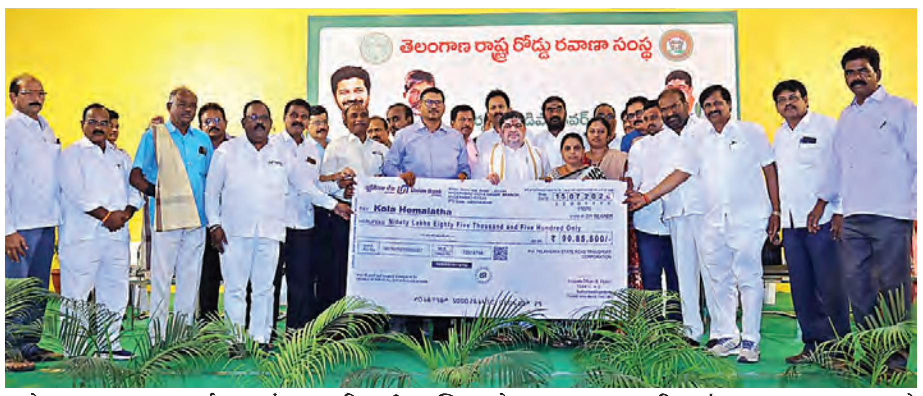

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के दिवंगत चालक कोला शंकर के परिवार को 90 लाख 85 हजार 500 रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। नरसंपेट डिपो में कार्यरत रहे चालक शंकर की पत्नी हेमलता, पुत्र हेमंत और पुत्री शालिनी को यह सहायता निगम की कर्मचारी सहायता पहल के तहत आरटीसी कला भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान की गई। इस अवसर पर टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी, कार्यकारी निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आरटीसी कर्मचारियों ने एकजुट होकर शोकाकुल परिवार का सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकार महिलाओं के लिए महालक्ष्मी निःशुल्क बस यात्रा योजना के क्रियान्वयन के लिए टीजीएसआरटीसी को हर महीने 300 करोड़ रुपये जारी कर रही है। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आरटीसी को मजबूत करना, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि आरटीसी सेवाओं को एमएमटीएस और मेट्रो रेल से जोड़ने, गांवों तक बस सेवाओं का विस्तार करने तथा क्योर क्षेत्र में बस टर्मिनल निर्माण की योजना बनाई जा रही है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि छह लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले आरटीसी कर्मचारी, जिनमें आउटसोर्सिंग कर्मचारी भी शामिल हैं, इंदिरम्मा आवास योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीसी विलय प्रक्रिया को चुनावों के बाद मंत्रियों और अधिकारियों के निर्णय के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

एससीआर महाप्रबंधक का मानसून के दौरान सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

संवेदनशील रेलखंडों और वातानुकूलित डिब्बों की नियमित जांच पर जोर

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में मानसून के दौरान सुरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने तथा विभिन्न सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। बैठक में विभागाध्यक्षों ने भाग लिया, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को मानसून गश्त को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा जलभराव और बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील रेलखंडों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में जल प्रवाह की स्थिति पर नजर रखने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को मानव संचालित समपार फाटकों का लगातार निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की सतर्कता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संजय कुमार श्रीवास्तव ने वातानुकूलित रेल डिब्बों में बिस्तर प्रबंधन की नियमित जांच करने तथा डिब्बों के बीच के संपर्क मार्ग (वेस्टिब्यूल) को अवरोधमुक्त रखने पर भी बल दिया, ताकि आग जैसी दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके। उन्होंने रेल पटरियों पर धातु की वस्तुएं रखने या निर्माण सामग्री का मलबा छोड़ने जैसी शरारती गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही कर्मचारियों के लिए नियमित पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे उन्हें नवीनतम सुरक्षा मानकों और परिचालन प्रक्रियाओं की जानकारी मिलती रहेगी।

मुख्यमंत्री का दो दिवसीय कोडंगल दौरा एसआईआर पर केंद्रित रहेगा

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मंगलवार से शुरू होने वाले कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर निकलेंगे। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री प्रस्तावित शिक्षा केंद्र की प्रगति का निरीक्षण करेंगे, निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की समीक्षा करेंगे।

रेवंत रेड्डी शाम 4 बजे दुद्याल मंडल के हकीमपेट गांव में स्थित शिक्षा केंद्र का निरीक्षण करेंगे। बाद में, शाम 5 बजे, वह कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों की समीक्षा के लिए अधिकारियों के साथ एक बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को सुबह 10 बजे स्थानीय नेताओं और बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के साथ एसआईआर अभ्यास की समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक के बाद वे हैदराबाद लौटेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.